प्रिलिम्स रिफ्रेशर प्रोग्राम 2020 : टेस्ट 3

1. यह प्रस्ताव केवल लोकसभा में ही अत्यावश्यक लोक महत्त्व के मुद्दों पर सदन का ध्यान आकर्षित करने के लिये पेश किया जा सकता है। इसमें सरकार के निंदा के तत्त्व शामिल होते हैं। यह एक असाधारण युक्ति है जो सदन की सामान्य कार्यवाही को बाधित करती है। इसमें ऐसा कोई मामला शामिल नहीं होता है जो न्यायालय में विचाराधीन है। यह हाल ही में घटित किसी घटना तक ही सीमित रहता है और एक से अधिक मामलों को कवर नहीं करता है। यह प्रस्ताव किसी ऐसे मामले पर पुनः चर्चा नहीं करता है जिस पर उसी सत्र में चर्चा हो चुकी हो।

उपरोक्त अनुच्छेद में वर्णित प्रस्ताव की पहचान कीजिये:

a. विशेषाधिकार प्रस्ताव
b. ध्यानाकर्षण प्रस्ताव
c. निंदा प्रस्ताव
d. स्थगन प्रस्ताव

उत्तर: (d)

व्याख्या:

स्थगन प्रस्ताव: स्थगन प्रस्ताव एक असाधारण प्रक्रिया है जो किसी गंभीर और महत्त्वपूर्ण समस्या पर चर्चा के लिये सदन में लाया जाता है। इस पर चर्चा के लिये सदन की समस्त नियमित कार्यवाहियाँ रोक दी जाती हैं यानी स्थगित कर दी जाती हैं।

- सदन की नियमित कार्यवाही के स्थगन का प्रस्ताव लाने का अधिकार निम्नलिखित प्रतिबंधों के अधीन है-
- इसके माध्यम से एक ऐसे मुद्दे को उठाया जा सकता है जो कि निश्चित, तथ्यात्मक, अत्यंत ज़रूरी और लोक महत्त्व का हो।
- इसमें एक से अधिक मामलों को शामिल नहीं किया जाना चाहिये।
- इसके माध्यम से वर्तमान घटनाओं के किसी विशिष्ट विषय को ही उठाया जा सकता है, न कि साधारण महत्त्व के विषय को।
- इसके माध्यम से विशेषाधिकार के प्रश्न को नहीं उठाया जा सकता है।
- इसके माध्यम से ऐसे किसी विषय पर चर्चा नहीं की जा सकती जिस पर उसी सत्र में चर्चा हो चुकी है।
- इसके द्वारा न्यायालय में विचाराधीन मामले को नहीं उठाया जा सकता।
- इसे किसी भी अलग प्रस्ताव के माध्यम से उठाए गए विषयों को पुन: उठाने की अनुमति नहीं होती है।
- चूँकि इसमें सरकार की निंदा का एक तत्त्व शामिल है, इसलिये राज्यसभा को इस प्रकार के प्रस्ताव का उपयोग करने की अनुमति नहीं है। **अतः विकल्प (d) सही है।**

2. भारतीय संविधान के उद्देश्यों में से एक "सामाजिक न्याय" का उल्लेख निम्नलिखित में से किसमें मिलता है?

a. राज्य के नीति निदेशक तत्त्वों में।
b. प्रस्तावना, मौलिक अधिकार और राज्य के नीति निदेशक तत्त्वों में।
c. मौलिक अधिकार और प्रस्तावना में।
d. इनमें से कोई नहीं।

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- सामाजिक न्याय सभी नागरिकों के साथ जाति, रंग, नस्ल, धर्म, लिंग आदि के आधार पर बिना किसी सामाजिक भेदभाव के समान व्यवहार को संदर्भित करता है। इसका अर्थ समाज में किसी वर्ग विशेष को विशेषाधिकार न देना तथा अन्य पिछड़े वर्गों (अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, एवं अन्य पिछड़ा वर्ग) एवं महिलाओं की स्थिति में सुधार करना है।
- संविधान ने प्रासंगिक प्रावधानों के साथ सामाजिक-आर्थिक न्याय एवं व्यक्तिगत स्वतंत्रता और मौलिक अधिकारों के स्पष्ट

रूप से परस्पर विरोधी दावों को स्वीकार करने का प्रयास किया है।
    - प्रस्तावना में सभी नागरिकों के लिये **सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय के आदर्श की परिकल्पना की गई है।**

मौलिक अधिकार:

- भारत के संविधान का अनुच्छेद 14 विधि के समक्ष समानता या विधियों के समान संरक्षण का प्रावधान करता है।
- अनुच्छेद 15 धर्म, जाति, मूलवंश, लिंग या जन्म स्थान या इनमें से किसी के आधार पर नागरिकों को राज्य द्वारा हर तरह के भेदभाव से सुरक्षित करता है।
- अनुच्छेद 17 अस्पृश्यता की प्रथा को समाप्त करता है। छुआछूत की प्रथा एक अपराध है और किसी भी व्यक्ति द्वारा ऐसा किया जाना कानूनन दंडनीय है।
- अनुच्छेद 19 नागरिकों को सात विभिन्न प्रकार की स्वतंत्रताओं की मौलिक अधिकारों के रूप में मान्यता देता है।
- अनुच्छेद 23 और 24 शोषण के विरुद्ध मौलिक अधिकार प्रदान करते हैं। अनुच्छेद 24 विशेष रूप से किसी भी कारखाने, फैक्ट्री या किसी अन्य खतरनाक रोज़गार में 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चे के नियोजन को प्रतिबंधित करता है।

राज्य के नीति निदेशक तत्त्व:

- अनुच्छेद 38 में कहा गया है कि राज्य ऐसी सामाजिक व्यवस्था, जिसमें सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक न्याय राष्ट्रीय जीवन की सभी संस्थाओं को अनुप्राणित करे, प्रभावी रूप में स्थापना और संरक्षण करके लोक कल्याण की अभिवृद्धि का प्रयास करेगा।
- इसी प्रकार अनुच्छेद 39 (क) सभी के लिये सामान न्याय और निशुल्क विधिक सहायता, अनुच्छेद 41 प्रत्येक नागरिक के लिये बेरोज़गारी, वृद्धावस्था, बीमारी और विकलांगता की स्थिति में एवं शिक्षा पाने के मामले में लोक सहायता, अनुच्छेद 42 राज्य काम की न्यायसंगत और मानवोचित दशाओं को सुनिश्चित करने और प्रसूति सहायता तथा अनुच्छेद 46 अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं समाज के कमज़ोर वर्गों के शैक्षिणिक एवं आर्थिक हितों को प्रोत्साहित कर उनके महत्त्व पर ज़ोर देता है।

अतः विकल्प (b) सही उत्तर है।

3. भारत की प्रस्तावना के संबंध में निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?
    1. बेरुबाड़ी संघ के मामले में इसे संविधान का एक भाग माना गया।
    2. यह संविधान के मूल ढाँचे का एक हिस्सा है।
    3. यह न तो शक्ति का और न ही परिसीमन का स्रोत है।

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

a. केवल 1 और 2
b. केवल 2 और 3
c. केवल 3
d. 1, 2 और 3

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- प्रस्तावना संविधान के बारे में निम्नलिखित 4 बिंदुओं को प्रस्तुत करती है:
    - संविधान के अधिकार का स्रोत, जो कि भारत के लोग हैं।
    - भारतीय राज्य की प्रकृति- संप्रभु, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक एवं गणतांत्रिक।
    - संविधान के उद्देश्य- न्याय, स्वतंत्रता, समता एवं बंधुत्व।
    - संविधान लागू होने की तिथि जो कि 26 नवंबर, 1949 है।
- केशवानंद भारती बनाम केरल राज्य मामले में उच्चतम न्यायालय द्वारा यह निर्णय दिया गया था कि:
    - भारत के संविधान की प्रस्तावना संविधान का एक हिस्सा है। **अतः कथन 1 सही नहीं है।**
    - प्रस्तावना न तो शक्ति का स्रोत है और न ही शक्ति को सीमित करती है। **अतः कथन 3 सही है।**

- संविधान के कानून एवं प्रावधानों की व्याख्या में प्रस्तावना की महत्त्वपूर्ण भूमिका है।
- एस.आर. बोम्मई वाद में नौ न्यायाधीशों में से अधिकांश ने प्रस्तावना के एक नए अनुप्रयोग का प्रतिपादन किया जो इस प्रकार है:
  - प्रस्तावना संविधान के मूल ढाँचे को दर्शाती है। **अतः कथन 2 सही है।**
  - अनुच्छेद 356 (1) के अंतर्गत जारी उद्घोषणा, संविधान के मूल ढाँचे का उल्लंघन करने के आधार पर न्यायिक समीक्षा के अधीन है।
  - इसी प्रकार अनुच्छेद 356 (1) की एक उद्घोषणा के तहत यदि प्रस्तावना में वर्णित किसी भी आधारभूत विशेषता का उल्लंघन किया जाता है तो इसे असंवैधानिक माना जाएगा।

4. भारतीय परिषद अधिनियम, 1861 के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
   1. पोर्टफोलियो व्यवस्था की शुरुआत।
   2. वायसराय को अध्यादेश जारी करने का अधिकार।
   3. गवर्नर-जनरल की परिषद के विधायी और कार्यकारी कार्यों का पृथक्करण।
   4. बंबई और मद्रास प्रेसीडेंसी को विधायी शक्तियों की बहाली।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?

a. केवल 1 और 3
b. केवल 2 और 3
c. केवल 1, 2 और 4
d. 1, 2, 3 और 4

उत्तर: (c)

व्याख्या:

भारतीय परिषद अधिनियम, 1861

भारतीय परिषद अधिनियम, 1861 को भारत में प्रतिनिधि संस्थानों की शुरुआत के लिये जाना जाता है। इसने देश में विधायी शक्तियों के अंतरण की नींव रखी।

- पोर्टफोलियो प्रणाली लॉर्ड कैनिंग द्वारा वर्ष 1859 में शुरू की गई थी। हालाँकि इस अधिनियम ने पोर्टफोलियो प्रणाली को भी मान्यता दी।
- इसके अंतर्गत वायसराय की परिषद के किसी सदस्य को एक या अधिक सरकारी विभागों का प्रभारी बनाया जा सकता था तथा उसे इस विभाग में परिषद की ओर से अंतिम आदेश जारी करने का अधिकार था। **अतः कथन 1 सही है।**
- इसने वायसराय को आपातकाल के दौरान परिषद की संस्तुति के बिना अध्यादेश जारी करने का अधिकार दिया। ऐसे अध्यादेश की अवधि छह माह हो सकती थी। **अतः कथन 2 सही है।**
- इसके द्वारा विधि निर्माण की प्रक्रिया में भारतीय प्रतिनिधियों को शामिल करने की शुरुआत हुई। इस प्रकार वायसराय कुछ भारतीयों को विस्तारित परिषद में गैर-सरकारी सदस्यों के रूप में नामांकित कर सकता था।
- इस अधिनियम ने बंबई और मद्रास प्रेसीडेंसी को पुनः विधायी शक्तियाँ देकर विकेंद्रीकरण की प्रक्रिया की शुरुआत की। इस प्रकार इस अधिनियम ने रेगुलेटिंग एक्ट, 1773 द्वारा प्रारंभ केंद्रीयकरण की प्रवृत्ति को उलट दिया जो 1833 के चार्टर अधिनियम के साथ अपने चरम पर पहुँच गई थी।
- इस विधायी विकास की नीति के कारण 1937 तक प्रांतों को संपूर्ण आंतरिक स्वायत्तता हासिल हो गई। **अतः कथन 4 सही है।**
  - इसके प्रावधानों के तहत बंगाल, उत्तर-पश्चिमी सीमा प्रांत (NWFP) और पंजाब में क्रमशः 1862, 1866 और 1897 में विधानपरिषदों का गठन हुआ।
- **1853 के चार्टर अधिनियम** में पहली बार गवर्नर जनरल की परिषद के विधायी एवं प्रशासनिक कार्यों को अलग किया गया। इसने गवर्नर जनरल के लिये नई

विधानपरिषद का गठन किया, जिसे भारतीय (केंद्रीय) विधानपरिषद के रूप में जाना जाता है। **अतः कथन 3 सही नहीं है।**

5. निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?
   1. विधायिका के प्रति कार्यपालिका का सामूहिक उत्तरदायित्व ही सरकार के कैबिनेट रूप का अंतर्निहित सिद्धांत है।
   2. राष्ट्रपति कार्यकाल पूरा होने के बाद ही संसद के निम्न सदन को भंग कर सकता है।
   3. भारतीय संसदीय प्रणाली 'संसदीय संप्रभुता' के सिद्धांत पर आधारित है।

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

a. केवल 1 और 2
b. केवल 1 और 3
c. केवल 1
d. 1, 2 और 3

उत्तर: (c)

व्याख्या:

सामूहिक उत्तरदायित्व

- यह सरकार की संसदीय प्रणाली का विशिष्ट सिद्धांत है। मंत्रिगण संसद, विशेष रूप से लोकसभा के प्रति (अनुच्छेद 75) सामूहिक रूप से उत्तरदायी होते हैं। सामूहिक उत्तरदायित्त्व के सिद्धांत का तात्पर्य यह है कि अविश्वास प्रस्ताव पारित कर लोकसभा मंत्रिपरिषद को हटा सकती है।
  - संसद प्रश्नकाल, चर्चा, स्थगन प्रस्ताव, अविश्वास प्रस्ताव आदि जैसे विभिन्न उपकरणों के माध्यम से मंत्रियों पर नियंत्रण रखती है। **अतः कथन 1 सही है।**
- संसद के निचले सदन (लोकसभा) को प्रधानमंत्री की सिफारिश के बाद राष्ट्रपति द्वारा भंग किया जा सकता है। दूसरे शब्दों में मंत्रिपरिषद का कार्यकाल पूर्ण होने से पूर्व प्रधानमंत्री नए चुनाव के लिये राष्ट्रपति से लोकसभा भंग करने की सिफारिश कर सकता है। इसका अर्थ है कि संसदीय प्रणाली में विधायिका को भंग करने का अधिकार कार्यपालिका को प्राप्त है। **अतः कथन 2 सही नहीं है।**
- भारत में सरकार की संसदीय प्रणाली काफी हद तक ब्रिटिश संसदीय प्रणाली (सरकार का वेस्टमिंस्टर स्वरूप) पर आधारित है। हालाँकि यह पूर्णतः ब्रिटिश प्रणाली की नकल नहीं है।
- ब्रिटिश संसदीय प्रणाली 'संसदीय संप्रभुता' के सिद्धांत पर आधारित है, जबकि भारत में संसद सर्वोच्च नहीं है क्योंकि यहाँ लिखित संविधान, संघीय प्रणाली, न्यायिक समीक्षा और मौलिक अधिकार जैसी विशेषताएँ इसकी शक्तियों को सीमित करती हैं। **अतः कथन 3 सही नहीं है।**

6. भारत की संघीय प्रणाली के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
   1. यह विविधता के साथ-साथ एकता सुनिश्चित करती है।
   2. भारतीय संघ का गठन संघ और राज्य के बीच आपसी समझौते से हुआ है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (a)

व्याख्या:

संघवाद सरकार की एक प्रणाली है जिसमें सत्ता को एक केंद्रीय प्राधिकरण और देश की घटक इकाइयों के बीच विभाजित किया जाता है।

- संघीय प्रणाली के दोहरे उद्देश्य हैं:
- देश की एकता को सुरक्षित रखना और इसे बढ़ावा देना।
- क्षेत्रीय विविधता को समायोजित करना।

अतः कथन 1 सही है।

- भारत के संविधान में सरकार की संघीय कार्यप्रणाली को अपनाया गया है। अनुच्छेद-1 भारत को 'राज्यों का संघ' के रूप में परिभाषित करता है।

- डॉ. बी.आर. अंबेडकर के अनुसार, 'राज्यों का संघ' उक्ति को संघीय राज्य के स्थान पर महत्त्व देने के दो कारण हैं:
- अमेरिकी संघ के विपरीत भारतीय संघ राज्यों के बीच सहमति का परिणाम नहीं है।
- राज्यों को संघ से अलग होने का अधिकार नहीं है, यह ऐसा संघ है जो अविभाज्य है।

अतः कथन 2 सही नहीं है।

7. निम्नलिखित में से किन परिस्थितियों में संसद, राज्य सूची के विषयों पर कानून बना सकती है:
   1. जब राज्यसभा एक प्रस्ताव पारित करे।
   2. वित्तीय आपातकाल के दौरान।
   3. जब कोई राज्य अनुरोध करे।

कूट:

a. केवल 1 और 2

b. केवल 1

c. केवल 1 और 3

d. उपरोक्त सभी

उत्तर: (b)

व्याख्या:

निम्नलिखित पाँच असाधारण परिस्थितियों में संविधान संसद को राज्य सूची के विषय पर कानून बनाने की शक्ति देता है:

- **यदि अनुच्छेद-249 के तहत** राज्यसभा उपस्थित एवं मत देने वाले सदस्यों के दो-तिहाई समर्थन से संकल्प पारित कर दे कि राष्ट्रीय हित में यह आवश्यक है कि संसद, राज्य सूची के किसी विषय पर कानून बनाए। इस तरह पारित कोई संकल्प 1 वर्ष तक प्रभावी रहेगा और इसे असंख्य बार आगे बढ़ाया जा सकता है लेकिन एक बार में एक वर्ष से अधिक के लिये आगे नहीं बढ़ाया जा सकता। संकल्प के प्रवृत्त न होने पर ऐसा निर्मित कोई कानून छह माह तक प्रभावी रहेगा। **अतः कथन 1 सही है।**
- **अनुच्छेद 352 के तहत राष्ट्रीय आपातकाल के दौरान संसद** राज्य की सूची से संबंधित मामलों पर कानून बना सकती है किंतु वित्तीय आपातकाल के दौरान नहीं। **अतः कथन 2 सही नहीं है।**
- **अनुच्छेद 252** (राज्यों के अनुरोध की अवस्था में) के तहत यदि **दो या अधिक राज्यों (एक राज्य नहीं) के विधानमंडल प्रस्ताव पारित करें** कि राज्य सूची के मामले पर कानून बनाया जाए तब संसद उस विषय के संबंध में कानून बना सकती है। इस तरह के कानून में संशोधन या निरसन संसद द्वारा ही किया जा सकता है, न कि संबंधित राज्य के विधानमंडल द्वारा। **अतः कथन 3 सही नहीं है।**
- **अनुच्छेद 253 के तहत अंतर्राष्ट्रीय** संधि या **समझौतों को लागू करने के लिये** संसद राज्य सूची के किसी विषय पर कानून बना सकती है।
- **अनुच्छेद 356 के तहत** जब किसी राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू हो तो संसद को संबंधित राज्य के लिये राज्य सूची पर कानून बनाने की शक्ति प्राप्त हो जाती है। राष्ट्रपति शासन के उपरांत भी संसद द्वारा बनाया गया कानून प्रभावी रहता है।

8. भारतीय संविधान के अनुच्छेद 20 के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
   1. यह आपराधिक मामलों में भूतलक्षी कानून के तहत किसी व्यक्ति के दोषसिद्धि पर रोक लगाता है।
   2. किसी व्यक्ति को एक ही अपराध के लिये एक से अधिक बार दंडित नहीं किया जाएगा।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1

b. केवल 2

c. 1 और 2 दोनों

d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (c)

व्याख्या:

अनुच्छेद 20 अपराध के लिये दोषी व्यक्तियों को मनमाने और अतिरिक्त दंड से संरक्षण प्रदान करता है। इस संबंध में तीन व्यवस्थाएँ हैं:

- **कोई भूतलक्षी प्रभाव वाला कानून नहीं (NO Ex-post-facto Law) :** एक **भूतलक्षी प्रभाव** अथवा कार्योत्तर कानून वह

है जो कार्य के बाद पूर्वव्यापी प्रभाव से दंड अध्यारोपित करता है।

  - हालाँकि इस तरह की सीमा केवल आपराधिक कानूनों में ही लागू होगी, न कि सामान्य दीवानी कानून या कर कानूनों में। **अतः कथन 1 सही है।**

- **स्वयं पर दोषारोपण का प्रतिषेध (No Self-incrimination):** किसी भी अपराध के लिये अभियुक्त किसी व्यक्ति को स्वयं अपने विरुद्ध साक्षी होने के लिये बाध्य नहीं किया जाएगा।
  - हालाँकि इस संरक्षण का विस्तार केवल आपराधिक कार्रवाइयों संबंधी मामलों की सुनवाई पर ही हो सकता है, न कि दीवानी मामलों पर।
- **दोहरी क्षति नहीं (No Double Jeopardy):** किसी व्यक्ति को एक ही अपराध के लिये एक बार से अधिक अभियोजित और दंडित नहीं किया जाएगा।
  - दोहरी क्षति के विरुद्ध संरक्षण सिर्फ कानूनी न्यायालय या न्यायिक अधिकरण में ही उपलब्ध होता है।
  - दूसरे शब्दों में यह विभागीय या प्रशासनिक सुनवाई में लागू नहीं हो सकता क्योंकि वे न्यायिक प्रकृति के नहीं हैं। **अतः कथन 2 सही है।**

9. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
   1. जून-सितंबर माह के दौरान सामान्यतः मानसूनी हवाओं की दिशा दक्षिण-पश्चिम से उत्तर-पूर्व की ओर होती है।
   2. मानसूनी हवाएँ मई के अंतिम सप्ताह में सबसे पहले अंडमान और निकोबार द्वीप समूह से टकराती हैं।
   3. उत्तरी मैदान में पश्चिम की ओर बढ़ने पर बंगाल की खाड़ी शाखा से वर्षा में वृद्धि होती है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही नहीं है/हैं?

a. केवल 1 और 2

b. केवल 3

c. केवल 2 और 3

d. केवल 1 और 3

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- भारत में जून से सितंबर के महीनों में दक्षिण-पश्चिम मानसून से वर्षा होती है। मई के अंत तक उत्तर भारत में उच्च तापमान के कारण कम दाब युक्त मानसून गर्त और अधिक मज़बूत हो जाता है।
- हिंद महासागर और उत्तरी मध्य भारतीय मैदानों के दाबों में अंतर के कारण समुद्र के उच्च दाब युक्त क्षेत्र से हवाएँ उत्तर भारत के निम्न दाब वाले क्षेत्र की ओर बहती हैं। दूसरे शब्दों में जून माह में हिंद महासागर के विषुवतीय क्षेत्र से हवाओं की सामान्य दिशा भारतीय उपमहाद्वीप में दक्षिण-पश्चिम से उत्तर-पूर्व की ओर होती है। **अतः कथन 1 सही है।**
- मई के अंतिम सप्ताह में ये आर्द्र हवाएँ पहले अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में और जून के पहले सप्ताह में प्रचंड तूफान सहित केरल तट पर आती हैं। ये भारत में आने वाले दक्षिण-पश्चिम मानसूनी मौसम में एक बड़ा परिवर्तन लाते हैं। **अतः कथन 2 सही है।**
- दक्षिण-पश्चिम मानसून की दो शाखाएँ उत्पन्न होती हैं:
  - **अरब सागर शाखा:** यह शाखा पश्चिमी घाट से टकराती है जिससे पश्चिमी घाट के पश्चिमी भाग में भारी वर्षा होती है। यह 10 जून तक मुंबई पहुँचती है। जब यह शाखा पश्चिमी घाटों को पार करती है और दक्कन के पठार तथा मध्य प्रदेश के कुछ हिस्सों में पहुँचती है, तो यहाँ कम बारिश होती है क्योंकि यह एक वृष्टि छाया क्षेत्र है। यह शाखा 20 जून तक उत्तरी मैदान में पहुँच जाती है।
  - **बंगाल की खाड़ी की शाखा:** बंगाल की खाड़ी से आने वाली मानसूनी हवाएँ अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह, उत्तर-पूर्वी

राज्यों और पश्चिम बंगाल के तटीय क्षेत्रों से टकराती हैं और 15 जुलाई तक पूरे भारत को कवर कर लेती हैं। ये इस क्षेत्र में भारी वर्षा का कारण बनती हैं। हालाँकि उत्तरी मैदानों में पश्चिम की ओर जाने पर वर्षा की मात्रा उत्तरोत्तर कम होती जाती है।

- उदाहरण के लिये कोलकाता में 120 सेंटीमीटर, इलाहाबाद में 91 सेंटीमीटर तथा दिल्ली में 56 सेंटीमीटर वर्षा होती है। **अतः कथन 3 सही नहीं है।**

10. ये वन पश्चिमी घाट के पश्चिमी ढलान पर पाए जाते हैं। ये उन उष्ण एवं आर्द्र प्रदेशों में पाए जाते हैं जहाँ वार्षिक वर्षा 200 सेंटीमीटर से अधिक और तापमान लगभग 220C होता है। ये वन सघन और परतों के रूप में होते हैं, भूमि के नज़दीक झाड़ियाँ और बेलें होती हैं तथा इनके ऊपर छोटे कद वाले पेड़ एवं सबसे ऊपर अधिक लंबाई वाले वृक्ष होते हैं।

निम्नलिखित में से कौन-सा उक्त वनों का एक प्रकार है?

a. उष्णकटिबंधीय पर्णपाती वन
b. उष्णकटिबंधीय सदाबहार वन
c. उष्णकटिबंधीय कांटेदार वन
d. पर्वतीय वन

उत्तर: (b)

व्याख्या:

उष्णकटिबंधीय सदाबहार और अर्द्ध-सदाबहार वन

- इस प्रकार के वन पश्चिमी घाट के पश्चिमी ढलानों, उत्तर-पूर्वी क्षेत्र की पहाड़ियों एवं अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में पाए जाते हैं। ये उन उष्ण एवं आर्द्र प्रदेशों में पाए जाते हैं जहाँ वार्षिक वर्षा 200 सेंटीमीटर से अधिक और तापमान लगभग 220C होता है।
- उष्णकटिबंधीय सदाबहार वन सघन और परतों वाले होते हैं, जहाँ भूमि के नज़दीक झाड़ियाँ और बेलें होती हैं, इनके ऊपर छोटे कद वाले पेड़ और सबसे ऊपर लंबे पेड़ होते हैं। इन वनों में वृक्षों की लंबाई 60 मीटर या उससे भी अधिक हो सकती है। इसलिये ये वन वर्ष भर हरे-भरे दिखाई देते हैं। इन वनों में पाई जाने वाली मुख्य वृक्ष प्रजातियों में शीशम, महोगनी, ऐनी, एबनी आदि शामिल हैं।
- अर्द्ध-सदाबहार वन इन्हीं क्षेत्रों में अपेक्षाकृत कम वर्षा वाले भागों में पाए जाते हैं। ये वन सदाबहार और आर्द्र पर्णपाती वनों का मिश्रित रूप होते हैं। वृक्षों पर चढ़ती बेलें इन वनों को एक सदाबहार स्वरूप प्रदान करती हैं। मुख्य वृक्ष प्रजातियाँ देवदार, होलक और कैल हैं। **अतः विकल्प (b) सही है।**

11. वर्ष 1986 में स्थापित यह भारत का पहला जैवमंडल आरक्षित क्षेत्र (Biosphere Reserve) है। इसे यूनेस्को द्वारा वर्ष 2012 में विश्व धरोहर स्थल घोषित किया गया था। यहाँ की प्राकृतिक वनस्पतियों में शुष्क झाड़ियाँ, शुष्क और नम पर्णपाती वन, अर्द्ध-सदाबहार और आर्द्र सदाबहार वन शामिल हैं। इसमें संकटग्रस्त प्रजाति शेर जैसी पूँछ वाले मकॉक बंदर की सर्वाधिक आबादी पाई जाती है। यह आरक्षित क्षेत्र है-

a. नोकरेक जैवमंडल आरक्षित क्षेत्र
b. नीलगिरि जैवमंडल आरक्षित क्षेत्र
c. सिमलीपाल जैवमंडल आरक्षित क्षेत्र
d. अगस्त्यमलाई जैवमंडल आरक्षित क्षेत्र

उत्तर: (b)

व्याख्या:

नीलगिरि जैवमंडल आरक्षित क्षेत्र (Nilgiri Biosphere Reserve-NBR)

- भारत में 18 जैवमंडल आरक्षित क्षेत्रों (BSRs) की स्थापना की गई है, जो प्राकृतिक आवास के बड़े क्षेत्रों (एक राष्ट्रीय उद्यान या वन्यजीव अभयारण्य की तुलना में) की सुरक्षा करते हैं। भारत में एक BSR में

प्राय: एक या एक से अधिक राष्ट्रीय उद्यान या अभयारण्य शामिल होते है और आर्थिक उपयोग के लिये बफर ज़ोन भी होते हैं।

- NBR भारत का पहला जैवमंडल आरक्षित क्षेत्र है जिसे सितंबर 1986 में स्थापित किया गया था। इसमें वायनाड, नागरहोल, बांदीपुर और मदुमलाई के अभयारण्य परिसर, नीलांबुर के पूरे वनाच्छादित पहाड़ी ढलान, ऊपरी नीलगिरी पठार, साइलेंट वैली और सिरुवानी पहाड़ियाँ शामिल हैं।
- NBR में कई प्राकृतिक वनस्पतियाँ- शुष्क झाड़ियों, शुष्क और नम पर्णपाती वनों, अर्द्ध-सदाबहार एवं आर्द्र सदाबहार वनों, घास के मैदान और दलदल के साथ पाई जाती हैं।
- यहाँ दो संकटग्रस्त (Endangered) जानवरों की प्रजातियों नीलगिरि ताहर और शेर जैसी पूँछ वाले मकॉक बंदर की सबसे अधिक संख्या पाई जाती है।
- पर्यावरण के सामंजस्यपूर्ण उपयोग के अपने पारंपरिक तरीकों के लिये उल्लेखनीय कई जनजातीय समूहों का निवास भी यहाँ है। NBR की स्थलाकृति बेहद विविध है, जिसकी ऊँचाई 250 मीटर से 2,650 मीटर तक है। पश्चिमी घाट में पाए जाने वाले लगभग 80 प्रतिशत फूलदार पौधे इसी क्षेत्र में हैं। **अतः विकल्प (b) सही उत्तर है।**

12. सुबनसिरी नदी के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
    1. यह नदी तिब्बत के पठार से निकलती है।
    2. यह ब्रह्मपुत्र नदी की सबसे बड़ी सहायक नदी है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- सुबनसिरी नदी (स्वर्ण नदी) तिब्बत के पठार से निकलती है तथा अरुणाचल प्रदेश में मिरी पहाड़ियों से होते हुए भारत में प्रवेश करती है। **अतः कथन 1 सही है।**
- सुबनसिरी नदी को स्थानीय रूप से स्वर्ण नदी के नाम से जाना जाता है। इसमें पाई जाने वाली गोल्ड डस्ट (Gold Dust) के कारण यह प्रसिद्ध है।
- कामेंग, सुबनसिरी, मानस, संकोष और तीस्ता ब्रह्मपुत्र नदी के दाएँ तट की सहायक नदियाँ हैं, जबकि लोहित, दिबांग, बूढ़ी दिहांग, देसांग, धनिशिरी इसमें बाईं ओर से मिलने वाली नदियाँ हैं।
- यह ब्रह्मपुत्र नदी की सबसे बड़ी सहायक नदी है। **अतः कथन 2 सही है।**
- ब्रह्मपुत्र का उद्गम कैलाश पर्वत श्रेणी में मानसरोवर झील के निकट चेमायुँगडुंग हिमनद से होता है। यह नामचा बरवा (अरुणाचल प्रदेश) से भारत में प्रवेश करती है।

13. निम्नलिखित चट्टान समूहों पर विचार कीजिये:
    1. कडप्पा समूह
    2. आर्कियन नीस
    3. धारवाड़ समूह
    4. कार्बोनिफेरस समूह

निम्नलिखित में से चट्टान समूहों के निर्माण का कौन-सा कालानुक्रम सही है?

a. 4-3-2-1
b. 2-3-4-1
c. 3-4-1-2
d. 2-3-1-4

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- लगभग 4 बिलियन वर्ष पूर्व (प्री-कैम्ब्रियन युग) निर्मित आर्कियन नीस और शिस्ट सबसे पुरानी चट्टान प्रणाली है।
    - यह अन्य चट्टान प्रणालियों के लिये आधार का कार्य करती है।
    - यह अरावली पहाड़ियों में पाई जाती है।
- धारवाड़ क्रम की चट्टानों का निर्माण काल 4 अरब वर्ष से पूर्व लेकर 1 अरब वर्ष पूर्व तक का है।

- यह अत्यधिक कायांतरित अवसादी चट्टान-प्रणाली है। आर्कियन नीस और शिस्ट के अवसादों के कायांतरण से इसका निर्माण हुआ है।
    - यह सबसे पुरानी कायांतरित चट्टानों में से एक है।
    - कर्नाटक के धारवाड़ ज़िले में ये बहुतायत में पाई जाती हैं।
- **पुराण चट्टान प्रणाली** (1400 - 600 मिलियन वर्ष) में दो प्रणालियाँ शामिल हैं: कडप्पा क्रम की चट्टानें और विंध्य क्रम की चट्टानें।
    - शैल, स्लेट, क्वार्टजाइट तथा चूने के पत्थर आदि को कडप्पा क्रम की चट्टानों में शामिल किया जाता है।
    - इन चट्टानों में कायांतरण धारवाड़ चट्टानों की तुलना में कम हुआ है। इन चट्टानों में जीवाश्मों के साक्ष्य नहीं मिलते।
    - आंध्र प्रदेश के कडप्पा ज़िले में इस प्रकार की चट्टानें पाई जाती हैं।
- कार्बोनिफेरस चट्टानों (350 मिलियन वर्ष) में मुख्य रूप से चूना पत्थर, शेल और क्वार्टजाइट शामिल हैं। भू-विज्ञान में कार्बोनिफेरस का मतलब कोयला युक्त होता है।
    - माउंट एवरेस्ट ऊपरी कार्बोनिफेरस लाइमस्टोन से निर्मित है। कोयले का निर्माण कार्बोनिफेरस युग में शुरू हुआ। **अतः विकल्प (d) सही है।**

14. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिये:

	द्वीप	देश
1.	लामू द्वीप	सोमालिया
2.	सबांग द्वीप	इंडोनेशिया
3.	रीयूनियन द्वीप	जर्मनी
4.	सोकोत्रा द्वीप	यमन

उपर्युक्त युग्मों में से कौन-से सही सुमेलित हैं?

a. केवल 1 और 2
b. केवल 1 और 3
c. केवल 2 और 3
d. केवल 2 और 4

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- **लामू द्वीप: जनवरी 2019 में** सोमालिया के अल-शबाब समूह ने केन्या के तट पर लामू में संयुक्त राज्य अमेरिका और केन्याई सेना द्वारा इस्तेमाल किये जाने वाले सैन्य अड्डे पर हमला किया।
- लामू द्वीप हिंद महासागर में केन्या के पूर्वी तट पर अवस्थित है।
- इसे संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) द्वारा विश्व विरासत स्थल के रूप में मान्यता प्राप्त है। **अतः युग्म 1 सही नहीं है।**
- **सबांग द्वीप:** भारत अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के नज़दीक इंडोनेशिया के सबांग द्वीप में अपने पहले डीप-सी पोर्ट का विकास कर रहा है।
- सबांग अंडमान द्वीप समूह से लगभग 710 किमी. दूरी पर दक्षिण-पूर्व दिशा में स्थित है और मलक्का जलडमरूमध्य के प्रवेश द्वार से इसकी दूरी 500 किमी. से भी कम है, जिसके माध्यम से भारत का लगभग 40% व्यापार होता है। **अतः युग्म 2 सही सुमेलित है।**
- **रीयूनियन द्वीप:** जनवरी 2019 में भारत और फ्राँस ने अपने पारस्परिक सैन्य रसद समर्थन समझौते का संचालन शुरू कर दिया है।
- समझौते के तहत भारतीय युद्धपोत हिंद महासागर में मेडागास्कर के निकट रीयूनियन द्वीप समूह जैसे फ्राँसीसी ठिकाने और हॉर्न ऑफ अफ्रीका पर जिबूती तक पहुँच सकते हैं।
- हाल ही में फ्राँसीसी राष्ट्रपति ने यह भी घोषणा की है कि दक्षिणी हिंद महासागर में फ्राँस के साथ निगरानी मिशन में शामिल होने के लिये भारत फ्राँस के रीयूनियन द्वीप पर एक नौसेना विमान तैनात करेगा।

- रीयूनियन द्वीप फ्रॉसीसी क्षेत्र है, जो मेडागास्कर के पास हिंद महासागर में स्थित है। **अतः युग्म 3 सही नहीं है।**
- **सोकोत्रा द्वीप:** हाल ही में यमन के कई नागरिकों ने सोकोत्रा द्वीप के सबसे बड़े शहर और इसकी राजधानी हदीबू में संयुक्त अरब अमीरात (UAE) के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया।
- UAE, **सोकोत्रा** में अधिक प्रभाव स्थापित करना चाहता है और इसके लिये UAE ने वहाँ एक सैन्य अड्डा बनाया है, संचार नेटवर्क स्थापित किया है तथा अन्य विकास परियोजनाओं पर भी कार्य कर रहा है।
- **सोकोत्रा** तक रणनीतिक पहुँच के चलते UAE को अपने वैश्विक व्यापार मार्गों का विस्तार करने में सहायता मिलेगी।
- यह यमन की मुख्य भूमि से 220 मील की दूरी पर स्थित है तथा एक यूनेस्को-संरक्षित स्थल है। इसे प्रायः हिंद महासागर का गैलापागोस कहा जाता है और यहाँ लगभग 800 दुर्लभ जानवर और पौधों की प्रजातियाँ पाई जाती है। **अतः युग्म 4 सही है।**

15. उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (NATO) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
    1. यह सामूहिक रक्षा के सिद्धांत पर काम करता है।
    2. इसका गठन केवल सैन्य साधनों द्वारा सदस्य राज्यों की रक्षा के लिये किया गया था।
    3. इस गठबंधन में संयुक्त राज्य अमेरिका एकमात्र उत्तर अमेरिकी देश है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1

b. केवल 1 और 2

c. केवल 2 और 3

d. 1, 2 और 3

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- 4 अप्रैल, 1949 को उत्तर अटलांटिक संधि (जिसे वाशिंगटन संधि भी कहा जाता है) द्वारा स्थापित उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (NATO) एक राजनीतिक और सैन्य गठबंधन है।
    - वर्तमान में इस संगठन में 29 सदस्य देश शामिल हैं।
    - इसका मुख्यालय ब्रुसेल्स, बेल्जियम में है।
- NATO वाशिंगटन संधि के अनुच्छेद 5 में निहित सामूहिक सुरक्षा के सिद्धांत पर आधारित है जिसका अर्थ है कि उसके किसी भी एक या एक से अधिक सदस्यों के विरुद्ध हमले को सभी सदस्यों के विरुद्ध हमला माना जाएगा। **अतः कथन 1 सही है।**
- NATO का उद्देश्य राजनीतिक और सैन्य साधनों के माध्यम से अपने सदस्यों को स्वतंत्रता और सुरक्षा की गारंटी देना है।
    - **राजनीतिक**- NATO लोकतांत्रिक मूल्यों को बढ़ावा देता है तथा समस्याओं के समाधान, विश्वास निर्माण और संघर्षों की रोकथाम के लिये सदस्यों को सुरक्षा से संबंधित मुद्दों पर परामर्श और सहयोग करने हेतु मंच उपलब्ध कराता है।
    - **सैन्य**- NATO विवादों के शांतिपूर्ण समाधान के लिये प्रतिबद्ध है। यदि कूटनीतिक प्रयास विफल होते हैं, तो इसके पास संकट-प्रबंधन हेतु ऑपरेशन्स संचालित करने की सैन्य शक्ति है। **अतः कथन 2 सही नहीं है।**
- इसका गठन संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा और कई पश्चिमी यूरोपीय देशों द्वारा किया गया था। संयुक्त राज्य अमेरिका के अलावा कनाडा भी गठबंधन में शामिल उत्तर अमेरिकी देश है। **अतः कथन 3 सही नहीं है।**

16. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
    1. सागर हिंद महासागर में प्लास्टिक कचरे को हटाने के लिये एक भारतीय पहल है।
    2. प्रोजेक्ट मौसम का लक्ष्य हिंद महासागर में सांस्कृतिक, वाणिज्यिक और धार्मिक अंतःक्रियाओं की विविधता का दस्तावेज़ीकरण करना है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1

b. केवल 2

c. 1 और 2 दोनों

d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (b)

व्याख्या:

सागर, क्षेत्र में सभी के लिये सुरक्षा और विकास (Security and Growth for All in the Region) का संक्षिप्त रूप है। मार्च 2015 में अभिकल्पित सागर पहल हिंद महासागर के लिये एक मुखर भारतीय दृष्टिकोण को दर्शाती है।

- SAGAR हिंद महासागर में भारत की भागीदारी को रेखांकित करता है। भूमि और समुद्री क्षेत्रों एवं हितों की सुरक्षा के लिये क्षमताओं को बढ़ाना, तटवर्ती क्षेत्रों में आर्थिक और सुरक्षा सहयोग को बढ़ाना, प्राकृतिक आपदाओं तथा आतंकवाद एवं पाइरेसी जैसे समुद्री खतरों से निपटना इसके प्रमुख उद्देश्य हैं।
- हमारे तटों से परे देशों के साथ अधिक विश्वास निर्माण और समुद्री नियमों का सम्मान करने, मानदंडों और विवादों के शांतिपूर्ण समाधान के उद्देश्य से सहयोग करना भी शामिल है। **अतः कथन 1 सही नहीं है।**
- प्रोजेक्ट मौसम भारतीय संस्कृति मंत्रालय की एक परियोजना है जिसे भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण (Archaeological Survey of India - ASI) एवं राष्ट्रीय संग्रहालय की सहायता से नोडल समन्वय एजेंसी के रूप में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (Indira Gandhi National Centre for the Arts - IGNCA), नई दिल्ली द्वारा कार्यान्वित किया जा रहा है।
- इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य बहुआयामी हिंद महासागर के संबंध में पुरातत्त्व एवं ऐतिहासिक स्तर का अनुसंधान करना है ताकि विविधता से भरे इस क्षेत्र के सांस्कृतिक, वाणिज्यिक एवं धार्मिक अंतर्संबंधों को उजागर किया जा सके। **अतः कथन 2 सही है।**
- इसका उद्देश्य समुद्री मार्गों के अध्ययन से संबंधित विषयों पर शोध कार्य को बढ़ावा देने के साथ-साथ यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची हेतु ट्रांस-नेशनल नामांकन के रूप में प्रोजेक्ट मौसम के तहत स्थानों एवं स्थलों की पहचान करना भी है।

17. लोकतंत्र का उत्कृष्ट गुण यह है कि वह क्रियाशील बनाता है-

a. साधारण पुरुषों और महिलाओं की बुद्धि और चरित्र को।

b. कार्यपालक नेतृत्व को मज़बूत बनाने वाली पद्धतियों को।

c. गतिशीलता और दूरदर्शिता से युक्त एक श्रेष्ठ व्यक्ति को।

d. समर्पित दलीय कार्यकर्त्ताओं के एक समूह को।

उत्तर: (a)

व्याख्या:

लोकतंत्र शब्द का शाब्दिक अर्थ है "जनता की सरकार, जनता के लिये और जनता के द्वारा", अर्थात् लोगों द्वारा शासन।

उदाहरण के लिये सरकार बनाने हेतु प्रतिनिधि के चुनाव के दौरान लोग अपनी बुद्धि और चरित्र का प्रयोग करते हैं। **अतः विकल्प (a) सही उत्तर है।**

18. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

एक संवैधानिक सरकार वह है जो -

1. राज्य की सत्ता के हित में व्यक्तिगत स्वतंत्रता पर प्रभावी प्रतिबंध लगाती है।
2. व्यक्तिगत स्वतंत्रता के हित में राज्य की सत्ता पर प्रभावी प्रतिबंध लगाती है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1

b. केवल 2

c. 1 और 2 दोनों

d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (b)

व्याख्या:

1. वह एक निरंकुश सरकार (Autocratic Government) होती है जो राज्य की सत्ता

के हित में व्यक्तिगत स्वतंत्रता पर अंकुश लगाने की कोशिश करती है। **अतः कथन 1 सही नहीं है।**

2. एक संवैधानिक सरकार वह होती है जो व्यक्तियों को स्वतंत्रता प्रदान करती है तथा लोगों के हितों को प्रभावित करने वाली राज्य की अतिरिक्त सत्ता को प्रतिबंधित करने तथा उस पर अंकुश लगाने का प्रयास करती है। **अतः कथन 2 सही है।**

19. भारत के संविधान में निम्नलिखित में से किस प्रावधान में शोषण के खिलाफ अधिकार की परिकल्पना की गई है ?
    1. मानव के दुर्व्यापार और बलात् श्रम पर प्रतिबंध
    2. अस्पृश्यता का उन्मूलन
    3. अल्पसंख्यकों के हितों का संरक्षण
    4. कारखानों और खानों में बच्चों के रोज़गार पर प्रतिबंध

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

a. केवल 1, 2 और 4
b. केवल 2, 3 और 4
c. केवल 1 और 4
d. 1, 2, 3 और 4

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- संविधान के भाग III (मौलिक अधिकार) के तहत अनुच्छेद 23 और 24 शोषण के खिलाफ अधिकार से संबंधित हैं।
- अनुच्छेद 23 के अनुसार, मानव का दुर्व्यापार और बेगार तथा इसी प्रकार का अन्य बलात् श्रम प्रतिषिद्ध किया गया है और इस उपबंध का कोई भी उल्लंघन अपराध होगा तथा विधि के अनुसार दंडनीय होगा।
- अनुच्छेद 24 यह प्रावधान करता है कि चौदह वर्ष से कम आयु के किसी बालक को किसी कारखाने या खान में काम करने के लिये नियोजित नहीं किया जाएगा या किसी अन्य परिसंकटमय नियोजन में नहीं लगाया जाएगा।

अतः विकल्प (c) सही उत्तर है।

20. भारत के संविधान में अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा को बढ़ावा देना शामिल है-

a. संविधान की प्रस्तावना में
b. राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांतों में
c. मौलिक कर्तव्य में
d. नौवीं अनुसूची में

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- अनुच्छेद 51 के अनुसार, राज्य निम्नलिखित के लिये प्रयास करेगा-
    - अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा की अभिवृद्धि का
    - राष्ट्रों के बीच न्यायसंगत और सम्मानपूर्ण संबंधों को बनाए रखने का
    - संगठित लोगों के एक-दूसरे से व्यवहारों में अंतर्राष्ट्रीय विधि और संधि-बाध्यताओं के प्रति आदर बढ़ाने का
    - अंतर्राष्ट्रीय विवादों के निपटारे के लिये मध्यस्थता द्वारा प्रोत्साहन देने का

अत: विकल्प (b) सही है।

21. 'नज़ सिद्धांत' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
    1. यह अवधारणा व्यक्तियों या समूहों के व्यवहार तथा उनके निर्णयन को प्रभावित करने हेतु सकारात्मक सुदृढ़ीकरण और अप्रत्यक्ष सुझावों के बारे में बताती है।
    2. रिचर्ड थेलर को व्यावहारिक अर्थशास्त्र में उनके योगदान के लिये अर्थशास्त्र में नोबेल पुरस्कार दिया गया।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही नहीं है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- नज़ (Nudge) व्यावहारिक विज्ञान, राजनीतिक सिद्धांत तथा व्यावहारिक अर्थशास्त्र की एक अवधारणा है। यह समूहों या व्यक्तियों के व्यवहार और उनके निर्णय लेने के तौर-तरीकों में सकारात्मक परिवर्तन हेतु तरीकों की विवेचना करती है।
- नज़िंग (Nudging) अनुपालन सुनिश्चित करने हेतु शिक्षा, कानून या प्रवर्तन जैसे अन्य तरीकों से अलग है। **अतः कथन 1 सही नहीं है।**
- 'नज़ सिद्धांत' के जनक रिचर्ड थेलर को वर्ष 2017 में अर्थशास्त्र के नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। **अतः कथन 2 सही नहीं है।**

22. 'बौनी फर्मों (Dwarf Firms)' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
    1. 100 से कम नियोजित कर्मचारियों वाली और दस वर्ष से अधिक पुरानी फर्म्स को 'बौनी फर्मों' के रूप में वर्गीकृत किया जाता है।
    2. संगठित विनिर्माण क्षेत्र की कंपनियों में बौनी फर्मों का हिस्सा आधे से भी अधिक है।
    3. रोज़गार और उत्पादकता के मामले में अर्थव्यवस्था में इन फर्म्स का योगदान सर्वाधिक है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही नहीं हैं?

a. केवल 1 और 2
b. केवल 2 और 3
c. 1, 2 और 3
d. केवल 3

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- वे फर्में जो कम विकास के कारण दस वर्षों से पुरानी और छोटी (100 से कम नियोजित श्रमिकों वाली) दोनों हैं, उन्हें 'बौनी फर्मों (Dwarf Firms) की श्रेणी में रखा जाता है। **अतः कथन 1 सही है।**
- संख्या के मामले में संगठित विनिर्माण क्षेत्र में इनका हिस्सा आधे से भी अधिक है। **अतः कथन 2 सही है।**
- संगठित विनिर्माण क्षेत्र में बौनी फर्मों की संख्या कुल फर्मों की संख्या की आधे से भी अधिक होने पर है किंतु रोज़गार में इनका हिस्सा केवल 14.1% है। निवल वर्द्धित मूल्य (NVA) में इनका हिस्सा बहुत ही कम (7.6%) है।
- इसके विपरीत युवा बड़ी फर्में (जिनमें 100 से अधिक कर्मचारी हैं और 10 वर्ष से कम पुरानी हैं) संख्या के हिसाब से केवल 5.5% हैं और रोज़गार में 21.2% का योगदान देती हैं तथा NVA में इनका योगदान 37.2% है।
- जिन फर्मों में समय के साथ वृद्धि करने की क्षमता होती हैं, उनका अर्थव्यवस्था में रोज़गार और उत्पादकता के मामले में सबसे ज़्यादा योगदान होता है। इसके विपरीत, पुरानी होने के बावजूद बौनी फर्में छोटी बनी रहती है और अर्थव्यवस्था में रोज़गार एवं उत्पादकता में सबसे कम योगदान देती हैं। **अतः कथन 3 सही नहीं है।**

23. आर्थिक नीति अनिश्चितता (EPU) सूचकांक के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
    1. वर्ष 2011-12 में भारत की आर्थिक नीति अनिश्चितता (EPU) सर्वाधिक थी।
    2. निम्न आर्थिक नीति अनिश्चितता की अर्थव्यवस्था में लचीलेपन का प्रतीक है।
    3. GST लागू होने के बाद भारत के EPU में वृद्धि हुई है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2 और 3
c. केवल 1 और 2
d. 1, 2 और 3

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- आर्थिक सर्वेक्षण 2018-19 के अनुसार, वर्ष 2011 और 2012 के कुछ महीनों में भारत का EPU सूचकांक अपने शीर्ष पर था, जिसका मुख्य कारण उस समय नीतिगत गतिहीनता था। इसके कारण उच्च घाटे और उच्च मुद्रास्फीति की समस्याएँ उत्पन्न हुई। वर्ष 2013 के उतरार्द्ध में भी सूचकांक उच्च

था, जब टेपर टेंट्रम (Taper Tantrum) के कारण अर्थव्यवस्था को पूंजी के अस्थिर प्रवाह और रुपए के अवमूल्यन (डॉलर की तुलना में) का सामना करना पड़ा। **अत: कथन 1 सही है।**

- आर्थिक सर्वेक्षण 2018-19 में कहा गया था कि वैश्विक व्यापार में अनिश्चितता (उदाहरण के लिये अमेरिका और चीन के बीच बढ़ते व्यापार तनाव) के दौर में भी पिछले एक वर्ष में भारत का आर्थिक नीति अनिश्चितता सूचकांक भारतीय अर्थव्यवस्था के लचीलेपन की ओर अग्रसर है। **अतः कथन 2 सही है।**
- GST के दौरान इसमें वृद्धि देखने को मिली लेकिन यह वर्ष 2011-12 से अधिक तीव्र नहीं रही। ऐसा शायद इसलिये हुआ क्योंकि जुलाई 2017 में GST के लागू होने से पहले ही इस नीति पर चर्चा शुरू हो गई थी। **अतः कथन 3 सही है।**

24. प्रतिस्थापन स्तर की प्रजनन दर के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. प्रति महिला पर लगभग 2.1 बच्चों की कुल प्रजनन दर को प्रजनन का प्रतिस्थापन स्तर कहा जाता है।
2. दक्षिणी राज्यों, पंजाब, हिमाचल प्रदेश और महाराष्ट्र राज्यों की कुल प्रजनन दर, पहले से ही प्रतिस्थापन स्तर से काफी नीचे हैं।
3. राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर आवश्यक प्रतिस्थापन स्तर प्रजनन दर 2.1 के सामान्य मानदंड से अधिक है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. 1 और 2
b. केवल 2
c. केवल 3
d. 1, 2 और 3

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- महिलाओं के एक विशेष वर्ग द्वारा उनकी प्रजनन आयु की अवधि के अंत तक पैदा किये गए बच्चों की औसत संख्या को सकल प्रजनन दर (Total Fertility Rate-TFR) कहा जाता है।
- प्रति महिला लगभग 2.1 जीवित बच्चों की संख्या को प्रतिस्थापन स्तर की प्रजनन दर कहा जाता है। **अतः कथन 1 सही है।**
- प्रमुख विकसित अर्थव्यवस्थाओं से तुलना दर्शाती है कि प्रति व्यक्ति आय के अपेक्षाकृत कम स्तर पर भारत में सकल प्रजनन दर 2.3 पहुँच गई है, लेकिन यह अन्य एशियाई देशों के समान है।
- दक्षिणी राज्य, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, पश्चिम बंगाल और महाराष्ट्र जननांकिकीय संक्रमण के निम्नलिखित बिन्दुओं पर पहले से आगे है:
  - सकल प्रजनन दर प्रतिस्थापन स्तर की प्रजनन दर से नीचे है। **अतः कथन 2 सही है।**
  - गतिशीलता जनसंख्या वृद्धि का मुख्य कारण है।
  - 10% से अधिक जनसंख्या 59 वर्ष या उससे अधिक आयु की है।
  - कुल एक-तिहाई जनसंख्या 20 वर्ष से कम आयु की है।
- राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर विषम लिंगानुपात के कारण प्रतिस्थापन स्तर की प्रजनन दर सामान्य मानदंड 2.1 से अधिक है अर्थात् एक महिला को जनसंख्या का प्रतिस्थापन स्तर बनाए रखने के लिये 2.1 से अधिक की प्रजनन दर से बच्चों को जन्म देना होगा। **अतः कथन 3 सही है।**
- वर्ष 2021-41 के लिये पूर्वानुमानों के अनुसार राष्ट्रीय स्तर पर सकल प्रजनन दर में लगातार गिरावट जारी रहेगी और वर्ष 2021 तक TFR प्रतिस्थापन स्तर से नीचे गिरकर 1.8 तक पहुँच जाएगी।
- राज्य स्तर पर पश्चिम बंगाल, पंजाब, महाराष्ट्र, हिमाचल प्रदेश और दक्षिणी राज्यों सहित पहले से ही प्रतिस्थापन स्तर से नीचे TFR वाले राज्यों में भी इसमें गिरावट का अनुमान है जिसके वर्ष 2021 तक 1.5 से 1.6 के निम्न स्तर तक पहुँचने की संभावना है।
- प्रजनन दर संक्रमण में पीछे रहने वाले राज्यों में भी TFR में लगातार गिरावट जारी रहेगी और इसके प्रतिस्थापन स्तर से नीचे 1.8 तक

पहुँचने का अनुमान है। झारखंड, हरियाणा और छत्तीसगढ़ में यह वर्ष 2021 तक और उत्तर प्रदेश, राजस्थान और मध्य प्रदेश में यह वर्ष 2031 तक 1.8 तक पहुँच सकती है। वस्तुत: सभी राज्यों में प्रजनन दर के वर्ष 2031 तक प्रतिस्थापन स्तर से नीचे रहने की आशा है।

25. गिनी सूचकांक के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
    1. गिनी सूचकांक आय या संपदा के वितरण का एक आलेखात्मक निरूपण है।
    2. गिनी सूचकांक का मूल्य जितना अधिक होगा आय समानता का स्तर उतना ही अधिक होगा।
    3. भारत के लिये गिनी सूचकांक का मूल्य नियमित श्रमिकों के बीच बढ़ गया है, जबकि अनौपचारिक श्रमिकों के बीच घट गया है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1 और 2
b. केवल 2 और 3
c. केवल 3
d. 1, 2 और 3

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- गिनी सूचकांक/गुणांक समाज में आय एवं संपत्ति के वितरण को मापन का एक सरल उपकरण है।
- गिनी सूचकांक आय असमानता मापन हेतु सामान्य रूप से उपयोग किया जाने वाला एक उपकरण है, जो किसी देश के लिये 0 और 1 के मध्य एकल संख्या में संपूर्ण आय वितरण को दर्शाता है।
    - जबकि आय या संपदा के वितरण का आलेखात्मक निरूपण लॉरेंज वक्र के माध्यम से किया जाता है। **अतः कथन 1 सही नहीं है।**
- एक उच्च गिनी सूचकांक अधिक असमानता को इंगित करता है, जिसमें उच्च आय वाले व्यक्तियों को जनसंख्या की कुल आय का अधिक प्रतिशत प्राप्त होता है। **अतः कथन 2 सही नहीं है।**
- वर्ष 1993 और वर्ष 2011 के मध्य भारत में औसत वास्तविक मज़दूरी में वृद्धि हुई है। सबसे तीव्र वृद्धि अनौपचारिक, महिलाओं और ग्रामीण/कृषि श्रम श्रमिकों (ILO 2018 के अनुसार) के लिये दर्ज की गई है।
- इस बढ़ोतरी के बावजूद, गिनी सूचकांक द्वारा मापी गई मौजूदा वेतन असमानता अंतर्राष्ट्रीय मानकों से बहुत अधिक है और यह देखा गया है कि यह असमानता नियमित श्रमिकों के बीच बढ़ी है, जबकि अनौपचारिक श्रमिकों के बीच घटी है। **अतः कथन 3 सही है।**

26. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
    1. कॉफी बोर्ड एक सांविधिक संगठन है और यह भारत सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण में काम करता है।
    2. कॉफी उत्पादकों के लिये बेहतर रिटर्न सुनिश्चित करने के लिये कॉफी बोर्ड ने भारत में ब्लॉकचेन-आधारित कॉफी ई-मार्केटप्लेस शुरू किया है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- यह कॉफी अधिनियम, 1942 के अंतर्गत गठित एक सांविधिक संगठन है। यह भारत सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण में कार्य करता है
- बोर्ड में अध्यक्ष सहित 33 सदस्य होते हैं। अध्यक्ष मुख्य कार्यकारी होता है और यह बंगलुरु से कार्य करता हैं। **अतः कथन 1 सही है।**
- कॉफी बोर्ड ने ब्लॉकचेन आधारित कॉफी ई-मार्केटप्लेस का आरंभ किया है। किसान इस पायलट प्रोजेक्ट के माध्यम से बाज़ारों के साथ पारदर्शी ढंग से जुड़ सकेंगे, परिणामस्वरूप उन्हें उचित मूल्य की प्राप्ति

होगी। ब्लॉकचेन की सहायता से कॉफी उत्पादकों और खरीदारों के बीच की दूरी कम होगी और किसानों को अपनी आमदनी दोगुनी करने में मदद मिलेगी। **अतः कथन 2 सही है।**

27. मनरेगा योजना के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
    1. यह वेतन आधारित रोज़गार की कानूनी गारंटी प्रदान करता है।
    2. इस योजना में मांगने पर काम उपलब्ध कराने में विफल होने और किये गए कार्य की मज़दूरी के भुगतान में देरी, दोनों मामलों में भत्ते और मुआवज़े दोनों का प्रावधान हैं।
    3. केंद्र से राज्यों को संसाधन हस्तांतरण प्रत्येक राज्य में रोज़गार की मांग पर आधारित है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2 और 3
c. केवल 1 और 2
d. 1, 2 और 3

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोज़गार गारंटी अधिनियम, 2005 (MGNREGA) 7 सितंबर, 2005 को अधिसूचित किया गया था। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोज़गार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) एक ऐसा मांग आधारित रोज़गार कार्यक्रम है जिसका उद्देश्य अकुशल व शारीरिक श्रम करने के इच्छुक वयस्क सदस्यों वाले प्रत्येक ग्रामीण परिवार को एक वित्तीय वर्ष में कम-से-कम 100 दिनों के मज़दूरी (रोज़गार) की गारंटी देकर आजीविका सुरक्षा को बढ़ाना है। **अतः कथन 1 सही है।**
- इसमें मांग पर काम प्रदान करने में विफलता और काम की मज़दूरी के भुगतान में देरी होने पर, दोनों मामलों में भत्ते और मुआवजे दोनों के लिये कानूनी प्रावधान हैं। **अतः कथन 2 सही है।**
- आवंटन-आधारित पहले के रोज़गार के कार्यक्रमों के विपरीत MGNREGA मांग-संचालित कार्यक्रम है। इसमे केंद्र से राज्यों में संसाधन-हस्तांतरण प्रत्येक राज्य में रोज़गार की माँग के आधार पर किया जाता है। यह राज्यों को निर्धनों की रोज़गार ज़रूरतों को पूरा करने हेतु अधिनियम का लाभ उठाने के लिये एक अतिरिक्त प्रोत्साहन प्रदान करता है। **अतः कथन 3 सही है।**

28. पेरिस समझौते के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
    1. काटोविस क्लाइमेट पैकेज जलवायु परिवर्तन पर पेरिस समझौते के लिये कार्यान्वियन दिशा-निर्देशों पर प्रकाश डालता है।
    2. भारत ने पेरिस समझौते के तहत वर्ष 2030 तक स्थापित विद्युत क्षमता का 40% भाग गैर-जीवाश्म ईंधन से प्राप्त करने की प्रतिबद्धता जताई है।
    3. यह समझौता सामान्य किंतु विभेदीकृत ज़िम्मेदारियों और संबंधित क्षमताओं (CBDR-RC) के सिद्धांत पर आधारित है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2 और 3
c. केवल 1 और 2
d. 1, 2 और 3

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- काटोविस क्लाइमेट पैकेज जलवायु परिवर्तन पर पेरिस समझौते के कार्यान्वियन दिशा-निर्देशों पर प्रकाश डालता है, जिसमें समझौते को संचालित करने वाले प्रक्रिया और तंत्र शामिल है।
- काटोविस क्लाइमेट पैकेज राष्ट्रीय रूप से निर्धारित योगदान (NDCs) के दूसरे दौर के लिये मार्गदर्शन प्रदान करता है जिन्हें राष्ट्रों द्वारा वर्ष 2025 तक प्रस्तुत किया जाएगा। **अतः कथन 1 सही है।**
- पेरिस समझौते के तहत अभीष्ट राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान (INDC) में भारत का

लक्ष्य वर्ष 2030 तक कुल बिजली उत्पादन का 40% गैर-जीवाश्म ईंधन से प्राप्त करना है। **अतः कथन 2 सही है।**

- सामान्य किंतु विभेदीकृत ज़िम्मेदारियाँ और संबंधित क्षमताएँ (Common but Differentiated Responsibilities and Respective Capabilities: CBDR-RC) संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन ऑन क्लाइमेट चेंज (United Nations Framework Convention on Climate Change- UNFCCC) के तहत एक सिद्धांत है, जो जलवायु परिवर्तन को संबोधित करने में अलग-अलग देशों की विभिन्न क्षमताओं और अलग-अलग ज़िम्मेदारियों का आह्वान करता है। **अतः कथन 3 सही है।**

29. MSME क्षेत्रक के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. भारतीय अर्थव्यवस्था में MSME क्षेत्र सर्वाधिक रोज़गार सृजन करने वाले क्षेत्रों में से एक है।
2. इस क्षेत्रक में क्षेत्रीय असंतुलन को बढ़ाने की क्षमता है।
3. सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के प्राथमिकता क्षेत्र ऋण से MSME क्षेत्रक को प्रोत्साहन मिलता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1 और 3
b. केवल 2
c. केवल 2 और 3
d. 1, 2 और 3

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- सकल घरेलू उत्पाद में कृषि क्षेत्र का योगदान MSME क्षेत्र से कम होने के बावजूद, कृषि क्षेत्र के बाद MSME क्षेत्रक सबसे बड़ा रोज़गार प्रदाता है। हालाँकि यह विनिर्माण क्षेत्र में लगभग 45% और निर्यात में लगभग 40% का योगदान देता है। भारत में रोज़गार के मामले में इसका योगदान लगभग 69% है। **अतः कथन 1 सही है।**
- MSME क्षेत्रक 50 मिलियन से अधिक लोगों को रोज़गार प्रदान कराता है। इसके अतिरिक्त यह विनिर्माण क्षमताओं को बढ़ाने, क्षेत्रीय विषमताओं को नियंत्रित करने और धन के वितरण को संतुलित करने में है। **अतः कथन 2 सही नहीं है।**
- प्राथमिकता-प्राप्त क्षेत्र के अंतर्गत कुछ प्रमुख श्रेणियाँ निम्नलिखित है-
    - कृषि, जिसमें खाद्य और कृषि प्रसंस्करण इकाइयों को दिये गए बैंक ऋण भी शामिल है।
- माइक्रो (सूक्ष्म), लघु और मध्यम उद्यम
    - निर्यात ऋण
    - शिक्षा
    - आवास
    - सामाजिक बुनियादी संरचना
    - नवीकरणीय ऊर्जा

अतः कथन 3 सही है।

30. राष्ट्रीय मृदा सर्वेक्षण एवं भूमि उपयोग नियोजन ब्यूरो (NBSS&LUP) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यह पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के तहत एक स्वायत्त संस्थान है।
2. इसने भूमि जियो-पोर्टल लॉन्च किया गया था।
3. यह मिट्टी में सूक्ष्म पोषक स्थिति के डिजिटल मानचित्र तैयार करता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1 और 2
b. केवल 1 और 3
c. केवल 2 और 3
d. 1, 2 और 3

उत्तर: (c)

व्याख्या:

राष्ट्रीय मृदा सर्वेक्षण एवं भूमि उपयोग नियोजन ब्यूरो (National Bureau of Soil Survey and Land Use Planning- NBSS & LUP) कृषि मंत्रालय के

अधीन भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थानों की श्रृंखला में से एक है। **अतः कथन 1 सही नहीं है।**

- भारत सरकार ने वर्ष 1956 में भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (Indian Agricultural Research Institute- ICAR), नागपुर में (मुख्यालय) अखिल भारतीय मृदा सर्वेक्षण संगठन की स्थापना की।
- वर्ष 1969 में इसे पुनर्गठित किया गया और मृदा सर्वेक्षण, वर्गीकरण एवं सह- संबंध के अनुसंधान पहलुओं को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (ICAR) में स्थानांतरित कर दिया गया। विकासात्मक गतिविधियों को खाद्य और कृषि मंत्रालय के कृषि विभाग के अंतर्गत बनाए रखा गया।
- वर्ष 1976 में यह भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का एक स्वायत्त संस्थान बन गया। इसे राष्ट्रीय मृदा सर्वेक्षण एवं भूमि उपयोग नियोजन ब्यूरो नाम दिया गया।
- इसके द्वारा **भूमि जियो-पोर्टल (BHOOMI Geo-portal)** को देश के प्रमुख प्राकृतिक भौगोलिक क्षेत्रों, उप-प्राकृतिक भौगोलिक क्षेत्रों, कृषि-पारिस्थितिकीय क्षेत्रों और उप-कृषि पारिस्थितिकीय क्षेत्रों पर विभिन्न विषयगत सूचनाओं तक पहुँच के लिये विकसित किया गया है। **अतः कथन 2 सही है।**
- इसने राष्ट्रीय संसाधन सूची (National Resource Inventory- NRI) भी तैयार की है।

राष्ट्रीय संसाधन सूची सूक्ष्म पोषक तत्त्वों की स्थिति का एक डिजिटलीकृत मानचित्र है। यह स्थायी कृषि उत्पादकता को निरंतर बनाए रखने के लिये सूक्ष्म पोषक तत्त्वों को स्थान विशेष के अनुरूप उपयोग करने के तरीके उपलब्ध कराने में सहायक होगी। **अतः कथन 3 सही है।**

31. भारतीय राष्ट्रीय इंटरनेट एक्सचेंज (NIXI) के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
    1. NIXI कंपनी अधिनियम 2013 के तहत एक गैर-लाभकारी संगठन है।
    2. यह समकक्ष इंटरनेट सर्विस प्रदाता (ISP) सदस्यों के बीच घरेलू इंटरनेट ट्रैफिक के आदान-प्रदान की सुविधा प्रदान करता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- भारतीय राष्ट्रीय इंटरनेट एक्सचेंज (NIXI) कंपनी अधिनियम 2013 की धारा-8 के तहत स्थापित एक गैर-लाभकारी संगठन है। इसे 19 जून, 2003 में पंजीकृत किया गया था। **अत: कथन 1 सही है।**
- इंटरनेट एक्सचेंज प्वाइंट एक ऐसी सुविधा है, जो इंटरनेट सेवा प्रदाताओं (Internet Service Providers- ISP) की पहुँच को बढ़ाने और ट्रैफिक के आदान-प्रदान की अनुमति देता है, जिसे पियरिंग (Peering) भी कहा जाता है। यह इंटरनेट सेवा प्रदाताओं को अंतर्राष्ट्रीय बैंडविड्थ पर व्यय की बचत करने में सहायता करता है और विलंबता को कम करके ग्राहकों के लिये कनेक्टिविटी में सुधार करता है।

NIXI को देश के भीतर घरेलू इंटरनेट ट्रैफिक को नियमित करने के उद्देश्य से इंटरनेट सेवा प्रदाताओं के लिये स्थापित किया गया था, ताकि सेवा की बेहतर गुणवत्ता (कम विलंबता) को सुनिश्चित किया जा सके और ISP के लिये बैंडविड्थ शुल्क को कम किया जा सके। **अत: कथन 2 सही है।**

32. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
    1. 'सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास योजना' संसदीय कार्य मंत्रालय द्वारा कार्यान्वित की जा रही है।
    2. सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (MoSPI) के तहत भारतीय सांख्यिकी संस्थान राष्ट्रीय महत्त्व का संस्थान है।

3. रजिस्ट्रार जनरल और जनगणना आयुक्त का कार्यालय MoSPI के अधीन है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1 और 3
b. केवल 2
c. केवल 2 और 3
d. 1, 2 और 3

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के निम्नलिखित दो खंड हैं, जिनमें से एक सांख्यिकी से संबंधित है और दूसरा कार्यक्रम कार्यान्वयन से।
- कार्यक्रम कार्यान्वयन खंड में तीन प्रभाग हैं-
- बीस सूत्री कार्यक्रम,
- आधारभूत संरचना निगरानी और परियोजना निगरानी,
- सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास योजना। **अतः कथन 1 सही नहीं है।**
- उपर्युक्त दो खंडों के अलावा सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (MoSPI) के एक प्रस्ताव के माध्यम से गठित राष्ट्रीय सांख्यिकी आयोग (NSC) तथा एक स्वायत्त भारतीय सांख्यिकी संस्थान भी है, जिसे संसद के एक अधिनियम द्वारा राष्ट्रीय महत्त्व का संस्थान घोषित किया गया है। **अतः कथन 2 सही है।**
- रजिस्ट्रार जनरल और जनगणना आयुक्त का कार्यालय गृह मंत्रालय के अधीन है। **अतः कथन 3 सही नहीं है।**

33. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (IIP) केंद्रीय सांख्यिकी संगठन (CSO) द्वारा मासिक रूप से प्रकाशित किया जाता है।
2. IIP में विनिर्माण क्षेत्र का भारांश सबसे अधिक है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- केंद्रीय सांख्यिकी संगठन (CSO) द्वारा मासिक रूप से IIP के अनुमान प्रकाशित किये जाते है। वर्ष 2011-12 की शृंखला के आधार पर संशोधन के बाद IIP के तीन क्षेत्र हैं: (i) खनन, (ii) विनिर्माण (iii) विद्युत। **अतः कथन 1 सही है।**
- IIP के संदर्भ में वित्तीय वर्ष 2017-18 के दौरान औद्योगिक उत्पादन की वृद्धि दर 4.4% थी, जो वित्तीय वर्ष 2018-19 में घटकर 3.6% रह गई। खनन, विनिर्माण और बिजली क्षेत्रों ने वर्ष 2018-19 में क्रमशः 2.9%, 3.6% और 5.2% की सकारात्मक वृद्धि दर दर्ज की।
- IIP के तहत विनिर्माण क्षेत्र का भारांश 77.63%, खनन क्षेत्र का 14.37% और विद्युत क्षेत्र का भारांश 7.99% है। **अतः कथन 2 सही है।**

34. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. सांख्यिकी मामलों में नीतियों, प्राथमिकताओं और मानकों को विकसित करने के अधिदेश के साथ स्थापित राष्ट्रीय सांख्यिकी आयोग (NSC) एक संवैधानिक निकाय है।
2. NSC का गठन रंगराजन आयोग की सिफारिशों पर किया गया था।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- भारत सरकार ने 1 जून, 2005 को एक संकल्प के माध्यम से राष्ट्रीय सांख्यिकी आयोग (NSC) की स्थापना की थी। NSC का गठन 12 जुलाई, 2006 से सांख्यिकीय मामलों में नीतियों, प्राथमिकताओं और मानकों को विकसित करने हेतु अधिदेश के

साथ किया गया था। **अतः कथन 1 सही नहीं है।**

- NSC में एक अध्यक्ष और चार अतिरिक्त सदस्य होते हैं, जिनमें से प्रत्येक के पास विशिष्ट सांख्यिकी क्षेत्र से संबंधित विशेषज्ञता एवं अनुभव होता है।

- NSC की स्थापना 2001 में भारतीय सांख्यिकी प्रणाली की समीक्षा हेतु गठित रंगराजन आयोग की सिफारिशों के आधार पर की गई थी। **अतः कथन 2 सही है।**

35. फेम इंडिया-II के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
1. यह इलेक्ट्रिक और हाइब्रिड वाहनों के प्रयोग को प्रोत्साहित करता है।
2. यह योजना हाइड्रो-कार्बन आधारित ईंधनों पर भारत की निर्भरता को कम करने में सहायता करेगी।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- फेम इंडिया (भारत में हाइब्रिड एवं विद्युत वाहनों को त्वरित ढंग से अपनाना एवं विनिर्माण) योजना देश में इलेक्ट्रिक और हाइब्रिड वाहनों को प्रोत्साहन देने की पहल है।
- फेम इंडिया-II वर्तमान योजना फेम इंडिया-1 का एक विस्तारित संस्करण है, जिसे 1 अप्रैल, 2015 में लॉन्च किया गया था।
- योजना का अंतिम उद्देश्य इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को बढ़ावा देना है। यह योजना इलेक्ट्रिक वाहन उत्पादन को बढ़ाने और इलेक्ट्रिक परिवहन अवसंरचना के निर्माण के लिये वित्तीय प्रोत्साहन देती है। **अतः कथन 1 सही है।**
    - इलेक्ट्रिक परिवहन अवसंरचना हाइड्रो-कार्बन आधारित ईंधनों पर भारत की निर्भरता को कम करने में सहायता करेगी। इलेक्ट्रिक वाहनों के लिये एक आवश्यक चार्जिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर की स्थापना करके, योजना पर्यावरण प्रदूषण और ईंधन सुरक्षा के मुद्दे के समाधान में भी सहायक होगी। **अत: कथन 2 सही है।**

36. आर्थिक सर्वेक्षण 2018-19 में प्रयुक्त 'लाइटहाउस इफेक्ट' शब्द किसको संदर्भित करता है?

a. यह अनौपचारिक क्षेत्र में वेतन वृद्धि और न्यूनतम वेतन के बीच संबंध को दर्शाता है।
b. यह अर्थव्यवस्था में प्रति व्यक्ति ऊर्जा के उपयोग को संदर्भित करता है।
c. बढ़ते संवृद्धिशील MSME क्षेत्र और अर्थव्यवस्था में इसके योगदान की प्रवृत्ति।
d. भारत की GDP वृद्धि में महिलाओं का योगदान।

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- भारत में न्यूनतम वेतन सबसे कम वेतन प्राप्त करने वाले श्रमिकों की सुरक्षा के लिये एक पारंपरिक फ्लोर वेज (Floor Wage) के रूप में कार्य नहीं करता है।
- लेकिन कई अनुमानों के मुताबिक न्यूनतम वेतन एक बेंचमार्क के रूप में कार्य करता है जो कमज़ोर/असुरक्षित श्रमिकों की सौदेबाज़ी की क्षमता को बढ़ाकर कम-मज़दूरी और अनौपचारिक क्षेत्र में वेतन वृद्धि करता है। इसे लाइटहाउस प्रभाव कहते हैं।
- न्यूनतम वेतन एक संकेतक (लाइटहाउस) की तरह कार्य करता है। श्रमिकों के लिये न्यूनतम वेतन का निर्धारण छोटे उद्यमों और अनौपचारिक क्षेत्र में भी न्यूनतम मज़दूरी को निर्देशित करता है।
    - यहाँ तक कि स्व-नियोजित श्रमिक भी अपने उत्पादों या सेवाओं के लिए भुगतान की जाने वाली मजदूरी निर्धारित करने हेतु न्यूनतम मज़दूरी का एक संदर्भ के रूप में

उपयोग कर पाते है। **अतः विकल्प (a) सही उत्तर है।**

37. निम्नलिखित कारकों में से कौन-सा/से MSME क्षेत्र में बौनेपन (Dwarfism) में योगदान देता है/हैं-

1. छोटी फर्मों को श्रम कानूनों में छूट।
2. छोटी कंपनियों की कम उत्पादकता और रोज़गार सृजन क्षमता।
3. इस क्षेत्र के प्रोत्साहन हेतु सरकार द्वारा MSMEs को प्राप्त प्रोत्साहन।

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

a. केवल 1 और 3
b. केवल 2
c. केवल 2 और 3
d. 1, 2 और 3

उत्तर : (d)

व्याख्या:

- भारत में नियोक्ता-कर्मचारी संबंध को नियंत्रित करने हेतु केंद्र और राज्य दोनों स्तरों पर कई सारे श्रम कानून, विनियम और नियम हैं।
    - उदाहरण के लिये औद्योगिक विवाद अधिनियम (IDA), 1947 के अनुसार, 100 से अधिक कर्मचारियों वाली फर्मों को कर्मचारियों की छँटनी से पहले सरकार से अनुमति प्राप्त करना अनिवार्य है।
    - इस तरह के नियमों के अनुपालन में निहित लेन-देन की लागत को देखते हुए यह स्वाभाविक है कि फर्मों का एक बड़ा हिस्सा 100 कर्मचारियों की सीमा से नीचे रहने को प्राथमिकता देगा। यह प्रवृत्ति फर्मों के बौनेपन को बढ़ावा देती है। **अत: कथन 1 सही है।**
- दस वर्ष से अधिक पुरानी होने के बावजूद 100 से कम श्रमिकों वाली फर्मों का संख्या के अनुसार विनिर्माण क्षेत्र की सभी संगठित फर्मों में आधे से अधिक हिस्सा है, लेकिन रोज़गार में उनका योगदान केवल 14% है और उत्पादकता केवल 8% है। उत्पादकता और रोज़गार की कमी के कारण उत्पादन कम होता है और कंपनियाँ बौनी रह जाती हैं। **अत: कथन 2 सही है।**
- MSMEs के रूप में संदर्भित छोटी फर्मों पर लक्षित नीतियों में प्राथमिकता क्षेत्र ऋण, प्रोत्साहन/ छूट शामिल हैं जब तक कि वे संयंत्र और मशीनरी में निवेश के मामले में निर्धारित ऊपरी सीमा तक नहीं पहुँच जाती। इस तरह के प्रोत्साहन प्राप्त करने के लिये पात्र होने हेतु फर्में बौनी बनी रहती हैं। **अत: कथन 3 सही है।**

38. निम्नलिखित को रोज़गार लोच (Employment Elasticity) के अवरोही क्रम में व्यवस्थित कीजिये:

1. रबर और प्लास्टिक उत्पाद
2. लकड़ी और लकड़ी के उत्पाद
3. इलेक्ट्रॉनिक और ऑप्टिकल उत्पाद
4. परिवहन उपकरण, मशीनरी
5. बिजली, गैस और पानी की आपूर्ति

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

a. 1, 3, 4, 5 और 2
b. 2, 3, 4, 5 और 1
c. 2, 3, 4, 1 और 5
d. 5, 4, 3, 2 और 1

उत्तर :(a)

व्याख्या :

उच्चतम रोज़गार लोच वाले उप-क्षेत्रों का अवरोही क्रम निम्नलिखित हैं-

- रबर और प्लास्टिक उत्पाद> इलेक्ट्रॉनिक और ऑप्टिकल उत्पाद> परिवहन उपकरण> बिजली, गैस और जल आपूर्ति> लकड़ी और लकड़ी के उत्पाद।
- रोज़गार पर आर्थिक विकास के प्रभाव को बढ़ाने के लिए, इस तरह के उच्च रोज़गार लोचदार क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करना होगा। **अतः विकल्प (a) सही है।**
- रोज़गार लोच आर्थिक विकास में प्रतिशत परिवर्तन के सापेक्ष रोज़गार में प्रतिशत परिवर्तन दर्शाता है। रोज़गार लोच किसी अर्थव्यवस्था की अपनी वृद्धि (विकास)

प्रक्रिया के प्रतिशत के अनुसार अपनी अर्थव्यवस्था के लिये रोज़गार के अवसर उत्पन्न करने की क्षमता को इंगित करता है।

39. समागम वेदिका पहल के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
    1. यह तेलंगाना सरकार की पहल है।
    2. यह पहल किसी व्यक्ति के नाम और पते जैसे एक सामान्य पहचानकर्त्ता का उपयोग करते हुए मौजूदा सरकारी डेटासेटों को जोड़ती है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1

b. केवल 2

c. 1 और 2 दोनों

d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- तेलंगाना सरकार ने विभिन्न सरकारी सेवाओं हेतु नागरिक विवरणों को ट्रैक करने के लिये अपना सॉफ्टवेयर विकसित किया है, जिसे समग्र वेदिका पहल के नाम से जाना जाता है। समग्र वेदिका पहल 2017 में बनाई गई तथा यह राज्य को लगभग 25 विभागों से नागरिक डेटा को सत्यापित करने या जाँचने की अनुमति देता है। **अत: कथन 1 सही है।**
    - यह प्लेटफॉर्म राज्य को आधार प्लेटफॉर्म पर भरोसा किये बिना सभी सरकारी विभागों के नागरिक डेटा को समेकित रूप से एकीकृत और जाँच पड़ताल करने की अनुमति देता है।
- प्रत्येक व्यक्ति के बारे में सात श्रेणियों की सूचना को इस समूहन कार्य से जोड़ा गया था जिनमें अपराध परिसंपत्तियाँ, उपयोगिताएँ, सब्सिडी, शिक्षा, कर एवं पहचान शामिल थे। इसके अलावा प्रत्येक व्यक्ति के डेटा को पति-पत्नी, भाई-बहन, माता-पिता और अन्य सगे संबंधियों से जोड़ा गया था। **अतः कथन 2 सही है।**

40. निम्नलिखित में से कौन-सा विकल्प 'चित्त आदंगल' शब्द का सबसे उपयुक्त वर्णन करता है?

a. तमिलनाडु में ये भूमि से संबंधित रिकॉर्ड होते हैं।

b. यह पल्लवकालीन वस्त्रों पर की जाने वाली चित्रकारी है।

c. यह कर्नाटक संगीत का एक प्रकार है जो विशेष रूप से केरल में प्रचलित है।

d. यह संगम युग का एक साहित्यिक लेख है जो राजा के कर्त्तव्यों को परिभाषित करता है।

उत्तर : (a)

व्याख्या:

- चित्त आदंगल तालुक कार्यालय में एक दस्तावेज़ है जिसमें विवरण संख्या जैसे कि सर्वेक्षण संख्या, वर्तमान स्वामी, पट्टा संख्या आदि शामिल होते हैं।
- आदंगल रिकॉर्ड में किसी विशेष गाँव के प्रत्येक भूखंड की सर्वेक्षण संख्या, किरायेदार, किरायेदारी की अवधि, क्षेत्र का विस्तार, उगाई गई फसल और उसकी स्थिति का विवरण होता है। **अतः कथन (a) सही है।**

41. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
    1. बेलन घाटी में प्रागैतिहासिक काल की तीनों अवस्थाओं के अवशेष मिलते हैं।
    2. बुर्जहोम में आदिम लोग गढ्ढे के नीचे घर बना कर रहते थे।
    3. पुरापाषाण स्थल मुख्य रूप से सिंधु और गंगा के मैदानी क्षेत्रों में पाए गए हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1

b. केवल 1 और 2

c. केवल 1 और 3

d. केवल 2 और 3

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- बेलन घाटी विंध्य श्रेणी में उत्तर प्रदेश के मिर्ज़ापुर ज़िले में स्थित है। यहाँ पर प्रागैतिहासिक काल की सभी तीनों अवस्थाएँ अर्थात् पुरापाषाण (Palaeolithic)

मध्यपाषाण (Mesolithic) और नवपाषाण (Neolithic) काल एक अनुक्रम में मिलती हैं।

- बेलन घाटी के अलावा नर्मदा घाटी में प्रागैतिहासिक काल की तीनों अवस्थाएँ पाई जाती है।

- मध्यपाषाण काल, पुरापाषाण और नवपाषाण चरण के बीच का संक्रमण चरण है।
  - बेलन घाटी में लोग शिकार, मछली पकड़ने और भोजन संग्रहण पर आश्रित थे। परवर्ती चरण में उन्होंने जानवरों को पालतू बनाया, जिसका अंतर्संबंध नवपाषाण संस्कृति से था।
  - बेलन घाटी में पाए गए जानवरों के अवशेष बताते हैं कि बकरियाँ, भेड़ें और मवेशी पाले जाते थे।
  - बेलन घाटी से मिले औज़ार नवपाषाण काल के प्रमाण हैं। **अत: कथन 1 सही है।**
- बुर्जहोम कश्मीर में स्थित नवपाषाण स्थल है जो श्रीनगर से उत्तर-पश्चिम दिशा में 16 किमी. दूर अवस्थित है। बुर्जहोम का अर्थ है- 'भुर्जवृक्ष का स्थान'।
  - गर्तावास (गड्ढे में निर्मित आवास) कश्मीर की नवपाषाण संस्कृति की प्रमुख विशेषता है। यहाँ पर नवपाषाण काल के लोग एक झील के किनारे ज़मीन के नीचे घर बनाकर रहते थे। **अतः कथन 2 सही है।**
  - बुर्जहोम स्थल की एक अन्य उल्लेखनीय विशेषता यह है कि यहाँ पालतू कुत्ते अपने मालिक के शवों के साथ उनके कब्रों में दफनाए जाते थे।
- देश के अनेक पहाड़ी ढलानों और नदी घाटियों में पुरापाषाण स्थल पाए गए हैं। किंतु सिंधु और गंगा नदी के जलोढ़ मैदानों में ये अनुपस्थित हैं।
  - संभवतः इसका कारण कृषि के ज्ञान और नदी के पास पानी की उपलब्धता का अभाव था। **अतः कथन 3 सही नहीं है।**

42. निम्नलिखित सिंधु घाटी स्थलों को पश्चिम से पूर्व की ओर व्यवस्थित कीजिये:

1. लोथल
2. सुत्कोगेंडोर
3. कोट-दीजी
4. कालीबंगा

कूट:

a. 3-2-1-4
b. 2-3-4-1
c. 3-4-2-1
d. 2-3-1-4

उत्तर: (d)

व्याख्या:

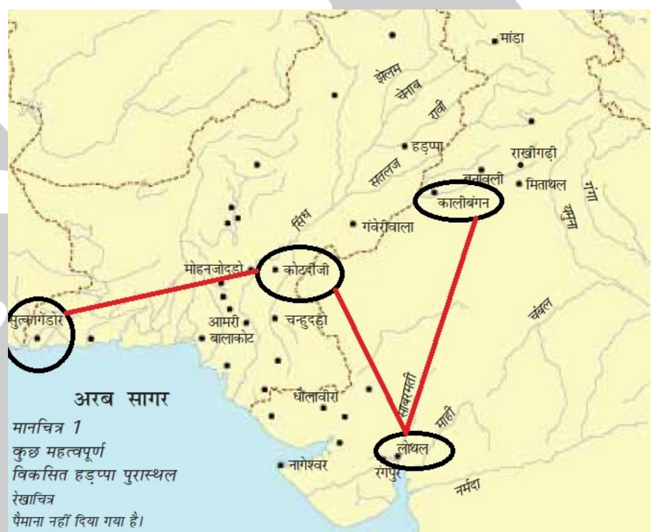

43. सिंधु घाटी सभ्यता के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. सड़कों और गलियों का निर्माण 'ग्रिड पद्धति' में किया गया था।
2. एकांतता/निजता को महत्त्व देते हुए घरों को अभिकल्पित किया गया था।
3. अन्नागारों का उपयोग धार्मिक उद्देश्यों के लिये किया जाता था।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?

a. केवल 1 और 2

b. केवल 1 और 3
c. केवल 2 और 3
d. 1, 2 और 3

उत्तर: (a)

व्याख्या:

शहरी केंद्रों का विकास सिंधु घाटी सभ्यता की सबसे अनूठी विशेषता है। उनके नगर नियोजन से सिद्ध होता है कि वे एक अत्यधिक नगरीकृत और विकसित जीवन जीते थे। सर्वप्रथम सैंधव लोगों द्वारा वैज्ञानिक जल निकास प्रणाली युक्त योजनाबद्ध शहरों का निर्माण किया गया था। सिंधु घाटी सभ्यता के शहर एक एक समान नियोजन पर आधारित थे।

- सड़कें सीधी थीं और एक-दूसरे को समकोण पर काटती थीं। शहर को आयताकार ब्लॉकों में विभाजित किया गया था और सड़कों तथा गलियों को लगभग ग्रिड पद्धति में बनाया गया था। **अतः कथन 1 सही है।**
- यह एक रोचक पहलू है कि सैंधव लोग एकांतता को महत्त्व देते थे।
  - भूमि तल पर बनी दीवारों में खिड़कियाँ नहीं थीं। इसके अतिरिक्त घरों के आंतरिक भाग अथवा आँगन को मुख्य द्वार से नहीं देखा जा सकता था। ये विशेषताएँ एकांतता के महत्त्व को दर्शाती हैं। **अतः कथन 2 सही है।**
- मोहनजोदड़ो में सबसे बड़ी इमारत एक अन्नागार थी।
  - इन अन्नागारों का उपयोग अनाज के सुरक्षित भंडारण के लिये किया जाता था। अनाज का संग्रहण संभवतः राजस्व के रूप में अथवा आपात स्थितियों में उपयोग हेतु किया जाता था। **अतः कथन 3 सही नहीं है।**

44. भारत में विदेशी ट्रिब्यूनलों (FTs) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
    1. केवल FTs को ही अवैध अप्रवासियों को विदेशी घोषित करने का अधिकार है।
    2. केंद्र और राज्य सरकार दोनों देश में FT स्थापित कर सकती हैं।
    3. केवल राज्य प्रशासन ही किसी व्यक्ति के विदेशी होने के संदेह के आधार पर उसके विरुद्ध FT में जा सकता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1 और 2
b. केवल 2
c. केवल 3
d. केवल 1 और 3

उत्तर: (a)

व्याख्या:

विदेशी अधिकरण एक अर्द्ध-न्यायिक निकाय है जिसकी स्थापना विदेशी नागरिक अधिनियम, 1946 के तहत की गई है।

- विदेशी अधिनियम, 1946 और विदेशी नागरिक (न्यायाधिकरण) आदेश, 1964 के प्रावधानों के तहत केवल विदेशी न्यायाधिकरण को ही किसी व्यक्ति को विदेशी घोषित करने का अधिकार है। यह आवश्यक नहीं है कि सिर्फ NRC में किसी व्यक्ति का नाम शामिल न होने से ही वह व्यक्ति विदेशी है। **अतः कथन 1 सही है।**
- गृह मंत्रालय द्वारा विदेशी नागरिक (न्यायाधिकरण) आदेश, 1964 में संशोधन के बाद सभी राज्य एवं केंद्रशासित प्रदेश अपने राज्य में प्राधिकरण स्थापित करेंगे जो यह तय करेगा कि अवैध रूप से निवास करने वाला कोई व्यक्ति विदेशी है या नहीं। इससे पहले प्राधिकरण स्थापित करने की शक्ति केंद्र सरकार के पास थी। **अतः कथन 2 सही है।**
- वर्ष 2019 में संशोधित विदेशी नागरिक (न्यायाधिकरण) आदेश में किसी भी व्यक्ति को न्यायाधिकरण के समक्ष अपना पक्ष प्रस्तुत करने का प्रावधान जोड़ा गया है। इससे पूर्व केवल राज्य प्रशासन ही किसी संदिग्ध के विरुद्ध विदेशी अधिकरण में याचिका दायर कर सकता था। **अतः कथन 3 सही नहीं है।**

- यह संशोधन असम में राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (NRC) के अंतिम प्रारूप की पृष्ठभूमि में आया है।
- 31 अगस्त, 2019 को जारी NRC की अंतिम सूची में जिन व्यक्तियों का नाम शामिल नहीं है, वे इसके विरुद्ध न्यायाधिकरण में जा सकते हैं।
- संशोधित आदेश ज़िलाधिकारियों को यह अनुमति प्रदान करता है कि ऐसे व्यक्ति जिन्होंने NRC के विरुद्ध ट्रिब्यूनल में कोई आपत्ति दर्ज नहीं कराई है, उनके मामले में वह तय कर सकता है कि व्यक्ति विदेशी है या नहीं।

45. अक्सर समाचारों में देखी जाने वाली 'पिंगुली चित्रकथी कला' किससे संबंधित है?

a. गुजरात
b. मध्य प्रदेश
c. महाराष्ट्र
d. कर्नाटक

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- चित्रकथी चित्रकला की एक अनूठी शैली है जो महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग ज़िले में स्थित पिंगुली गाँव में 17वीं शताब्दी से प्रचलित है।
- यह आदिवासी कला है, जिसका अभ्यास महाराष्ट्र के ठाकर जनजाति द्वारा किया जाता है।
- महाभारत या रामायण के कथानक पर आधारित विषय पर कागज, ब्रश और हाथ से बने रंगों का उपयोग करके चित्रकारी की जाती है। चित्रों के संग्रह का उपयोग कथा का वर्णन करने के लिये किया जाता है। सूत्रधार (कथावाचक) वीणा, ताल और हुदुक के संगीत संयोजन से गीतों के रूप में कहानी का वर्णन करता है। **अतः विकल्प (c) सही है।**

46. प्राचीन भारत में देश की अर्थव्यवस्था में अत्यंत महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले श्रेणी (Guild) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

1. प्रत्येक 'श्रेणी' राज्य के एक केंद्रीय प्राधिकरण के साथ पंजीकृत होता था और प्रशासनिक स्तर पर राजा उसका प्रमुख होता था।
2. 'श्रेणी' ही वेतन, काम करने के नियमों, मानकों और कीमतों को सुनिश्चित करता था।
3. 'श्रेणी' का अपने सदस्यों पर न्यायिक अधिकार होता था।

कूट:

a. केवल 1 और 2
b. केवल 3
c. केवल 2 और 3
d. 1, 2 और 3

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- प्राचीनकाल में व्यवसायियों एवं शिल्पकारों ने अपनी सुरक्षा तथा व्यापारिक उन्नति के लिये अपने- अपने संगठन बनाए। ऐसे संगठित व्यापारिक समूहों को श्रेणी, पूग, निगम के नाम से जाना जाता था। ये श्रेणी विभिन्न व्यापारिक संगठनों का प्रतिनिधित्व करते थे। स्वतंत्र एवं क्रियाशील संस्था के रूप में इन संगठनों ने तत्कालीन आर्थिक जीवन को ही नहीं बल्कि राजनीतिक स्थिति को भी प्रभावित किया।
    - इन संगठनों को राज्य की तरफ से भी सहायता मिलती थी लेकिन उनके कामकाज में राजा की कोई भूमिका नहीं होती थी।
    - श्रेणी का अनिवार्य रूप से प्रशासनिक प्रमुख राजा नहीं होता था। शिल्पी और व्यवसायी अपनी श्रेणी के मुखिया के अधीन संगठित थे जो उनके हितों की रक्षा करते थे। **अतः कथन 1 सही नहीं है।**
- प्राचीन भारत की ये श्रेणी संगठन के एक अद्वितीय प्रकार थे जो कई भूमिकाओं का निर्वाह करते थे जिनमें एक लोकतांत्रिक सरकार, एक ट्रेड यूनियन, न्यायिक अदालत

और एक तकनीकी संस्थान आदि के कार्य शामिल थे।

    - वे विनिर्माण के लिये कच्चे माल का क्रय, निर्मित वस्तुओं की गुणवत्ता और कीमत पर नियंत्रण और उनकी बिक्री के लिये बाजार की स्थापना जैसे कार्य करते थे। वे मज़दूरी, काम, मानकों और कीमतों के लिये नियम भी बनते थे। **अत: कथन 2 सही है।**

- बृहस्पति के अनुसार श्रेणी का प्रधान श्रेणी धर्म के अनुसार अपने सदस्यों के साथ कड़ा या मृदु व्यवहार कर सकता था जो श्रेणी का अपने सदस्यों पर न्यायिक अधिकार को दर्शाता है। **अत: कथन 3 सही है।**

47. सिंधु घाटी सभ्यता के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

    1. धातु के सिक्कों के उपयोग के कारण व्यापार में वृद्धि हुई।
    2. सैंधव लोग मंदिरों में रखे देवताओं की पूजा करते थे।
    3. सिंधु घाटी सभ्यता के लोग नाव बनाना जानते थे।
    4. बालाकोट सिंधु घाटी सभ्यता का तटीय शहर है।

उपरोक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1 और 2
b. केवल 1 और 3
c. केवल 3
d. केवल 3 और 4

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- हड़प्पा और मोहनजोदड़ो में अन्नागारों की उपलब्धता, कई मुहरों की उपस्थिति, एक समान लिपि और मानकीकृत माप-तौल तथा बाट व्यवस्था इस तथ्य की पुष्टि करते हैं कि सिंधु घाटी सभ्यता में व्यापार समृद्ध और विकसित अवस्था में था।
    - हालाँकि, वे धातु के सिक्कों का प्रयोग नहीं करते थे। संभवतः वे वस्तु विनिमय के माध्यम से सभी आदान-प्रदान करते थे। **अतः कथन 1 सही नहीं है।**
- हड़प्पा में स्त्रियों की कई टेराकोटा निर्मित मूर्तियाँ मिली हैं। एक मुहर पर पुरुष देवता पशुपति महादेव को दर्शाया गया है।
    - सिंधु घाटी सभ्यता में लिंग पूजा की प्रथा थी।
    - सिंधु घाटी सभ्यता के लोग वृक्षों तथा पशुओं की पूजा देवताओं के रूप में किया करते थे।
    - हालाँकि, वे अपने इन देवताओं के लिये मंदिर नहीं बनवाते थे। सिंधु सभ्यता में मंदिरों के प्रचलन का कोई साक्ष्य नहीं मिलता है। **अतः कथन 2 सही नहीं है।**
- सिंधु घाटी के लोग अरब सागर में नौपरिवहन का प्रयोग करते थे। हड़प्पावासी नाव बनाने का कार्य करते थे। हड़प्पा काल के दौरान कई बंदरगाह शहर मौजूद थे और गुजरात के लोथल में गोदीवाड़ा भी पाया गया है। **अतः कथन 3 सही है।**
- बालाकोट हड़प्पाकालीन (2000 ई.पू) प्राचीन तटीय स्थल है, जो पाकिस्तान में कराची के पास सोमानी खाड़ी में स्थित है।
    - यह शंख और माला बनाने का केंद्र था। **अतः कथन 4 सही है।**

48. अशोक के निम्नलिखित वृहद् शिलालेखों को उत्तर से दक्षिण दिशा में व्यवस्थित कीजिये:

    1. कालसी
    2. गिरनार
    3. सन्नति
    4. शहबाजगढ़ी

कूट:

a. 4-3-2-1
b. 2-3-4-1
c. 4-1-2-3
d. 2-3-1-4

उत्तर: (c)

व्याख्या:

अशोक के वृहद् शिलालेख

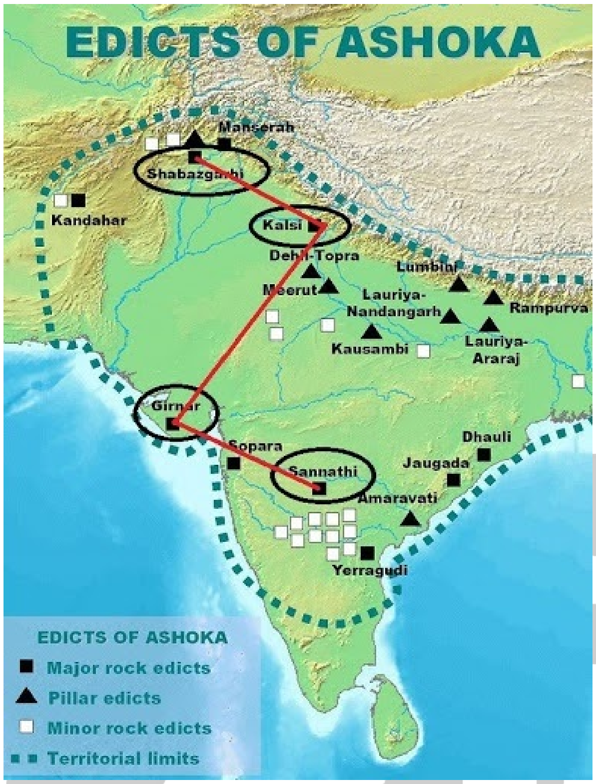

शिलालेख	विषय
वृहद् शिलालेख I	• पशुओं के वध और उत्सवों के आयोजन पर प्रतिबंध।
वृहद् शिलालेख II	• मानवों और पशुओं के लिये देखभाल की व्यवस्था। • इसमें दक्षिण भारत के चोल, पांड्य, सत्यपुत्र और केरलपुत्र राज्यों का उल्लेख है।
वृहद् शिलालेख III	• राज्य प्रशासनिक अधिकारियों जैसे राजुकों, युक्तकों आदि द्वारा धम्म नीति का प्रचार। • ब्राह्मणों, संबंधियों, माता-पिता आदि के प्रति उदारता।
वृहद् शिलालेख IV	• भेरीघोष के स्थान पर धम्मघोष का प्रचार।
वृहद् शिलालेख V	• धम्म महामात्रों की नियुक्ति। • दासों के साथ उचित व्यवहार।
वृहद् शिलालेख VI	• राज्य प्रशासन संबंधी मामलों में सूचित करने की राजा की इच्छा का उल्लेख। • जन-कल्याण।
वृहद् शिलालेख VII	• सभी धर्मों के प्रति सहिष्णुता।
वृहद् शिलालेख VIII	• अशोक की बोधगया और बोधिवृक्ष की यात्रा।
वृहद् शिलालेख IX	• अनावश्यक समारोहों की निंदा।
वृहद् शिलालेख X	• अनुचित साधनों से प्रसिद्धि और गौरव प्राप्ति की इच्छा रखने वाले व्यक्तियों की निंदा।
वृहद् शिलालेख XI	• धम्म की व्याख्या।
वृहद् शिलालेख XII	• धार्मिक सहिष्णुता पर सर्वधर्म समभाव।
वृहद् शिलालेख XIII	• अन्य राजाओं पर अशोक की विजयों का उल्लेख।
वृहद् शिलालेख XIV	• देश के विभिन्न हिस्सों में शिलालेखों को स्थापित करवाने का उल्लेख।

49. 'वैदिक काल' के संबंध में निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा/से सही *नहीं* है/हैं?

1. विश ऋग्वैदिक काल की राजनीतिक संरचना में सबसे छोटी इकाई थी।
2. प्रमुखों को लोकतांत्रिक तरीके से चुना जाता था।
3. प्रजा द्वारा राजा को बलि नामक कर का भुगतान करना अनिवार्य था।
4. समाज में वर्ण आधारित कठोर सामाजिक व्यवस्था प्रचलित थी।

कूट:

a. केवल 1, 2 और 3
b. केवल 1, 3 और 4
c. केवल 1, 2 और 4
d. केवल 2, 3 और 4

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- ऋग्वैदिक काल की राजनीतिक संरचना का आरोही क्रम निम्नलिखित प्रकार का था:
    - परिवार (कुल)
    - गाँव (ग्राम)
    - कबीले (विश्)
    - प्रजा (जन)
    - देश (राष्ट्र)
- इसमें कुल (परिवार) सबसे छोटी इकाई थी। जिसमें एक ही छत के नीचे (गृह) रहने वाले सभी लोग शामिल थे। कई कुलों के समूहन से आज की तरह का एक ग्राम बनता था और इसके मुखिया को ग्रामणी कहा जाता था। **अतः कथन 1 सही नहीं है।**
    - उससे बड़ा समूह विश् था, जिसका प्रधान विश्पति कहा जाता था। जन, विश् से बड़ी इकाई होती थी।
    - जन के संदर्भ में यदुओं तथा भरतजनों का उल्लेख मिलता है।
    - राजा को जन का रक्षक भी कहा जाता है। कई जन से मिलकर राष्ट्र अर्थात् देश बनता था।
- राजा का पद सामान्यतः आनुवंशिक होता था लेकिन कहीं-कहीं राजा के चुनाव का भी उल्लेख मिलता है। ऐसे गण प्रमुखों का भी उल्लेख मिलता है जो जन सभा द्वारा लोकतांत्रिक रूप से चुने जाते थे। **अतः कथन 2 सही है।**
- राष्ट्र आमतौर पर छोटे-छोटे राज्य होते थे, जिनका शासक राजन् (राजा) कहलाता था। लेकिन सम्राट शब्द के प्रयोग से यह पता चलता है कि कुछ राजा अधिक बड़े होते थे। उनके अधीन कई छोटे-छोटे राज्य होते थे और उनका प्रभुत्व अन्य राजाओं की तुलना में अधिक होता था। राजा पुरोहित तथा अन्य पदाधिकारियों की सहायता से न्यायपूर्ण प्रशासन चलाता था।
    - राजा को बलि (राजस्व या भेंट) दी जाती थी। राजा को बलि अपनी प्रजा से तथा विजित जनों से भी प्राप्त होती थी। राजा इसके बदले में प्रजाजनों की सुरक्षा की ज़िम्मेदारी लेता था। **अतः कथन 3 सही नहीं है।**
- राजा के प्रमुख पदाधिकारियों में पुरोहित जो पौरोहित्य कर्म के अलावा मंत्री का कार्य भी करते थे , सेनानी (सेना का प्रधान) और ग्रामणी (गाँव का मुखिया) आदि शामिल थे। साथ ही दूतों और गुप्तचरों का भी उल्लेख मिलता है।
- ऋग्वैदिक समाज ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य और शुद्र नामक चार वर्णों में विभक्त था। समाज का यह वर्गीकरण व्यक्तियों के व्यवसाय यानी काम पर आधारित था। शिक्षकों और पुरोहितों को ब्राह्मण; शासकों और प्रशासकों को क्षत्रिय; कृषकों, व्यापारियों और साहूकारों को वैश्य; एवं शिल्पियों, कारीगर तथा श्रमिकों को शुद्र कहा जाता था।
    - लोगों द्वारा ये व्यवसाय अपनी योग्यता और पसंद के अनुसार अपनाए जाते थे, न कि जन्म या आनुवंशिक आधार पर। एक ही परिवार के लोग अपनी इच्छा और योग्यता के अनुसार अलग-अलग व्यवसाय अपनाते थे और अलग-अलग वर्णों के सदस्य बन जाते थे। समाज में वर्णव्यवस्था का कठोर

स्वरूप प्रचलन में नहीं था। **अतः कथन 4 सही नहीं है।**

50. ऋग्वेद-कालीन आर्यों और सिंधु घाटी के लोगों की संस्कृति के बीच अंतर के संबंध में, निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?
    1. ऋग्वेद-कालीन आर्य युद्ध में कवच और शिरस्त्राण (हेलमेट) का उपयोग करते थे, जबकि सिंधु घाटी सभ्यता के लोगों में इनके उपयोग का कोई साक्ष्य नहीं मिलता।
    2. ऋग्वेद-कालीन आर्यों को स्वर्ण, चाँदी और ताम्र का ज्ञान था, जबकि सिंधु घाटी के लोगों को केवल ताम्र और लोहे का ज्ञान था।
    3. ऋग्वेद-कालीन आर्यों ने घोड़े को पालतू बना लिया था, जबकि इस बात का कोई साक्ष्य नहीं है कि सिंधु घाटी के लोग इस पशु को जानते थे।

कूट:

a. केवल 1
b. केवल 2 और 3
c. केवल 1 और 3
d. 1, 2 और 3

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- ऋग्वैदिक काल में आर्यों द्वारा युद्ध में कवच और शिरस्त्राण (हेलमेट) के उपयोग के साक्ष्य मिलते हैं, जबकि सिंधु घाटी सभ्यता में भी यह स्पष्ट नहीं है कि सैंधव लोगों द्वारा इनका उपयोग किया जाता था या नहीं। **अत: कथन 1 सही है।**
- वैदिक युग में लोहे के प्रयोग का संकेत मिलता है, जबकि सिंधु घाटी सभ्यता ताम्र-पाषाण काल का भाग थी। इससे यह जानकारी मिलती है कि हड़प्पावासी लोहे के बारे में नहीं जानते थे। भारतीय उपमहाद्वीप में लोहे का सबसे पहला साहित्यिक संदर्भ यजुर्वेद में मिलता है। **अत: कथन 2 सही नहीं है।**
- सिंधु घाटी के लोगों को घोड़े के बारे में पता होने का कोई स्पष्ट प्रमाण नहीं मिलता है, जबकि ऋग्वैदिक आर्य घोड़ों का प्रयोग करते थे। वस्तुत: ऋग्वैदिक आर्यों के लिये घोड़ा सबसे महत्वपूर्ण पशु था क्योंकि इसकी तीव्र धावक क्षमता ने उन्हें पश्चिमी एशिया में सफलतापूर्वक प्रवेश करने में सक्षम बनाया। **अत: कथन 3 सही है।**

51. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिये:

महाजनपद	**वर्तमान अवस्थिति**
1. अंग	भागलपुर
2. कम्बोज	कश्मीर
3. अश्मक	मथुरा
4. मत्स्य	भरतपुर

उपर्युक्त युग्मों में से कौन-सा/से सही सुमेलित है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 1 और 4
c. केवल 2 और 3
d. 1, 2 और 4

उत्तर: (b)

व्याख्या:

अंगुत्तर निकाय के अनुसार निम्नलिखित महाजनपद थे:

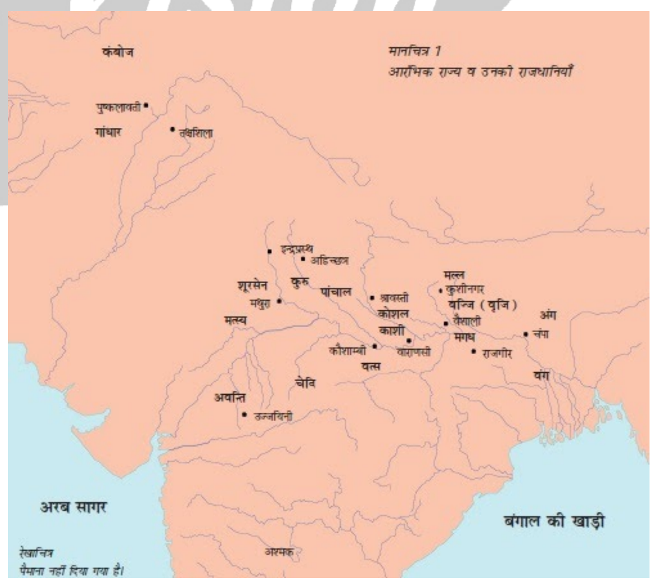

- अंग (आधुनिक बिहार के मुंगेर और भागलपुर जिले शामिल थे) की राजधानी चंपा थी। **अतः युग्म 1 सही सुमेलित है।**
- मगध (जिसमें पटना, गया और शाहाबाद ज़िले के कुछ भाग शामिल थे), जिसकी आरंभिक राजधानी राजगृह अथवा गिरिव्रज थी।
- वज्जि (आठ गणतंत्रीय कुलों का एक परिसंघ जो बिहार में गंगा नदी के उत्तर में स्थित था), जिसकी राजधानी वैशाली थी।
- मल्ल (यह भी एक गणसंघ था और इसमें पूर्वी उत्तर प्रदेश के आधुनिक ज़िले देवरिया, बस्ती, गोरखपुर और सिद्धार्थ नगर आते थे) की दो राजधानियाँ- कुशीनारा (कुशीनगर) और पावा थीं।
- काशी की राजधानी वाराणसी थी।
- कोसल (जिसमें वर्तमान फैजाबाद, गोंडा, बहराइच आदि ज़िले शामिल थे) की राजधानी श्रावस्ती थी।
- वत्स (जिसमें आधुनिक इलाहाबाद, मिर्जापुर आदि ज़िले शामिल थे) की राजधानी कौशाम्बी थी।
- चेदि (जिसमें आधुनिक बुंदेलखंड का क्षेत्र शामिल था) की राजधानी शुक्तिमती थी।
- कुरु (इसमें आधुनिक हरियाणा और यमुना के पश्चिम में स्थित दिल्ली का क्षेत्र शामिल था) की राजधानी इंद्रप्रस्थ (आधुनिक दिल्ली) थी।
- पांचाल (जिसमें पश्चिमी उत्तर प्रदेश से यमुना नदी के पूर्व तक कोसल जनपद तक का क्षेत्र शामिल था) की राजधानी अहिच्छत्र थी।
- सुरसेन (जिसमें ब्रजमंडल शामिल था) की राजधानी मथुरा थी।
- मत्स्य (इसमें राजस्थान के अलवर, भरतपुर और जयपुर का क्षेत्र शामिल था)। **अतः युग्म 4 सही सुमेलित है।**
- अवंती (आधुनिक मालवा) की राजधानियाँ उज्जयिनी और माहिष्मती थीं।
- अश्मक (जो नर्मदा और गोदावरी नदियों के बीच स्थित था) जिसकी राजधानी पोटन थी। **अतः युग्म 3 सही सुमेलित नहीं है।**
- गांधार (पाकिस्तान का पश्चिमी और अफगानिस्तान का पूर्वी क्षेत्र) की राजधानियाँ तक्षशिला और पुष्कलावती थीं।
- कम्बोज (पाकिस्तान का आधुनिक हज़ारा ज़िला)। **अतः युग्म 2 सही सुमेलित नहीं है।**
- **इस प्रकार विकल्प (b) सही है।**

52. निम्नलिखित में से कौन-सी गुफाओं का निर्माण मौर्य काल के दौरान किया गया था?
   1. बाघ की गुफाएँ
   2. बराबर गुफाएँ
   3. एलोरा की गुफाएँ

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

a. केवल 1 और 2
b. केवल 2
c. केवल 1 और 3
d. केवल 2 और 3

उत्तर: (b)

व्याख्या:

बाघ की गुफाएँ: मध्य प्रदेश में बाघ नदी के तट पर स्थित ये छठी शताब्दी के आसपास विकसित 9 बौद्ध गुफाओं का एक समूह है। यह वास्तुशिल्प की दृष्टि से अजंता की गुफाओं के ही समान है। **अतः कथन 1 सही नहीं है।**

बराबर गुफाएँ: ये बिहार में गया से 24 किमी. उत्तर में बराबर की पहाड़ियों पर स्थित हैं। ये चट्टानों को काटकर बनाई गईं 4 गुफाओं का एक समूह है, जिसका काल तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व के आस-पास का है।

- इनका निर्माण मौर्य सम्राट अशोक द्वारा अजीविक संप्रदाय हेतु करवाया गया था। सुदामा गुफा के अभिलेख से पता चलता है कि बराबर पहाड़ियों पर 4 गुफाओं को सम्राट अशोक द्वारा अजीविक भिक्षुओं को सौंपा गया था। **अतः कथन 2 सही है।**

एलोरा की गुफाएँ: यह महाराष्ट्र की सह्याद्रि श्रेणी में स्थित हैं। यह 34 गुफाओं का एक समूह है, जिनमें से 17 ब्राह्मण, 12 बौद्ध और 5 जैन धर्म से संबंधित हैं।

- इन गुफाओं का निर्माण 5वीं से 11वीं शताब्दी के बीच किया गया था। **अतः कथन 3 सही नहीं है।**
- इसमें दो मंज़िला और तीन मंज़िला दोनों प्रकार की गुफाएँ शामिल हैं।
- कुछ प्रमुख एलोरा गुफाएँ इस प्रकार हैं:
    - रावण की खाई (गुफा संख्या: 14)
    - दशावतार मंदिर (गुफा संख्या: 15)
    - कैलाशनाथ मदिर (गुफा संख्या:16)

53. निम्नलिखित में से कौन-सा/से लक्षण सिंधु सभ्यता के लोगों का सही चित्रण करता है/करते हैं?
    1. उनके विशाल महल और मंदिर होते थे।
    2. वे देवियों और देवताओं, दोनों की पूजा करते थे।
    3. वे युद्ध में घोड़ों द्वारा खींचे गए रथों का प्रयोग करते थे।

कूट:

a. केवल 1 और 2
b. केवल 2
c. 1, 2 और 3
d. इनमें से कोई नहीं।

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- सिंधु घाटी स्थलों पर उत्खनन से यह जानकारी मिलती है कि सिंधु घाटी सभ्यता के निवासियों ने बड़े स्मारक ढाँचों का निर्माण नहीं किया था। यहाँ महलों या मंदिरों या राजाओं, सेनाओं या पुजारी वर्ग के भी कोई निर्णायक प्रमाण नहीं मिले हैं। मोहनजोदड़ो, हड़प्पा और लोथल में पाए गए विशाल भवन अन्नागार और भंडारागार माने जाते हैं। **अत: कथन 1 सही नहीं है।**
- उत्खनन के विभिन्न चरणों के दौरान प्राप्त मिट्टी की मुहरों पर एक पुरुष देवता की उपस्थिति की जानकारी मिलती है। खुदाई में मिली एक स्त्री की मूर्ति भी सृष्टि के स्रोत के रूप में देवी पूजा की पुष्टि करती है। सिंधु सभ्यता के लोग मातृदेवी, लिंग-योनि, वृक्ष प्रतीक, पशु आदि की पूजा करते थे। **अत: कथन 2 सही है।**
- सिंधु घाटी सभ्यता के दौरान घोड़ों द्वारा खींचे जाने वाले रथों का कोई प्रमाण नहीं मिलता है। **अत: कथन 3 सही नहीं है।**

54. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
    1. राष्ट्रीय निवेश और विनिर्माण क्षेत्रों (NIMZs) की स्थापना भारतीय संविधान के अनुच्छेद 243Q के तहत औद्योगिक टाउनशिप के रूप में की जाती हैं।
    2. NIMZ के अंतर्गत कुल क्षेत्रफल का कम-से-कम 30% भाग विनिर्माण इकाइयों के लिये समर्पित होना चाहिये।
    3. विशेष आर्थिक क्षेत्रों (SEZ) का मुख्य उद्देश्य निर्यात को बढ़ावा देना है, जबकि यह NIMZ औद्योगिक विकास के सिद्धांत पर आधारित है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1 और 2
b. केवल 1 और 3
c. केवल 2 और 3
d. 1, 2 और 3

उत्तर: (d)

व्याख्या:

राष्ट्रीय निवेश और विनिर्माण क्षेत्र (NIMZ) राष्ट्रीय विनिर्माण नीति, 2011 के महत्त्वपूर्ण उपकरणों में से एक है।

- राष्ट्रीय विनिर्माण नीति का मुख्य उद्देश्य एक दशक के भीतर GDP में विनिर्माण के योगदान को बढ़ाकर 25% तक करना और 100 मिलियन रोज़गारों का सृजन करना है।

वैश्विक स्तर की विनिर्माण गतिविधियों को बढ़ावा देने हेतु अपेक्षित पारिस्थितिकी तंत्र सहित आर्थिक विकास के अधिकेंद्र के रूप में NIMZ की परिकल्पना की गई है।

- वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के तहत उद्योग संवर्द्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (DPIIT) से अंतिम अनुमोदन प्राप्त होने पर राज्य सरकार द्वारा संविधान के अनुच्छेद 243Q(1)(c) के तहत NIMZ को एक औद्योगिक टाउनशिप के रूप में घोषित किया जाता है। **अतः कथन 1 सही है।**

- प्रत्येक NIMZ को आधिकारिक गजट में DPIIT (पूर्व DIPP) द्वारा अलग से अधिसूचित किया जाता है।
- NIMZ के लिये प्रस्तावित कुल भूमि के कम-से-कम 30% भाग का उपयोग विनिर्माण इकाइयों की स्थापना के लिये किया जाएगा। NIMZ में अन्य सामाजिक बुनियादी ढाँचे के लिये भी क्षेत्र शामिल है। **अतः कथन 2 सही है।**

SEZ और NIMZ के बीच अंतर

- NIMZ की स्थापना राष्ट्रीय विनिर्माण नीति 2011 के तहत की जाती है, जबकि SEZ की स्थापना SEZ अधिनियम, 2005 के तहत की जाती है।
- NIMZ आकार, अवसंरचनात्मक नियोजन, विनियामक प्रक्रियाओं से संबंधित शासन ढाँचे और निकास नीतियों के मामले में SEZ से भिन्न होते हैं।
    - 50 वर्ग किलोमीटर से लेकर 900 वर्ग किलोमीटर तक का प्रत्येक NIMZ एक विशेष आर्थिक क्षेत्र (SEZ) से बहुत बड़ा होता है।
    - विशेष आर्थिक क्षेत्रों का मुख्य उद्देश्य निर्यात को बढ़ावा देना है, जबकि NIMZ राज्यों के साथ साझेदारी में औद्योगिक विकास के सिद्धांत पर आधारित है और विनिर्माण विकास एवं रोज़गार सृजन पर केंद्रित है। **अतः कथन 3 सही है।**
- SEZ अधिनियम के मुख्य उद्देश्य है:
    - अतिरिक्त आर्थिक कार्यकलापों का सृजन।
    - वस्तुओं एवं सेवाओं के निर्यात का संवर्द्धन।
    - घरेलू एवं विदेशी स्रोतों से निवेश का संवर्द्धन।
    - रोज़गार अवसरों का सृजन।
    - अवसंरचना सुविधाओं का विकास।

55. हाल ही में समाचारों में देखा गया 'प्रोजेक्ट मानव' किससे संबंधित है?

a. भारत द्वारा प्रस्तावित पहला मानवयुक्त अंतरिक्ष मिशन।
b. मानव शरीर के प्रत्येक ऊतक के मानचित्रण की परियोजना।
c. आधुनिक मनुष्यों में निएंडरथल DNA के प्रतिशत का आकलन करने का प्रयास।
d. भारतीय मानव अंतरिक्ष यान कार्यक्रम (HSP) द्वारा चालक दल युक्त कक्षीय अंतरिक्ष यान को लॉन्च करने के लिये आवश्यक तकनीक विकसित करना।

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- जैव प्रौद्योगिकी विभाग (DBT) ने **मानव: ह्यूमन एटलस पहल (MANAV: Human Atlas Initiative)** की शुरुआत की है, जो मानव शरीर के प्रत्येक ऊतक की मैपिंग के लिये एक परियोजना है ताकि विभिन्न प्रकार की बीमारियों से जुड़े ऊतकों और कोशिकाओं की गहन जानकारी तथा भूमिकाओं का बेहतर ढंग से पता लगाया जा सके।
- इस परियोजना से निर्मित डेटाबेस शोधकर्त्ताओं को मौजूदा कमियों को सुधारने और भविष्य में रोगों की पहचान एवं निदान से जुड़ी परियोजनाओं में मदद करेगा।
    - यह डेटाबेस, बीमारी के कारणों का पता लगाने में मदद कर सकता है, विशिष्ट मार्गों को समझ सकता है और अंततः ऊतकों एवं कोशिकाओं से जुड़े शरीर के रोग चरणों की व्याख्या कर सकता है।
- इसके मुख्य उद्देश्य निम्नलिखित हैं:
    - बेहतर जैविक अंतर्दृष्टि के लिये शारीरिक और आणविक मानचित्रण।
    - भावी सूचक गणना के माध्यम से रोग मॉडल विकसित करना।
    - समग्र विश्लेषण और दवा विकास की ओर बढ़ना।
- **अतः विकल्प (b) सही है।**

56. उत्तर वैदिक काल में प्रचलित 'उपनयन संस्कार' क्या दर्शाता है?

a. राजा का राज्याभिषेक।
b. पशु बलि।
c. मध्याह्न भोजन से पहले की गई प्रार्थना।
d. व्यक्ति की शिक्षा प्रारंभ होना।

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- उत्तर वैदिक काल में प्रचलित उपनयन संस्कार के बाद व्यक्ति वेदाध्ययन का अधिकारी हो जाता था और उसकी शिक्षा आरंभ होती थी। उपनयन संस्कार को व्यक्ति का दूसरा जन्म समझा जाता था, इसलिये इस संस्कार के बाद बच्चे को द्विज भी कहा जाता था।
    - इस संस्कार के बाद बालक का उत्तरदायित्व बढ़ जाता था। इसी कारण इस संस्कार का बहुत महत्त्व था। बालक को इस बात की अनुभूति कराई जाती थी कि वह अपने परिवार और समुदाय के प्रति अपने कर्त्तव्य को भली- भाँति समझने के लिये ब्रह्मचर्य आश्रम में रहकर अभीष्ट योग्यता प्राप्त करें। इस संस्कार के पश्चात् बालक भिक्षा माँगता था, ताकि उसमें अहमन्यता (अहंकार का भाव) न रहे। **अत: विकल्प (d) सही है।**

57. उत्तर वैदिक काल में प्रयुक्त शब्द 'निष्क और शतमान' क्या दर्शाते हैं?

a. राजा द्वारा एकत्रित कर।
b. प्रधान को दिये जाने वाले स्वैच्छिक उपहार।
c. मुद्रा की इकाइयाँ।
d. शिल्पियों की श्रेणियाँ।

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- वैदिक काल में दो प्रकार की धातु की मुद्राएँ प्रचलित थीं। उनमें से एक को हिरण्यपिंडा के रूप में जाना जाता था और दूसरे को निष्क कहा जाता था जो वास्तव में एक सोने का सिक्का था।
- यह एक विकसित सिक्का प्रणाली को दर्शाता है। निष्क वैदिक काल का ज्ञात सबसे पुराना सिक्का है। इसमें निष्क के अलावा शतमान जैसे विभिन्न सिक्कों का भी उल्लेख मिलता है।
    - कभी-कभी निष्क शब्द का प्रयोग सोने के सिक्कों से बने हारनुमा आभूषण के लिये भी होता था। **अतः विकल्प (c) सही है।**

58. सिंधु घाटी सभ्यता में 'शमन' शब्द का निम्नलिखित में से किसके लिये उपयोग किया जाता है?

a. जादुई और उपचार शक्ति रखने वाले पुरुषों और महिलाओं के लिये।
b. वज़न और माप का मानकीकरण करने वाले व्यक्ति के लिये।
c. नगर नियोजन अधिकारी के लिये।
d. विदेशी व्यापार में संलग्न व्यक्ति के लिये।

उत्तर: (a)

व्याख्या:

'शमन' में वे महिलाएँ और पुरुष शामिल होते हैं जो जादुई तथा इलाज़ करने की शक्ति और साथ ही दूसरी दुनिया के साथ संपर्क साधने के सामर्थ्य का दावा करते हैं। अत: विकल्प (a) सही है।

59. निम्नलिखित में से किस प्राचीन ग्रंथ में महाजनपदों का उल्लेख है?

1. दीघ निकाय
2. भगवती सूत्र
3. अंगुत्तर निकाय

कूट:

a. केवल 1 और 2
b. केवल 2 और 3
c. केवल 1
d. 1, 2 और 3

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- प्रारंभिक बौद्ध और जैन साहित्य महाजनपदों की सूची प्रस्तुत करता है जिनके विभिन्न ग्रंथों के नामों में अंतर भी देखने को मिलता है।
- अंगुत्तर निकाय के अनुसार, 16 निम्नलिखित महाजनपद थे:

- अंग, अश्मक, अवंती, चेदि, गांधार, काशी, कंबोज, कोसल, कुरु, मगध, मल्ल, मत्स्य, पांचाल, शूरसेन, वज्जि और वत्स।

- दीघ निकाय में उपरोक्त सूची में से केवल बारह महाजनपदों का उल्लेख किया गया है। इसमें अश्मक, अवंती, गांधार और कंबोज का उल्लेख नहीं मिलता है।
    - बौद्ध निकायों में भारत के पाँच भागों यानी उत्तरापथ (पश्चिमोत्तर भाग) मध्यदेश (केंद्रीय भाग), प्राची (पूर्वी भाग), दक्षिणापथ (दक्षिणी भाग) और अपरांत (पश्चिमी भाग) का उल्लेख मिलता है। इससे इस बात की पुष्टि होती है कि भारत की भौगोलिक एकता ईसा पूर्व छठी शताब्दी से पहले परिकल्पित की जा चुकी थी।
- जैन ग्रंथ भगवती सूत्र और सूत्रकृतांग तथा महान वैयाकरण पाणिनी की अष्टाध्यायी (ई.पू. छठी शताब्दी), बौधायन धर्मसूत्र (ई.पू. सातवीं शताब्दी) में भी जनपदों की सूचियाँ मिलती हैं।
- **अतः विकल्प (d) सही है।**

60. मध्यकालीन भारत के आर्थिक इतिहास के संदर्भ में शब्द 'अरघट्टा' किसे निरुपित करता?

a. बंधुआ मज़दूर
b. सैन्य अधिकारियों को दिये गए भूमि अनुदान
c. भूमि की सिंचाई के लिये प्रयुक्त जल चक्र (वाटरव्हील)
d. कृषि भूमि में बदली गई बंजर भूमि

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- संस्कृत में अरघट्टा शब्द का उपयोग प्राचीन ग्रंथों में सिंचाई के लिये प्रयुक्त किये जाने वाले एक पहिये अर्थात् जल चक्र (Water Wheel) का वर्णन करने के लिये किया गया है।
- 'अरघट्टा' शब्द 'अर' और घट्ट के संयोजन से बना है जिनका अर्थ क्रमशः छड़ और घड़ा होता है। इसका उपयोग सिंचाई के लिये कुओं से पानी उठाने हेतु किया जाता था। **अतः विकल्प (c) सही है।**

61. मौर्य साम्राज्य के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

   1. इनके पास विशाल सेना के साथ नौसेना भी थी।
   2. राजुकों को धम्म के प्रचार के लिये नियुक्त किया जाता था।
   3. शराब बिक्री में राज्य का एकाधिकार था।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?

a. केवल 1 और 2
b. केवल 1 और 3
c. केवल 2 और 3
d. 1, 2 और 3

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- मौर्य साम्राज्य की सबसे बड़ी विशेषता एक विशाल सेना का रखरखाव था। रोमन लेखक प्लिनी के अनुसार, चंद्रगुप्त की सेना में 600,000 पैदल, 30,000 घुड़सवार और 9000 हाथी थे। इसके अतिरिक्त उनके पास एक नौसेना भी थी।
    - अभिलेखों से पता चलता है कि चंद्रगुप्त मौर्य ने अपने युद्ध कार्यालय के एक भाग के रूप में जहाज़ अधीक्षक की देखरेख में समुद्र, महासागरों, झीलों और नदियों में नौपरिवहन के अधिकार के साथ एक नौसेना विभाग की स्थापना की थी। **अतः कथन 1 सही है।**
- राजुक को साम्राज्य में न्यायिक व्यवस्था बनाए रखने हेतु नियुक्त किया गया था। उन्हें प्रजा को न केवल पुरस्कृत करने बल्कि आवश्यकतानुसार दंड देने का अधिकार भी सौंपा गया था।
    - धम्म के प्रचार के लिये धम्ममहामात्र की नियुक्ति की जाती थी। **अतः कथन 2 सही नहीं है।**
- अर्थशास्त्र के अनुसार, लगभग सभी आर्थिक गतिविधियों पर राज्य का नियंत्रण था।

किसानों से उनकी उपज के चौथाई से लेकर छठवें हिस्से तक कर वसूला जाता था।
   - बिक्री के लिये जो वस्तुएँ नगरों में लाई जाती थीं उन पर प्रवेश द्वार पर ही कर वसूल लिया जाता था।
   - खनन, शराब की बिक्री, हथियारों का निर्माण आदि पर राज्य का एकाधिकार था। **अतः कथन 3 सही है।**

62. निम्नलिखित में से कौन-सा विकल्प 'भेरीघोष' का सही वर्णन करता है?

a. सांस्कृतिक विजय की नीति
b. धार्मिक प्रसार की नीति
c. कराधान नीति
d. युद्ध और हिंसा की नीति

उत्तर: (d)

व्याख्या:

भेरीघोष: यह युद्ध और हिंसा द्वारा राज्य विजय की नीति को संदर्भित करता है। कलिंग युद्ध के बाद बड़े पैमाने पर नरसंहार और रक्तपात से अशोक व्यथित हो गया था।

- युद्ध से ब्राह्मण, पुरोहितों और बौद्ध भिक्षुओं को बहुत हिंसा और अलगाव का सामना करना पड़ा और इससे अशोक को बहुत दुःख तथा पश्चाताप हुआ।
- इसलिये अशोक ने राज्य विजय की नीति छोड़कर सांस्कृतिक विजय की नीति अपनाई अर्थात् भेरीघोष के स्थान पर धम्मघोष को अपनाया।
- अशोक की धम्म नीति का उद्देश्य सामाजिक तनाव और सांप्रदायिक संघर्षों को समाप्त कर विशाल साम्राज्य के विविध तत्त्वों के मध्य सौहार्दपूर्ण संबंध को बढ़ावा देना था।
- अशोक का धम्म न तो एक नया धर्म था और न ही एक नया राजनीतिक दर्शन अपितु यह जीवन जीने का एक तरीका था। यह आचार संहिता और सिद्धांतों का एक समूह है जिसे बड़े पैमाने पर लोगों द्वारा अपनाया गया। **अतः विकल्प (d) सही है।**

63. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. शुंग शासकों द्वारा पहली बार सोने के सिक्के जारी किये गए थे।
2. सुदर्शन झील का निर्माण रुद्रदामन प्रथम ने करवाया था।
3. मध्य एशियाई लोगों के प्रभाव से भारत में युद्ध में टोपी और शिरस्त्राण (हेलमेट) का प्रयोग किया जाने लगा था।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1 और 2
b. केवल 2 और 3
c. केवल 3
d. केवल 1 और 3

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- भारत में सबसे पहले हिंद-यूनानी शासकों द्वारा सोने के सिक्के जारी किये गए थे, पर इनकी संख्या कुषाणों के शासन काल में बढ़ी। **अतः कथन 1 सही नहीं है।**
- जूनागढ़ अभिलेख के अनुसार, सुदर्शन झील एक कृत्रिम जलाशय था, जिसे बाढ़ नियंत्रण हेतु मौर्य साम्राज्य के प्रांतीय गवर्नर द्वारा बनवाया गया था।
   - रुद्रदामन-I शक शासक था, जिसने 130-150 ईस्वी तक शासन किया। उसका साम्राज्य सिंध से लेकर नर्मदा घाटी तक फैला हुआ था। वह काठियावाड़ के अर्द्ध-शुष्क क्षेत्र में अवस्थित सुदर्शन झील के जीर्णोद्धार के लिये प्रसिद्ध है। **अतः कथन 2 सही नहीं है।**
- शक और कुषाणों ने बेहतर घुड़सवार सेना और बड़े पैमाने पर घोड़ों के उपयोग की शुरुआत की उन्होंने लगाम और काठी के प्रयोग को लोकप्रिय बनाया।
   - शक और कुषाणों ने पगड़ी, अंगरखा, पतलून और भारी लंबे कोट का प्रचलन शुरू किया।
   - मध्य एशियाई लोगों द्वारा युद्ध में टोपी, शिरस्त्राण और जूतों का उपयोग किया जाता था। इन्ही श्रेष्ठताओं के कारण उन्होंने ईरान,

अफगानिस्तान और भारतीय महाद्वीप में अपने विरोधियों को पराजित किया। **अतः कथन 3 सही है।**

64. अमरावती शैली के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
   1. यह ग्रीक और रोमन स्थापत्य कला से प्रभावित है।
   2. इसमें मूर्तियाँ मुख्य रूप से आख्यानात्मक विषयों पर केंद्रित हैं।
   3. सफेद संगमरमर का उपयोग इस शैली की प्रमुख विशेषता थी।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1 और 2
b. केवल 2
c. केवल 2 और 3
d. 1, 2 और 3

उत्तर: (c)

व्याख्या:

अमरावती शैली दक्षिण-पूर्वी भारत के आंध्र प्रदेश की कृष्णा नदी घाटी में सातवाहन वंश के शासन के काल में दूसरी शताब्दी ईसा पूर्व से तीसरी शताब्दी ईस्वी के दौरान विकसित हुई। अमरावती और नागार्जुनकोंडा इस शैली के प्रमुख केंद्र थे।

- यह शैली स्वदेशी रूप से विकसित हुई थी और इस पर बाह्य संस्कृतियों का कोई प्रभाव नहीं था। **अतः कथन 1 सही नहीं है।**
- यह मूर्तियाँ आमतौर पर कथात्मक अथवा आख्यानात्मक कला का हिस्सा हैं जिसमें बुद्ध की व्यक्तिगत विशेषताओं पर कम ज़ोर दिया गया है। इस मूर्तिकला में प्रायः बुद्ध के जीवन की घटनाओं और जातक कथाओं के प्रसंगों का वर्णन प्रदर्शित होता है। **अतः कथन 2 सही है।**
- अमरावती शैली में मुख्य रूप से एक विशिष्ट सफेद संगमरमर का उपयोग किया गया, जो कि मथुरा या गांधार शैली में देखने को नहीं मिलता। **अतः कथन 3 सही है।**

65. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिये

बुद्ध से संबंधित मुद्राएँ	प्रतीक
1. भूमिस्पर्श मुद्रा 2. अभय मुद्रा 3. वज्र मुद्रा 4. अंजलि मुद्रा	पृथ्वी को सत्य का साक्षी बताना निर्भय और शक्ति करुणा शिक्षण और परिचर्या

उपर्युक्त युग्मों में से कौन-से सही सुमेलित हैं?

a. केवल 1 और 2
b. केवल 2 और 3
c. केवल 1, 2 और 3
d. केवल 1, 2 और 4

उत्तर: (a)

व्याख्या:

बुद्ध से संबंधित विभिन्न मुद्राएँ

- **भूमिस्पर्श मुद्रा:** इसमें बुद्ध को ध्यान में बैठे हुए दिखाया गया है जिसमें बाएँ हाथ की हथेली उनकी गोद में है और और दाहिने हाथ को पृथ्वी को स्पर्श करते हुए दिखाया गया है।
  - यह मुद्रा दर्शाती है कि यह पृथ्वी सत्य और उनको ज्ञानप्राप्ति की साक्षी है। यह बुद्ध के आत्मज्ञान की प्राप्ति की द्योतक है। **अतः युग्म 1 सुमेलित है।**
- **ध्यान मुद्रा:** यह ध्यान को इंगित करता है और इसे 'समाधि' या 'योग' मुद्रा भी कहा जाता है।
  - यह आध्यात्मिक पूर्णता की प्राप्ति की द्योतक है।
- **अभय मुद्रा:** यह शक्ति और आंतरिक सुरक्षा का प्रतीक है। यह एक प्रतीक है जो दूसरों में भी निडरता की भावना पैदा करता है। **अतः युग्म 2 सुमेलित है।**
- **धर्मचक्र मुद्रा:** इसका अर्थ है धर्म या कानून के चक्र का प्रवर्तन अर्थात् धर्म के चक्र को गति देना। यह आत्मज्ञान प्राप्त करने के बाद

सारनाथ में बुद्ध के पहले उपदेश को प्रदर्शित करता है।

- **वितर्क मुद्रा:** यह शिक्षण और चर्चा अथवा बौद्धिक वाद-विवाद को इंगित करता है।
- **अंजलि मुद्रा:** यह अभिवादन, भक्ति, आराधना और समर्पण का प्रतीक है। यह भारत में लोगों को नमस्कार करने के लिये (नमस्ते) प्रयुक्त एक सामान्य प्रतीक है। यह श्रेष्ठता के सम्मान का प्रतीक है और सम्मान के साथ गहरे संबंधों को दर्शाता है। **अतः युग्म 4 सुमेलित नहीं है।**
- **उत्तरबोधि मुद्रा:** इसका अर्थ है- सर्वोच्च ज्ञान। इस मुद्रा को ऊर्जा प्राप्त करने के लिये जाना जाता है। यह पूर्णता का प्रतीक है।
- **वरद मुद्रा:** यह दान, करुणा या इच्छापूर्ति को इंगित करता है।
    - यह पाँचों उँगलियों के माध्यम से उदारता, नैतिकता, धैर्य, प्रयास और एकाग्रता जैसी पाँच सिद्धियों को दर्शाता है।
- **करण मुद्रा:** यह बुराई को दूर करने का संकेत देता है। इस मुद्रा द्वारा बनाई गई ऊर्जा बीमारी या नकारात्मक विचारों जैसी बाधाओं को दूर करने में मदद करती है।
- **वज्र मुद्रा:** यह मुद्रा ज्ञान या सर्वोच्च ज्ञान के महत्व को दर्शाती है। इस मुद्रा में तर्जनी अंगुली ज्ञान का प्रतीक है और दाहिने हाथ की मुट्ठी उसकी रक्षा करती है।
    - कोरिया और जापान में यह मुद्रा प्रसिद्ध है।
    - इस मुद्रा में बाएं हाथ की उभरी हुई तर्जनी दाहिने हाथ की मुट्ठी में होती है। **अतः युग्म 3 सही सुमेलित नहीं है।**

66. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. अजंता की गुफाएँ केवल बौद्ध धर्म के महायान पंथ से संबंधित हैं।
2. एलोरा की गुफाओं के विषय हिंदू, बौद्ध और जैन धर्म तीनों से संबंधित हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- वाकाटक राजाओं जिनमें हरिसेन एक प्रमुख था, के संरक्षण में अजंता की गुफाएँ उत्कीर्ण करवाई गई थीं। इन गुफाओं में चित्रकारी हेतु फ्रेस्को पद्धति का उपयोग किया गया है तथा इनमें प्रकृतिवाद और स्वाभाविकता के तत्त्व देखने को मिलते हैं।
- इन चित्रों में सामान्यतः बुद्ध और उनकी जातक कथाओं को प्रदर्शित किया गया है। 29 गुफाओं में से 5 गुफाओं का संबंध हीनयान से है जबकि शेष 24 गुफाएँ बौद्ध धर्म के महायान पंथ से संबंधित हैं। **अतः कथन 1 सही नहीं है।**
- एलोरा की गुफाएँ महाराष्ट्र की सह्याद्रि श्रेणी में स्थित हैं। यहाँ 34 गुफाओं का एक समूह है- जिनमें 17 ब्राह्मण, 12 बौद्ध और 5 जैन धर्म से संबंधित हैं। गुफाओं का यह समूह 5वीं से 11वीं शताब्दी के बीच विकसित किया गया था। **अतः कथन 2 सही है।**
    - एलोरा की गुफाओं को विदर्भ, कर्नाटक और तमिलनाडु के विभिन्न श्रेणी संगठनों द्वारा निर्मित करवाया गया था। विषय और स्थापत्य शैली के संदर्भ में ये गुफाएँ प्राकृतिक विविधता को दर्शाती हैं।

गुफा:

- 1-12 तक बौद्ध गुफाएँ
- 13–29 तक हिंदू गुफाएँ
- 30-34 तक जैन गुफाएँ (दिगंबर संप्रदाय)

67.निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिये:

साहित्य	विषय
1. पंचसिद्धांतिका	खगोलीय सिद्धांत
2. मिलिंदपन्हो	बौद्ध सिद्धांत

3. सुश्रुत संहिता	संस्कृत व्याकरण
4. महाभाष्य	शल्य चिकित्सा का विश्वकोश

उपर्युक्त युग्मों में से कौन-सा/से सही सुमेलित *नहीं* है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 3 और 4
c. केवल 2 और 4
d. केवल 1, 2 और 3

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- मिलिंदपन्हो पाली भाषा में रचित एक महत्त्वपूर्ण कृति है। इसमें बौद्ध मत के सिद्धांतों की व्याख्या मिलिंद (जिसकी पहचान आमतौर पर भारतीय-यूनानी राजा मीनांडर के रूप में की जाती है) और उसके गुरु तथा महान बौद्ध दार्शनिक नागसेन के बीच वार्तालाप के रूप में की गई है। **अतः युग्म 2 सही सुमेलित है।**
- पंच सिद्धांतिका वराहमिहिर द्वारा गणितीय खगोल विज्ञान पर रचित पुस्तक है जिसमें पाँच खगोलीय सिद्धांतों का वर्णन है। **अतः युग्म 1 सही सुमेलित है।**
- संस्कृत व्याकरण की असाधारण कृति महाभाष्य की रचना पतंजलि द्वारा दूसरी शताब्दी ईसा पूर्व में की गई थी। यह पाणिनी की अष्टाध्यायी पर टीका है। **अतः युग्म 4 सही सुमेलित नहीं है।**
    - पतंजलि के बाद संस्कृत व्याकरण की शिक्षा का केंद्र दक्कन में चला गया, जहाँ प्रथम शताब्दी ई. में कातंत्र शाखा (Katantra school) का विकास व विस्तार हुआ।
    - सातवाहन राजा हाल के दरबार के सुप्रतिष्ठित विद्वान सर्ववर्मन ने कातंत्र के व्याकरण की रचना की थी। यह कृति संक्षिप्त और सारगर्भित थी।
    - हाल ने प्राकृत भाषा में एक महान काव्य गाथासप्तसती की रचना की थी।
- आयुर्वेद का मूल अथर्ववेद में है। सुश्रुत संहिता शल्यचिकित्सा का एक विश्वकोश है, जिसका संकलन महान शल्य चिकित्सक सुश्रुत द्वारा किया गया है। **अतः युग्म 3 सही नहीं सुमेलित है।**
    - तक्षशिला में आत्रेय के शिष्यों द्वारा उनकी शिक्षाओं को एकत्र किया गया तथा इनका संकलन चरक ने चरक संहिता के रूप में किया। चरक और सुश्रुत कुषाण शासक कनिष्क के समकालीन थे। **अतः विकल्प (b) सही है।**

68. गुप्त काल के दौरान 'संधिविग्रहिक' शब्द का प्रयोग निम्नलिखित में से किसके लिये किया जाता था?

a. व्यापारियों और साहूकारों के श्रेणी प्रमुख के लिये।
b. गाँव के प्रधान और बुजुर्गों से निर्मित परिषद के लिये।
c. शांति और युद्ध जैसे बाह्य मामलों के मंत्री हेतु।
d. सेना में रथ योद्धाओं और घुड़सवारों हेतु।

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- प्रयागराज स्तम्भ प्रशस्ति में 'महादंडनायक' 'कुमारामात्य और 'संधिविग्रहिक' नामक अधिकारियों का उल्लेख मिलता है।
- गुप्तों द्वारा अधिकारियों के दो नए वर्गों की शुरुआत की गई।
    - **संधिविग्रह** - शांति और युद्ध का मंत्री अर्थात् आधुनिक विदेश मंत्री। **अतः विकल्प (c) सही है।**
    - **कुमारामात्य** - यह उच्च पदस्थ अधिकारियों का समूह था जिसका संबंध न केवल राजा से बल्कि युवराज से भी था तथा जिसे कई बार ज़िलों का प्रभारी बना दिया जाता था।

69. निम्नलिखित कारकों में से किसने मौर्य साम्राज्य के पतन में योगदान दिया?

1. वित्तीय संकट
2. दमनकारी शासन
3. पश्चिमोत्तर सीमांत क्षेत्र की उपेक्षा
4. ब्राह्मणवादी प्रतिक्रिया

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

a. केवल 1 और 3
b. केवल 1, 2 और 3
c. केवल 1, 3 और 4
d. 1, 2, 3 और 4

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- सेना और अधिकारियों पर होने वाले भारी खर्च के बोझ से मौर्य साम्राज्य में वित्तीय संकट पैदा हो गया था।
    - प्रजा पर सभी तरह के कर लगाए जाने के बावजूद विशाल प्रशासनिक ढाँचे को बनाए रखना मुश्किल हो गया था।
    - अशोक ने बौद्ध भिक्षुओं को अत्यधिक दान दिया, जिससे शाही खजाना खाली हो गया। अंतिम अवस्था में अपने खर्चों को पूरा करने के लिये उन्हें सोने की बनी देव प्रतिमाएँ भी पिघलानी पड़ीं। **अतः कथन 1 सही है।**
- साम्राज्य के पतन का एक अन्य महत्त्वपूर्ण कारण प्रांतों में दमनकारी शासन था। बिंदुसार के शासनकाल में तक्षशिला के नागरिकों ने दुष्ट अधिकारियों के कुशासन के विरुद्ध शिकायत की थी।
    - कलिंग के अभिलेखों से जानकारी मिलती है कि प्रांतों में हो रहे अत्याचारों से अशोक चिंतित था और इसलिये उसने महामात्यों को आदेश दिया कि समुचित कारण के बिना नागरिकों को न सताया जाए।
    - इस उद्देश्य के लिये अशोक ने प्रांतों में अधिकारियों के स्थानांतरण की शुरुआत की। उसने स्वयं 256 रातें धम्म यात्रा पर बिताईं ताकि इस क्रम में प्रशासनिक निरीक्षण भी किया जा सके। **अतः कथन 2 सही है।**
- अशोक देश और विदेशों में मुख्यतः धम्म प्रचार के काम में व्यस्त रहा, जिससे वह उत्तर-पश्चिमी सीमा मार्ग की सुरक्षा पर पर्याप्त ध्यान नहीं दे सका।
    - ईसा पूर्व तीसरी सदी में मध्य एशिया में जनजातियों की गतिविधियों को देखते हुए सीमाओं की सुरक्षा पर ध्यान देना आवश्यकता बन गई थी। शक अपना विस्तार भारत की तरफ कर रहे थे, अतः वे चीन और भारत जैसे स्थायी साम्राज्यों के लिये चुनौती के रूप में उभर रहे थे।
    - चीन के राजा शीह हुआंग ती **(Shih Huang Ti)** (247-210 ई.पू.) ने शकों के विस्तार से साम्राज्य की सुरक्षा के लिये लगभग 220 ई.पू. में चीन की महान दीवार का निर्माण किया।
    - अशोक द्वारा ऐसे कोई उपाय नहीं किये गए थे। पुष्यमित्र शुंग ने मौर्य साम्राज्य को 185 ई.पू. में निर्णायक रूप से नष्ट कर दिया। **अतः कथन 3 सही है।**
- अशोक की नीति के परिणामस्वरूप ब्राह्मणवादी प्रतिक्रिया शुरू हुई। हालाँकि अशोक सहिष्णुता की नीति का पक्षधर था और उसने लोगों से ब्राह्मणों का सम्मान करने को कहा। परंतु उसने पशु-पक्षियों की हत्या पर रोक लगा दी और महिलाओं में प्रचलित कर्मकांडीय अनुष्ठानों को समाप्त कर दिया। इससे ब्राह्मणों की आय प्रभावित हुई।
    - बौद्ध धर्म और अशोक के यज्ञविरोधी रुख से ब्राह्मणों को बहुत नुकसान हुआ क्योंकि विभिन्न प्रकार के यज्ञों से मिलने वाली दान-दक्षिणा से ही उनका जीवनयापन होता था।

- अतः अशोक की सहिष्णु नीति के बावजूद ब्राह्मणों में उसके प्रति विद्वेष की भावना विकसित हुई।
- कुछ नए राज्यों के शासक (उदाहरण के लिये शुंग और कण्व), जिनका उदय मौर्य साम्राज्य की समाप्ति के समय हो रहा था, ब्राह्मण थे। **अतः कथन 4 सही है।**

70. यह मंदिर ठोस चट्टानों को आंतरिक और बाह्य रूप से काटकर बनाया गया है, इस उत्कृष्ट मंदिर का निर्माण और एकाश्मक चट्टान किया गया है। यह चट्टान को काटकर बनाए गए दुनिया के सबसे बड़े मंदिरों में से एक है। यह मंदिर भगवान शिव को समर्पित है और इसका निर्माण राष्ट्रकूट राजाओं द्वारा किया गया था।

उपर्युक्त अनुच्छेद में वर्णित मंदिर की पहचान कीजिये?

a. महाबलीपुरम तटीय मंदिर
b. पंच रथ मंदिर
c. कैलाश मंदिर
d. कंदरिया महादेव का मंदिर

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- कैलाश मंदिर का निर्माण राष्ट्रकूट राजा दंतिदुर्ग (735-757 ई.) के शासनकाल के दौरान शुरू हुआ। कुशल कारीगरों के एक समूह ने एलापुरा में एक पहाड़ी की बेसाल्ट चट्टान को ऊर्ध्वाधर काटकर भव्य नक्काशी की। औरंगाबाद के पास अवस्थित इस स्थान को वर्तमान में एलोरा के नाम से जाना जाता है।
- गुफा मंदिरों के निर्माण के लिये चट्टान के अंदर नक्काशी करने वाले बौद्धों के विपरीत इस समूह ने आंतरिक और बाहरी रूप से चट्टान को काटकर इस एकाश्मक मंदिर का निर्माण किया।
- यह कैलाश मंदिर है और चट्टानों को काटकर निर्मित दुनिया के सबसे बड़े मंदिरों में से एक है। मंदिर का प्रमुख कार्य राजा दंतिदुर्ग के उत्तराधिकारी, कृष्ण प्रथम (757-773 ईस्वी) द्वारा किया गया था, हालाँकि एक सदी से अधिक समय तक इस मंदिर का कार्य कई राजाओं द्वारा किया गया। **अतः विकल्प (c) सही है।**
- पंच रथों को पांडव रथों के रूप में भी जाना जाता है जो बंगाल की खाड़ी के कोरोमंडल तट पर स्थित महाबलीपुरम के नौ एकाश्मक मंदिरों में सबसे उत्कृष्ट मंदिर हैं। इन पाँच एकाश्मक मंदिरों का निर्माण 7वीं शताब्दी की शुरुआत में पल्लवों द्वारा किया गया।
- तटीय मंदिर तमिलनाडु के कोरोमंडल तट पर मामल्लपुरम (महाबलीपुरम) में कई हिंदू स्मारकों में से एक है। इसे मध्यकालीन दक्षिण भारतीय मंदिर वास्तुकला का सबसे अच्छा प्रारंभिक उदाहरण माना जाता है।
  - यह संभवत: नरसिंहवर्मन द्वितीय के शासनकाल में बनाया गया था, जिसे राजसिम्हा (पल्लव शासक) के रूप में भी जाना जाता है, जिसने 700 से 728 ई.पू. तक शासन किया था।
  - इस स्थान पर अन्य स्थापत्य संरचनाओं के विपरीत यह गुफाओं के बाहर नक्काशी के बजाय कटे हुए पत्थरों से निर्मित है।
- कंदरिया महादेव का मंदिर लगभग 6,500 वर्ग फीट के क्षेत्र में स्थित है और भूमि के स्तर से 117 फीट ऊपर है। मध्य प्रदेश के खजुराहो में स्थित मध्ययुगीन मंदिर समूह सबसे बड़ा और अलंकृत हिंदू मंदिर है जिसका अर्थ 'गुफा का महान देवता' (The Great God of the Cave) है। इसे भारत में मध्यकाल के संरक्षित मंदिरों के सबसे अच्छे उदाहरणों में से एक माना जाता है।
  - यह खजुराहो परिसर में मंदिरों के पश्चिमी समूह का सबसे बड़ा समूह है जो चंदेल शासकों द्वारा बनाया गया था। गर्भ गृह में शिव प्रमुख देवता के रूप में स्थापित हैं।

71. गुप्तकालीन प्रशासन के संदर्भ में निम्नलिखित को उनकी वरीयता के अवरोही क्रम में व्यवस्थित कीजिये:

1. भुक्ति
2. वीथि
3. अधिष्ठान
4. विषय

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

a. 4-3-2-1
b. 1-4-3-2
c. 3-4-1-2
d. 2-3-1-4

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- गुप्त काल से लेकर हर्ष काल तक साम्राज्य (राज्य) को प्रशासनिक सुविधा के लिये कई प्रांतों में विभाजित किया जाता था- उत्तर में भुक्ति और दक्षिण में मंडल अथवा मंडलम। प्रांतों का उप-विभाजन उत्तर में विषय या भोग और दक्षिण में कोट्टम या वलनाडु विभागों में किया गया था। प्रशासन की अन्य इकाइयाँ अवरोही क्रम में ज़िलों के रूप में इस प्रकार थी: उत्तर में अधिष्ठान या पट्टम और दक्षिण में नाडु ; ग्रामों का समूह अर्थात् आधुनिक तहसील, जिन्हें उत्तर में वीथि और दक्षिण में पट्टल और कुर्रम कहा जाता था। गाँव, प्रशासन की मूलभूत इकाई था। **अतः विकल्प (b) सही है।**

72. निम्नलिखित में से कौन-सा/से साहित्य कालिदास द्वारा रचित है/हैं?

1. रघुवंशम्
2. मृच्छकटिकम्
3. मेघदूत
4. कादम्बरी

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

a. केवल 1 और 4
b. केवल 1 और 3
c. केवल 4
d. केवल 1, 2 और 3

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- कालिदास ने काव्य, नाटक सहित गद्य के क्षेत्र में भी श्रेष्ठ रचनाएँ कीं।
    - कालिदास रचित नाटक: अभिज्ञानशाकुन्तलम्, विक्रमोवशीर्यम् और मालविकाग्निमित्रम्।
    - कालिदास रचित महाकाव्य: **रघुवंशम्** और कुमारसंभवम्
    - कालिदास रचित खंडकाव्य: **मेघदूतम्** और ऋतुसंहार
- कालिदास उज्जैन के राजा विक्रमादित्य (चंद्रगुप्त द्वितीय) के दरबार में थे।
    - इस काल से संबंधित कुछ अभिलेखों में भी संस्कृत काव्य की अधिकांश विशेषताएँ विद्यमान हैं। हरिषेण द्वारा रचित प्रयागराज प्रशस्ति, वत्सभट्टी द्वारा रचित मंदसौर का अभिलेख, जूनागढ़ अभिलेख, महरौली स्तंभ अभिलेख, रविकृति रचित ऐहोल अभिलेख आदि इसके उत्कृष्ट उदाहरण हैं।
- नाटककार शूद्रक द्वारा रचित मृच्छकटिकम् (अर्थात् मिट्टी की गाड़ी) दस अंकों का एक संस्कृत नाटक है। इसका नायक ब्राह्मण चारुदत्त नामक व्यापारी है और नायिका बसंतसेना नामक गणिका है।
- बाणभट्ट द्वारा 7वीं शताब्दी ईस्वी के पूर्वार्द्ध में रचित कादम्बरी संस्कृत भाषा की एक प्रेमपरक कथा है। इस रचना को बाणभट्ट के पुत्र भूषणभट्ट ने पूरा किया था। **अतः विकल्प (b) सही है।**

73. खसरा (Measles) के संबंध में निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

1. यह जीवाणु जनित एक संक्रामक बीमारी है।
2. इसे MMR वैक्सीन की सहायता से रोका जा सकता है।
3. इसे सार्वभौमिक प्रतिरक्षण कार्यक्रम (UIP) में शामिल नहीं किया गया है।

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

a. केवल 1 और 2
b. केवल 2
c. केवल 2 और 3
d. 1, 2 और 3

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- खसरे का विषाणु मोर्बिलीवायरस (Morbillivirus) वर्ग का राइबोन्यूक्लिक एसिड विषाणु है। यह अत्यधिक संक्रामक है और प्राय: 90% से अधिक मामलों में असुरक्षित संपर्क में आने पर व्यक्ति में विषाणु को प्रसारित करता है। **अतः कथन 1 सही नहीं है।**
    - वायरस श्वसन प्रणाली को संक्रमित करता है, फिर पूरे शरीर में फैल जाता है। खसरा एक मानव रोग है तथा यह जानवरों में नहीं फैलता है।
- खसरे को दो-खुराक वाले टीके के माध्यम से पूरी तरह से रोका जा सकता है और उन्नत स्वास्थ्य प्रणाली वाले कई देशों में आधिकारिक तौर पर इसका उन्मूलन कर दिया गया है। इसे MMR वैक्सीन से रोका जा सकता है। यह टीका तीन बीमारियों से रक्षा करता है: खसरा (Measles), गलसुआ (Mumps) तथा रूबेला (rubella)। **अत: कथन 2 सही है।**
- भारत सरकार टीका-निरोधक रोगों के लिये नि:शुल्क टीकाकरण अभियान चला रही है जिसमें डिप्थीरिया (Diphtheria), काली-खाँसी (Pertussis), टिटेनस (Tetanus), पोलियो (Polio), खसरा (Measles), तपेदिक का गंभीर रूप (Tuberculosis), हेपेटाइटिस बी (Hepatitis B), मेनिन्जाइटिस (Meningitis) एवं निमोनिया (हीमोफिलस इन्फ्लुएंज़ा-बी संक्रमण), जापानी इंसेफेलाइटिस (Japanese Encephalitis) शामिल हैं। **अतः कथन 3 सही नहीं है।**

74. राष्ट्रीय भौतिक प्रयोगशाला (NPL) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. NPL भारत का एक राष्ट्रीय मापिकी संस्थान है।
2. NPL उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के अधीन कार्यरत एक निकाय है।
3. किलोग्राम इकाई की परिभाषा प्लैंक स्थिरांक पर आधारित है।

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

a. केवल 1 और 3
b. केवल 2
c. केवल 2 और 3
d. 1, 2 और 3

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- राष्ट्रीय भौतिक प्रयोगशाला (NPL), भारत का एक राष्ट्रीय मापिकी संस्थान है। हाल ही में NPL द्वारा किलोग्राम की परिभाषा को अद्यतन करने के लिये सिफारिश की गई है। **अतः कथन 1 सही है।**
- राष्ट्रीय भौतिक प्रयोगशाला की अवधारणा वर्ष 1943 में वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद के शासी निकाय द्वारा इस दृष्टिकोण से अपनाई गई थी कि औद्योगिक वृद्धि एवं विकास में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी को एक साधन के रूप में उपयोग करने का मार्ग प्रशस्त किया जा सके।
    - यह वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (CSIR) के तहत स्थापित राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं में से एक है।
    - भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू द्वारा 4 जनवरी, 1947 को प्रयोगशाला की आधारशिला रखी गई थी। **अतः कथन 2 सही नहीं है।**
- वर्ष 2018 में वर्साय (फ्राँस) में वजन और माप पर जनरल कॉन्फ्रेंस (CGPM) में, अंतर्राष्ट्रीय वज़न एवं माप ब्यूरो (BIPM) के प्रतिनिधियों ने किलोग्राम को प्लैंक स्थिरांक के संदर्भ में फिर से परिभाषित करने के लिये मतदान किया।
    - इससे पहले किलोग्राम को फ्राँस में अंतर्राष्ट्रीय वज़न एवं माप ब्यूरो में रखे प्लैटिनम-इरिडियम मिश्र धातु के एक बेलन से निर्धारित किया जाता था। **अतः कथन 3 सही है।**

75. 'निकोटीन' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यह एक शामक प्रकृति का वानस्पतिक एल्केलॉइड है।
2. इसमें कैंसरकारी तत्त्व पाए जाते हैं।
3. महाराष्ट्र ने निकोटीन को वर्ग- A (Class-A) विष के रूप में अधिसूचित किया है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?

a. केवल 1 और 2
b. केवल 1 और 3
c. केवल 2 और 3
d. 1, 2 और 3

उत्तर: (a)

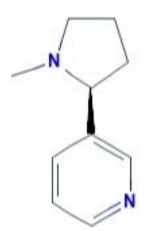

व्याख्या:

- निकोटीन एक वानस्पतिक एल्केलॉइड (Alkaloid) है जिसमें नाइट्रोजन पाया जाता है। यह तंबाकू के पौधे सहित कई अन्य प्रकार के पौधों में भी पाया जाता है, इसके अलावा इसे कृत्रिम रूप से भी उत्पादित किया जा सकता है।
    - निकोटीन में शामक (Sedative) एवं उत्तेजक दोनों गुण पाए जाते हैं। **अतः कथन 1 सही है।**
- हाल के अध्ययनों से पता चलता है कि निकोटीन में कैंसर पैदा करने वाले कारक पाए जाते हैं:
    - निकोटीन की कम मात्रा कोशिका वृद्धि को बढ़ाती है और अधिक मात्रा कोशिकाओं के लिये ज़हरीली होती है।
    - निकोटीन शरीर में एक प्रक्रिया को शुरू करता है जिसे उपकला-मेसेनकाइमल संक्रमण **(Epithelial-Mesenchymal Transition-EMT)** कहा जाता है। EMT हानिकारक कोशिका वृद्धि के महत्त्वपूर्ण चरणों में से एक है।
    - निकोटीन ट्यूमर निरोधी CHK2 को कम करता है जिससे कैंसर के विरुद्ध शरीर की प्राकृतिक प्रतिरक्षा कम हो जाती है।
    - निकोटीन नई कोशिकाओं के विकास को असामान्य रूप से गति दे सकता है। ऐसा स्तन, बृहदान्त्र और फेफड़ों की ट्यूमर कोशिकाओं में देखा गया है।
    - निकोटीन कैंसर के उपचार की प्रभावशीलता को कम कर सकता है। **अतः कथन 2 सही है।**
- हाल ही में कर्नाटक ने निकोटीन को वर्ग- A (Class-A) विष के रूप में अधिसूचित करके विष (आधिपत्य एवं बिक्री) नियम 2015 में संशोधन किया है।
    - इसका उद्देश्य इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट के उत्पादन और बिक्री पर प्रतिबंध को लागू करना है। **अतः कथन 3 सही नहीं है।**

76. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिये:

ज्वालामुखी विस्फोट	देश
1. व्हाइट आइलैंड	ऑस्ट्रेलिया
2. ताल	फिलीपींस
3. माउंट सिनाबंग	इंडोनेशिया
4. माउंट एटना	इटली

उपर्युक्त युग्मों में से कौन-सा/से सही सुमेलित है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 1 और 2
c. केवल 2 और 4
d. केवल 2, 3 और 4

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- व्हाइट आइलैंड न्यूज़ीलैंड का सबसे सक्रिय शंकु ज्वालामुखी द्वीप है तथा यह निरंतर ज्वालामुखी क्रियाओं द्वारा निर्मित हुआ है।

- ज्वालामुखी का लगभग 70% हिस्सा समुद्र के नीचे स्थित है और यह द्वीप ज्वालामुखी के शीर्ष भाग पर स्थित है।
- फिलीपींस की राजधानी मनीला से 50 किमी. दूर स्थित लूज़ोन (Luzon) द्वीप पर 12 जनवरी, 2020 को ताल ज्वालामुखी में उद्गार हुआ।
    - फिलीपींस इंस्टीट्यूट ऑफ वोल्कैनोलॉजी एंड सीस्मोलॉजी (PHIVOLCS) द्वारा ताल ज्वालामुखी को एक जटिल ज्वालामुखी (Complex Volcano) के रूप में वर्गीकृत किया गया है।
        - एक जटिल ज्वालामुखी (जिसे एक मिश्रित ज्वालामुखी भी कहा जाता है) में एक मुख्य उद्गार केंद्र के साथ-साथ कई अन्य उद्गार केंद्र होते हैं।
    - फिलीपींस दो विवर्तनिक प्लेटों (फिलीपींस समुद्री प्लेट और यूरेशियन प्लेट) की सीमा पर स्थित होने के कारण भूकंप तथा ज्वालामुखी के प्रति अत्यंत सुभेद्य है।
- 2,460 मीटर ऊँचा माउंट सिनाबंग इंडोनेशिया के सबसे सक्रिय ज्वालामुखियों में से है, लेकिन वर्ष 2010 के विस्फोट से पहले चार शताब्दियों तक यह सुषुप्तावस्था में था।
    - इंडोनेशिया में लगभग 130 सक्रिय ज्वालामुखी हैं, जो किसी भी अन्य देश की तुलना में अधिक हैं। विशेष रूप से 'रिंग ऑफ फायर' पर स्थित होने के कारण यह भूकंपीय गतिविधियों के प्रति अत्यंत संवेदनशील है।
- माउंट एटना विश्व का सबसे ऊँचा भूमध्यसागरीय द्वीप और सर्वाधिक सक्रिय ज्वालामुखी है। यह लगभग 3,326 मीटर ऊँचा है और इटली का सबसे ऊँचा पर्वत है।

अतः विकल्प (d) सही है।

77. भारत की यात्रा करने वाले चीनी यात्री ह्वेनसांग ने तत्कालीन भारत की सामान्य दशाओं और संस्कृति का वर्णन किया है। इस संदर्भ में निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?
    1. सड़क और नदी-मार्ग लूटमार से पूरी तरह सुरक्षित थे।
    2. अपराधों के लिये दंड के मामले में अग्नि, जल और विष द्वारा सत्य परीक्षा किया जाना ही किसी व्यक्ति की निर्दोषता अथवा दोष के निर्णय के साधन थे।
    3. व्यापारियों को नौघाटों और नावों पर शुल्क देना पड़ता था।

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

a. केवल 1
b. केवल 2 और 3
c. केवल 1 और 3
d. 1, 2 और 3

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- ह्वेनसांग एक चीनी बौद्ध भिक्षु, विद्वान, यात्री और अनुवादक था जो हर्ष के शासनकाल के दौरान भारत आया था।
- उसका उद्देश्य प्रामाणिक बौद्ध धर्मग्रंथों को सुरक्षित करना और बौद्धों के हितों से संबंधित स्थानों का भ्रमण करना था। ह्वेनत्सांग ने कश्मीर, पंजाब, कपिलवस्तु, बोधगया, सारनाथ और कुशीनगर का दौरा किया। उसने नालंदा विश्वविद्यालय में अध्ययन भी किया।

ह्वेनत्सांग के अवलोकन

- राज्य अच्छी तरह से शासित थे और विद्रोह से मुक्त थे।
- अपराधियों को शारीरिक दंड दिया जाता था और उन्हें प्रताड़ित किया जाता था। राजद्रोहियों को मौत की सज़ा दी जाती थी या उन्हें राज्य से बाहर कर दिया जाता था।
- अभियुक्त के निर्दोष होने या उसके अपराध को निर्धारित करने के लिये जल, अग्नि और

विष का प्रयोग किया जाता था। **अतः कथन 2 सही है।**

- प्रयाग एक महत्त्वपूर्ण शहर था, जबकि पाटलिपुत्र के महत्त्व को कन्नौज द्वारा स्थानांतरित कर दिया गया था।
- नालंदा और वल्लभी बौद्ध शिक्षा के केंद्र थे।
- राज्य की आय का मुख्य स्रोत भूमि राजस्व था, जो कि उपज का 1/6वाँ हिस्सा था।
- हर्ष ने आय को 4 भागों में विभाजित किया। इसका एक हिस्सा राज्य की प्रशासनिक दिनचर्या पर खर्च किया जाता था; इसका दूसरा भाग सरकारी कर्मचारियों के बीच वितरित किया जाता था; इसका तीसरा भाग विद्वानों को दिया जाता था और इसका चौथा भाग ब्राह्मणों एवं बौद्ध भिक्षुओं को दान में दिया जाता था।
- हर्ष की सेना में 60,000 हाथी, 50,000 शक्तिशाली घुड़सवार रथ और 1,00,000 शक्तिशाली पैदल सेना शामिल थी।
- सड़क और नदी-मार्ग लूटपाट से पूरी तरह से सुरक्षित नहीं थे। **अतः कथन 1 सही नहीं है।**
- जाति-व्यवस्था कठोर थी। किसी प्रकार की पर्दा प्रथा का प्रचलन नहीं था और महिलाओं को शिक्षा प्रदान की जाती थी। सती प्रथा का प्रचलन था। शिक्षा धार्मिक थी और मौखिक रूप से प्रदान की जाती थी।
- हर्ष बौद्ध धर्म का अनुयायी था। बौद्ध धर्म की तुलना में उस समय भारत में हिंदू धर्म अधिक व्यापक रूप से लोकप्रिय था।
- हर्ष धार्मिक कार्यों के लिये राज्य की आय का 3/4 हिस्सा खर्च करता था।
- उस समय कर नगण्य थे और व्यापारियों को नौघाटों एवं नावों पर करों के भुगतान के बाद ही अपने उत्पादों तथा व्यापारिक माल को विनिमय के लिये ले जाने की अनुमति थी। **अतः कथन 3 सही है।**

78. निम्नलिखित विदेशी यात्रियों में से किसने भारत के हीरों और हीरे की खदानों की विस्तृत रूप से चर्चा की?

a. फ्रॉस्वा बर्नियर
b. ज्याँ-बैप्टिस्ट टेवर्नियर
c. ज्याँ-द-थेवेनो
d. एबे बार्थेलेमी कारे

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- ज्याँ-बैप्टिस्ट टेवर्नियर (1605-1689) एक फ्राँसीसी अन्वेषक और व्यापारी था। टेवर्नियर पहला विदेशी यात्री था जिसने भारत में हीरे की खदानों का वर्णन किया था।
- वर्ष 1676 में टेवर्नियर ने भारत में अपनी छह यात्राओं (वर्ष 1631 से 1668 तक) के वृतांत को 'ज्याँ-बैप्टिस्ट टेवर्नियर की छह समुद्री यात्राएँ (The Six Voyages of John Baptista Tavernier)' नाम से प्रकाशित किया था जिसका अनुवाद वर्ष 1678 में अंग्रेज़ी भाषा में प्रकाशित किया गया। **अतः विकल्प (b) सही है।**

79. प्राचीनकालीन भारत में हुई वैज्ञानिक प्रगति के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों में से कौन-से सही हैं?

1. प्रथम शताब्दी ईस्वी में विभिन्न प्रकार के विशिष्ट शल्य औज़ारों का उपयोग आम था।
2. तीसरी शताब्दी ईस्वी की शुरुआत में मानव शरीर के आंतरिक अंगों का प्रत्यारोपण शुरू हो चुका था।
3. 5वीं शताब्दी ईस्वी में एक कोण के ज्यां का सिद्धांत ज्ञात था।
4. 7वीं शताब्दी ईस्वी में चक्रीय चतुर्भुज का सिद्धांत ज्ञात था।

कूट:

a. केवल 1 और 2
b. केवल 3 और 4
c. केवल 1, 3 और 4
d. 1, 2, 3 और 4

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- सुश्रुत संहिता में सुश्रुत ने मोतियाबिंद, पथरी की बीमारी और कई अन्य बीमारियों के लिये शल्य चिकित्सा की विधि का वर्णन किया है। उन्होंने उल्लेख किया है कि शल्य चिकित्सा

के लिये 121 से अधिक उपकरणों का उपयोग किया जाता था। हालाँकि इतिहासकार सुश्रुत के काल को एक निश्चित अवधि प्रदान नहीं कर पाए हैं, लेकिन निश्चित रूप से यह पहली शताब्दी ईस्वी पूर्व से पहले का काल था। **अतः कथन 1 सही है।**

- ऐसा कोई प्रत्यक्ष ऐतिहासिक साक्ष्य या ग्रंथ उपलब्ध नहीं है जो यह इंगित करता है कि मानव शरीर में आंतरिक अंगों का प्रत्यारोपण तीसरी शताब्दी ईस्वी की शुरुआत से प्रारंभ हुआ था। **अतः कथन 2 सही नहीं है।**
- 5वीं शताब्दी ईस्वी में किसी कोण की ज्यां ज्ञात करने का सिद्धांत प्रतिपादित हो चुका था। आर्यभट्ट द्वारा ज्यां तालिका तैयार की गई थी। **अतः कथन 3 सही है।**
- 7वीं शताब्दी ईस्वी में चक्रीय चतुर्भुज की अवधारणा ज्ञात थी। ब्रह्मगुप्त (598 - 668ई.) ने चक्रीय चतुर्भुज के क्षेत्रफल का सूत्र दिया था। **अतः कथन 4 सही है।**

80. भारत की संस्कृति एवं परंपरा के संदर्भ में कलारीपयट्टू क्या है?

a. यह शैव मत का एक प्राचीन भक्ति पंथ है, जो अभी भी दक्षिण भारत के कुछ हिस्सों में प्रचलित है।

b. यह कांस्य और पीतल के काम की एक प्राचीन शैली है जो अभी भी कोरोमंडल क्षेत्र के दक्षिणी भाग में पाई जाती है।

c. यह नृत्य-नाटिक का एक प्राचीन रूप है तथा मालाबार के उत्तरी हिस्सों में एक जीवंत परंपरा है।

d. एक प्राचीन मार्शल आर्ट है दक्षिण भारत के कुछ हिस्सों में एक जीवंत परंपरा है।

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- कलारीपयट्टू का अर्थ है 'युद्ध के मैदान की कलाओं का अभ्यास करना'। 2000 वर्षों से अधिक पुरानी यह कला केरल, कर्नाटक और तमिलनाडु के साथ-साथ श्रीलंका में भी व्यापक रूप से प्रचलित है।
- यह संभवतः भारत और दुनिया भर में मार्शल आर्ट का सबसे पुराना रूप है और माना जाता है कि इसकी स्थापना परशुराम ने की थी। इसे चीनी मार्शल आर्ट (कुंग-फू) का अग्रदूत कहा जाता है क्योंकि बौद्ध भिक्षु बोधिधर्म इस कला को भारत से चीन ले गए थे।
- इसका संदर्भ धनुर्वेद (एक उपवेद जिसे भारतीय युद्ध विज्ञान के रूप में भी जाना जाता है) में मिलता है। इसका संदर्भ संगम साहित्य में भी मिलता है ।
- चोलों, पांड्यों और चेरों के बीच युद्ध के सौ वर्षों के दौरान यह कला अपने चरम पर पहुँच गई। 13वीं और 16वीं शताब्दी के दौरान इस कला को कई धर्मों में भी सम्मिलित किया गया था।
- यह मुख्य रूप से फुटवर्क पैटर्न और महत्त्वपूर्ण बिंदुओं पर प्रहार करने की क्षमता पर ज़ोर देता है। इसमें घूँसा मारना, पैरों से प्रहार करना और हथियारों का इस्तेमाल शामिल है। यह एक मूक मुकाबला है, जहाँ शैली सबसे अधिक मायने रखती है तथा इसे किसी भी संगीत या ढोल के साथ नहीं प्रस्तुत किया जाता है।
- कलारीपयट्टू के प्रदर्शन में शारीरिक व्यायाम और अभ्यास (सशस्त्र और शस्त्रहीन दोनों) शामिल है। इसका प्रदर्शन महिलाओं द्वारा भी किया जाता है। **अतः विकल्प (d) सही है।**

81. आर्टेमिस (Artemis) के संबंध में निम्नलिखित विकल्पों में से कौन-सा सही है?

a. यह दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों में प्रचलित एक फसली रोग है।

b. यह चंद्रमा पर नासा का नवीन मानव-मिशन है।

c. यह डेंगू के इलाज के लिये विकसित एक नई दवा है।

d. यह अफ्रीका का एक आदिम जनजातीय समूह है।

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- नासा चंद्रमा पर 'आर्टेमिस' नामक एक मानव मिशन भेजने की योजना बना रहा है।

- ग्रीक पौराणिक कथाओं के अनुसार, चंद्रमा की देवी आर्टेमिस, अपोलो की जुड़वाँ बहन थी।
- वर्ष 2017 में अमेरिकी राष्ट्रपति ने अंतरिक्ष नीति निर्देश (Space Policy Directive) पर हस्ताक्षर किये थे जिसके पश्चात् मिशन आर्टेमिस की शुरुआत हुई थी। इस मिशन के तहत अंतरिक्ष यात्रियों को चंद्रमा पर भेजना प्रस्तावित है।
- वर्ष 2024 में यह चंद्रमा के दक्षिण ध्रुव पर उतरेगा। इस अभियान में महिला अंतरिक्ष यात्रियों को भी शामिल किया जाएगा। **अतः विकल्प (b) सही है।**

82. सफेद गले वाली गौरेया के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
    1. इसे IUCN रेड लिस्ट में गंभीर रूप से संकटग्रस्त प्रजाति के रूप में सूचीबद्ध किया गया है।
    2. यह अल्दाब्रा द्वीप में अधिवासित प्रजाति है, जो उड़ नहीं सकती है।
    3. यह पुनरावर्ती विकास की प्रक्रिया से गुजर चुकी है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2 और 3
c. केवल 1 और 2
d. 1, 2 और 3

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- सफेद गले वाली गौरेया **(White-throated Rail)** उड़ने में अक्षम पक्षी प्रजाति है जिसे अल्दाब्रा गौरेया (Aldabra Rail) भी कहा जाता है। यह अल्दाब्रा में पाई जाती है जबकि एज़म्पशन द्वीप में पाई जाने वाली एज़म्पशन गौरेया (Assumption Rail) अत्यधिक शिकार के कारण 20वीं शताब्दी की शुरुआत में विलुप्त हो गई।
    - यह ड्रायोलिमनस वंश (Genus Dryolimnas) का अंतिम जीवित सदस्य है और माना जाता है कि यह हिंद महासागर में उड़ने में अक्षम पक्षी (Flightless Bird) की अंतिम प्रजाति है। **अतः कथन 2 सही है।**
- इसे IUCN रेड लिस्ट में कम चिंतनीय (Least Concerned) का दर्जा प्राप्त है। **अतः कथन 1 सही नहीं है।**
- यह पाया गया है कि विलुप्त होने के बाद 'पुनरावर्ती विकास' (Iterative Evolution) नामक एक प्रक्रिया के माध्यम से सफेद गले वाली गौरेया वापस प्रकृति में लौट आई है। इसे पहली बार गौरेया में ही देखा गया है। **अतः कथन 3 सही है।**
- पुनरावर्ती विकास **का अर्थ है-एक ही पूर्वज से अलग-अलग समय पर समान या समानातंर संरचनाओं का पुन: विकास।**

83. हाल ही में समाचारों में देखा गया 'कुदक्रमिया रंगनेकरी' शब्द किससे संबंधित है?

a. यह महाराष्ट्र में प्रचलित एक आदिवासी कला का रूप है।
b. यह मणिपुर में प्रचलित लघु चित्रकला का एक प्रकार है।
c. यह हाल ही में केरल में GI टैग प्राप्त चावल का एक प्रकार है।
d. यह गोवा में वैज्ञानिकों द्वारा पहचानी गई ततैया की एक नई प्रजाति है।

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- हाल ही में वैज्ञानिकों ने गोवा में 'कुदक्रमिया वंश' की ततैया की एक नई प्रजाति की पहचान की है।
    - इस ततैया को कुदक्रमिया रंगनेकरी (Kudakrumia Rangnekari) नाम दिया गया है। इसका नामकरण गोवा के एक शोधकर्त्ता पराग रंगनेकर (Parag Rangnekar) की स्मृति में किया गया है।
- भारत में इस ततैया की प्रजातियाँ गोवा और केरल में पाई जाती है, देश के बाहर यह पड़ोसी देश श्रीलंका में भी पाई जाती है। **अतः विकल्प (d) सही है।**

84. हाल ही में चर्चा में रहे 'सह-स्थान' और 'फ्रंट रनिंग' शब्द निम्नलिखित में से किससे संबंधित है?

a. दो बड़े कॉर्पोरेट समूहों के बीच एक स्पेस शेयरिंग मॉडल से।
b. शेयर बाज़ार में कुछ व्यापारियों को अनुचित लाभ देने से।
c. ग्रामीण नेटवर्क कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने हेतु एक सरकारी पहल से।
d. भारत और अफगानिस्तान के बीच खेल कर्मियों को प्रशिक्षित करने हेतु एक समझौते से।

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- **'सह-स्थान'** (Co-location) शेयर बाज़ार के ब्रोकर्स को अतिरिक्त शुल्क के भुगतान पर अपने सर्वर के पास संचालित करने की अनुमति देता है। यह एक्सचेंज सर्वर से निकटता के कारण इसमें शामिल ब्रोकर्स को अन्य ब्रोकर्स की तुलना में अधिक लाभ देता है क्योंकि डेटा ट्रांसमिशन में कम समय लगता है।
- फ्रंट-रनिंग तब होता है जब एक ब्रोकर या कोई अन्य संस्था किसी व्यापार (ट्रेड) में प्रवेश करती है क्योंकि उनके पास एक बड़े अप्रसारित लेन-देन की जानकारी पहले से होती है जो परिसंपत्ति की कीमत को प्रभावित करेगा, जिसके परिणामस्वरूप ब्रोकर को संभावित वित्तीय लाभ होगा। यह तब भी होता है जब कोई ब्रोकर या विश्लेषक अपने फर्म के ग्राहकों को शेयर खरीदने या बेचने की सलाह देने से पहले अपने खाते पर शेयर खरीदता या बेचता है। **अतः विकल्प (b) सही है।**

85. भारत के इतिहास के संदर्भ में निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिये:

शब्द	**विवरण**
1. एरिपत्ति	भूमि, जिससे मिलने वाला राजस्व अलग से ग्राम जलाशय के रख-रखाव के लिये निर्धारित कर दिया जाता था।
2. तनियूर	एक ब्राह्मण या ब्राह्मणों के एक समूह को दान में दिये गए ग्राम
3. घटिका	प्राय: मंदिरों के साथ संबद्ध विद्यालय

उपर्युक्त युग्मों में से कौन-सा/से सही सुमेलित है/हैं?

a. केवल 1 और 2
b. केवल 3
c. केवल 2 और 3
d. केवल 1 और 3

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- पल्लवों के समय में एरिपत्ति एक प्रकार की भूमि थी, जिससे प्राप्त राजस्व ग्राम जलाशय के रख-रखाव के लिये अलग से रखा जाता था। **अतः युग्म 1 सही सुमेलित है।**
- तनियूर चोल साम्राज्य के प्रशासन से संबंधित शब्द है। तनियूर बहुत बड़े गाँव थे जिन्हें एकल इकाई के रूप में प्रशासित किया जाता था। **अतः युग्म 2 सही सुमेलित नहीं है।**
- 7वीं-8वीं शताब्दी में, घटिका मंदिर से जुड़े हुए शिक्षण केंद्र थे। ये संस्कृत माध्यम में ब्राह्मणवादी शिक्षा प्रदान करते थे। **अतः युग्म 3 सही सुमेलित है।**

86. किसके राज्य में 'कल्याण मंडप' की रचना मंदिर-निर्माण का एक विशिष्ट अभिलक्षण था?

a. चालुक्य
b. चंदेल
c. राष्ट्रकूट
d. विजयनगर

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- 'कल्याण मंडप' हम्पी के आसपास केंद्रित **विजयनगर के मंदिरों** की प्रमुख विशेषता है।
    - 16वीं शताब्दी में निर्मित विठ्ठल मंदिर विजयनगर काल के सबसे प्रमुख मंदिरों में से एक है।
    - एक विशाल प्रांगण युक्त विठ्ठल मंदिर में तीन विशाल द्वार हैं जो उत्तर, पूर्व और दक्षिण में भव्य गोपुरमों से सुसज्जित हैं। प्रांगण में मुख्य पूजास्थल, गौण पूजास्थल, कल्याण मंडप, उत्सव मंडप, सौ स्तंभों युक्त मंडप और एक पाषाण रथ स्थित हैं।
- कल्याण मंडप एक खुला मंडप था जिसका प्रयोग मंदिर के देवता के प्रतीकात्मक विवाह समारोहों के आयोजन हेतु प्रयोग किया जाता था। **अत: विकल्प (d) सही है।**

87. भारत की कला एवं संस्कृति के इतिहास के संबंध में निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिये

विख्यात मूर्ती शिल्प	स्थल
1. बुद्ध के महापरिनिर्वाण की एक भव्य प्रतिमा, जिसमें ऊपर की ओर अनेक दैवीसंगीतज्ञ तथा नीचे की ओर उनके दु:खी अनुयायी दर्शाए गए हैं।	अजंता
2. प्रस्तर पर उत्कीर्ण विष्णु के वराह अवतार की एक विशाल प्रतिमा, जिसमें वह देवी पृथ्वी को गहरे और क्षुब्ध सागर से उबारते दर्शाए गए हैं।	माउंट आबू
3. विशाल गोलाश्मों पर उत्कीर्ण ‘अर्जुन की तपस्या’/‘गंगा का अवतरण’	मामल्लपुरम

उपर्युक्त युग्मों में से कौन-सा/से सही सुमेलित है/हैं?

a. केवल 1 और 2
b. केवल 3
c. केवल 1 और 3
d. 1, 2 और 3

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- अजंता में बौद्ध धर्म से संबंधित पहली गुफा 200-100 ईसा पूर्व की है। गुप्तकाल (5वीं-6वीं शताब्दी ईस्वी) के दौरान, कई अलंकृत गुफाओं का निर्माण किया गया था। बौद्ध धार्मिक कला की उत्कृष्ट कृति माने जाने वाले अजंता के चित्र और मूर्तियाँ काफी कलात्मक है।
    - गुफा संख्या 17 में उत्कीर्णित बुद्ध का परिनिर्वाण सबसे भव्य और अभी तक स्पष्ट रूप से व्यक्त किये गए दृश्यों में से एक है। इसमें बुद्ध के ऊपर कई दैवीय संगीतज्ञ और नीचे उनके अनुयायियों को दुखी मुद्रा में दर्शाया गया है। **अत: युग्म 1 सही सुमेलित है।**
- मध्य प्रदेश में स्थित उदयगिरि चट्टानों को काटकर बनाई गई गुप्तकालीन हिंदू और जैन धर्म से संबंधित 20 गुफाओं के लिये प्रसिद्ध है।
    - राजा चन्द्रगुप्त द्वितीय द्वारा गुफा संख्या 5 में विष्णु के वाराह अवतार की मूर्ति का निर्माण करवाया गया। इसमें भगवान वाराह द्वारा पृथ्वी देवी को हिरण्याक्ष राक्षस से बचाए जाने का दृश्य अंकित है।
    - इसमें गुप्त राजाओं द्वारा उनकी भूमि (पृथ्वी) को सभी बुराइयों से बचाने के संकल्प को एक चित्र के रूप में दर्शाया गया है। **अत: युग्म 2 सही सुमेलित नहीं है।**
- महाबलीपुरम या मामल्लपुरम, पल्लव राजाओं महेंद्रवर्मन प्रथम (600-630 ई.) और उनके पुत्र नरसिंहवर्मन प्रथम (630 –668 ई.) की दूसरी राजधानी थी। महाभारत के और पौराणिक दृश्यों के साथ उत्कीर्णित दो विशालकाय एकाश्म चट्टानों को 'अर्जुन की तपस्या' या 'गंगा का

अवतरण' के रूप में जाना जाता है। इसे चालुक्य शासक पुलकेशिन-II पर पल्लव शासक नरसिंहवर्मन प्रथम की विजय के स्मारक के रूप में बनाया गया था। **अत: युग्म 3 सही सुमेलित है।**

88. निम्नलिखित में से कौन-सा काकतीय राज्य में अति महत्त्वपूर्ण समुद्र-पतन था?

a. काकीनाडा
b. मोटुपल्ली
c. नेल्लुरू
d. मछलीपट्टनम (मसूलीपटनम)

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- काकतीय राजवंश ने लगभग 12वीं से 14वीं शताब्दी ईस्वी तक वर्तमान के आंध्र क्षेत्र में शासन किया।
- 1289 ई. के आसपास, मार्को पोलो ने काकतीय साम्राज्य की यात्रा की। उसने यात्रा वृतांतों में काकतीयों के सबसे समृद्ध बंदरगाह **मोटुपल्ली** (प्रकाशम ज़िला) का उल्लेख किया। **अत: विकल्प (b) सही है।**

89. निम्नलिखित में से कौन-सी चोल वास्तुकला शैली की विशेषताएँ हैं?

1. गोपुरम
2. विमान
3. अंतराल
4. गोलाकार शिखर

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

a. केवल 1 और 2
b. केवल 2 और 4
c. केवल 3 और 4
d. केवल1, 2 और 3

उत्तर: (d)

व्याख्या:

मंदिर वास्तुकला की द्रविड़ शैली की शुरुआत पल्लवों के शासनकाल में हुई थी जो चोल शासकों के काल में चरमोत्कर्ष पर पहुँच गई। तंजौर के चोल शासकों ने मंदिर स्थापत्य की द्रविड़ शैली को विकसित किया।

द्रविड़ शैली या चोल शैली की विशेषताएँ हैं:

- द्रविड़ वास्तुकला में केवल मुख्य मंदिर के शीर्ष पर विमान होता था। इसमें नागर शैली के विपरीत अन्य सहायक मंदिरों पर विमान नहीं होता था।
- उदाहरणतः तंजौर का बृहदेश्वर मंदिर (1011 ई0 में राजराजा द्वारा निर्मित), गंगईकोंडचोलपुरम के मंदिर (गंगा के डेल्टा में अपनी जीत की उपलक्ष्य में राजेंद्र प्रथम द्वारा निर्मित), आदि।
- नागर शैली के मंदिरों के विपरीत, द्रविड़ शैली के मंदिर ऊँची चारदीवारी से घिरे होते थे। सामने की दीवार में एक ऊँचा प्रवेश द्वार होता था जिसे गोपुरम के नाम से जाना जाता था।
- मंदिर परिसर का निर्माण पंचायतन शैली में किया जाता था, जिसमें एक प्रधान मंदिर तथा चार सहायक मंदिर होते थे।
    - द्रविड़ शैली के मंदिर में पिरामिडनुमा शिखर होते थे जो घुमावदार होने के बजाय ऊपर की तरफ सीधे होते थे। इसे विमान के नाम से जाना जाता है।
- सभाकक्ष गर्भगृह से एक गलियारे द्वारा जुड़ा होता था, जिसे **अंतराल** कहा जाता था।
- गर्भगृह के प्रवेश द्वार पर द्वारपाल, मिथुन और यक्ष की मूर्तियाँ होती थीं।
- मंदिर परिसर के अंदर एक जलाशय की उपस्थिति द्रविड़ शैली की एक अद्वितीय विशेषता थी।
    - उदाहरणतः तंजौर का बृहदेश्वर मंदिर (1011 ई0 में राजराजा द्वारा निर्मित), गंगईकोंडचोलपुरम के मंदिर (गंगा के डेल्टा में अपनी जीत की उपलक्ष्य में राजेंद्र प्रथम द्वारा निर्मित), आदि।
- विमान के शीर्ष पर एक अष्टकोण आकार का शिखर होता है। यह नागर मंदिर के कलश के समान है लेकिन यह गोलाकार नहीं होता है। इस प्रकार **गोपुरम, विमान और अंतराल** चोल वास्तुकला शैली की विशेषताएँ हैं। **अतः विकल्प (d) सही है।**

90. निम्नलिखित में से कौन-सा मंदिर 'तारानुमा योजना' पर आधारित है?

a. कोणार्क सूर्य मंदिर
b. चौसठ योगिनी मंदिर
c. कैलाश मंदिर
d. होयसलेश्वर मंदिर

उत्तर: (d)

व्याख्या:

होयसल शासकों द्वारा बनाए गए मंदिर स्वयं की एक विशिष्ट शैली के अनुरुप विकसित किये गए थे, जिसे होयसल शैली के रूप में जाना जाता है।

- 1050-1300 ई. की अवधि के दौरान बेलूर, हलेबिड और श्रृंगेरी के आसपास प्रमुख स्थलों में इसका विकास हुआ।
- यह कर्नाटक क्षेत्र में मैसूर के निकट पाई जाती है।

इस वास्तुकला की कुछ विशेषताएँ हैं:

- स्तंभों वाले केंद्रीय कक्ष के चारो तरफ अनेक मंदिर बनाए गए थे।
- मंदिर जटिल रूप से तारे के आकार की डिज़ाइन में बने थे। इसे तारा-सदृश अथवा तारानुमा योजना के रूप में भी जाना जाता था। **अतः विकल्प (d) सही है।**
- मुलायम बलुआ पत्थर (क्लोराइट शिस्ट) मुख्य निर्माण सामग्री थी।
- मूर्तियों के माध्यम से मंदिर के अलंकरण पर बहुत अधिक बल दिया गया था। आंतरिक और बाहरी दोनों दीवारें, यहाँ तक कि देवताओं द्वारा धारण किये गए आभूषण भी जटिल रूप से नक्काशीदार है।
- सभी कक्षों पर शिखर थे। ये क्षैतिज रेखाओं और पट्टियों के विन्यास से आपस में जुड़े हुए थे। इसने शिखर को पंक्तियों के व्यवस्थित क्रम में विभाजित कर दिया।
- मंदिरों को जगती के रूप में ज्ञात ऊँचे मंच पर बनाया गया था, इसकी ऊँचाई लगभग 1 मीटर होती थी। मंदिर की दीवारें और सीढ़ियाँ ज़िग-जैग पैटर्न में बनी थी।
    - उदाहरण: हैलेविड में होयलेश्वर मंदिर, बेलूर में विजयनारायण मंदिर।

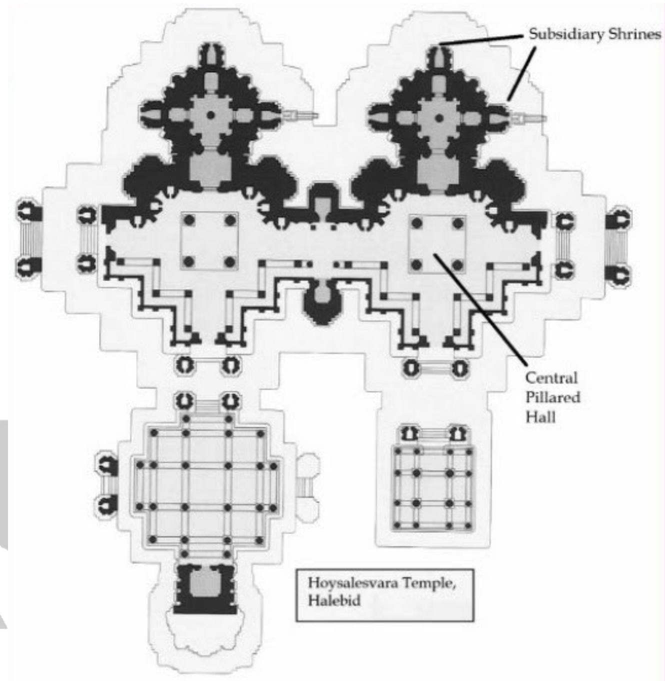

91. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिये:

प्राचीन विश्वविद्यालय	विचारधारा
नागार्जुनकोंडा	हीनयान बौद्ध धर्म
जगदल	वज्रयान बौद्ध धर्म
वल्लभी	महायान बौद्ध धर्म

उपर्युक्त युमों में से कौन-सा/से सही सुमेलित है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. केवल 1 और 2
d. 1, 2 और 3

उत्तर: (b)

व्याख्या:

प्राचीन भारत में प्रसिद्ध विश्वविद्यालय:

- **नागार्जुनकोंडा:** यह आंध्र प्रदेश में अमरावती से 160 किलोमीटर दूर स्थित है और यह श्रीलंका, चीन आदि देशों से उच्च शिक्षा के लिये आने वाले विद्वानों हेतु एक प्रमुख बौद्ध केंद्र था। कई विहार, स्तूप आदि

इसमें शामिल थे। **इसका नाम महायान बौद्ध धर्म के दक्षिण भारतीय विद्वान नागार्जुन के नाम पर रखा गया था। अतः युग्म 1 सही सुमेलित नहीं है।**

- **जगदल:** यह बंगाल में स्थित बौद्ध धर्म के **वज्रयान संप्रदाय से संबंधित** शिक्षण का केंद्र था। नालंदा और विक्रमशिला के पतन के बाद कई विद्वानों ने यहाँ शरण ली। इसे संभवतः पाल वंश के राजा रामपाल द्वारा स्थापित किया गया था। **अतः युग्म 2 सही सुमेलित है।**
- **मान्यखेत:** इसे अब मालखेड़ (कर्नाटक) कहा जाता है। यह राष्ट्रकूट शासन के अंतर्गत प्रमुखता से उभरा था। यहाँ जैन धर्म, बौद्ध धर्म और हिंदू धर्म के विद्वानों ने अध्ययन किया। इसमें द्वैत विचारधारा का एक मठ है।
- **वल्लभी:** यह गुजरात के सौराष्ट्र क्षेत्र में स्थित था। **यह हीनयान बौद्ध धर्म का एक महत्त्वपूर्ण शिक्षण केंद्र था।** प्रशासन और राज्य-व्यवस्था, कानून, दर्शन आदि जैसे विभिन्न विषयों को यहाँ पढ़ाया जाता था। चीनी विद्वान ह्वेन त्सांग भी यहाँ आया था। इसे गुजरात के मैत्रक राजवंश के शासकों द्वारा अनुदान सहायता मिलती थी। **अतः युग्म 3 सही सुमेलित नहीं है।**
- **ओदंतपुरी:** यह बिहार में स्थित है और पाल वंश के गोपाल प्रथम के संरक्षण में बनाया गया था। यह बौद्ध महाविहार था। इसे बख्तियार खिलजी ने नष्ट कर दिया था।
- **विक्रमशिला:** यह बिहार के वर्तमान भागलपुर ज़िले में स्थित है। यह पाल वंश के राजा धर्मपाल द्वारा मुख्य रूप से एक बौद्ध शिक्षा केंद्र के रूप में स्थापित किया गया था। बौद्ध शिक्षाओं के प्रसार के लिये भारत के बाहर के राजाओं द्वारा विद्वानों को आमंत्रित किया जाता था।
    - यहाँ वज्रयान संप्रदाय विकसित हुआ और यहाँ तांत्रिक विद्या सिखाई जाती थी। अन्य विषयों जैसे तर्क, वेद, खगोल, शहरी विकास, कानून, व्याकरण, दर्शन आदि को भी पढ़ाया जाता था।

92. 'जगमोहन' निम्नलिखित में से किस मंदिर वास्तुकला की विशेषता है?

a. खजुराहो मंदिर
b. मोढेरा मंदिर
c. कलिंग मंदिर
d. पल्लव मंदिर

उत्तर: (c)

व्याख्या:

ओडिशा वास्तुकला (कलिंग स्थापत्य शैली):

- इस स्थापत्य शैली का विकास प्राचीन कलिंग में हुआ, जिसे उत्कल के नाम से भी जाना जाता था जो मगध राज्य का एक भाग था। वर्तमान में यह पूर्वी भारतीय राज्य ओडिशा के रूप में जाना जाता है।
- ओडिशा में इस वास्तुकला को मंदिरों के रूप में सर्वोच्च अभिव्यक्ति मिली। भुवनेश्वर का लिंगराज मंदिर (11वीं शताब्दी), पुरी का जगन्नाथ मंदिर (12वीं शताब्दी) और कोणार्क का महान सूर्य मंदिर (13वीं शताब्दी) कुछ प्रसिद्ध मंदिर हैं।
- **इसकी कुछ विशेषताएँ इस प्रकार हैं:**
    - संरचनात्मक रूप से मंदिर में चार कक्ष होते हैं। चार कक्ष हैं- भोगमंदिर, नटमंदिर, जगमोहन और अंत में मंदिर का सबसे पवित्र स्थल गर्भगृह, जिसमें मंदिर के प्रमुख देवता को रखा जाता है।
    - बाहरी दीवारों पर भव्य नक्काशी की जाती थी, लेकिन **भीतरी दीवारों को बिना नक्काशी के ही रखा जाता था।**
    - ड्योढ़ी (Porch) में खंभों का कोई उपयोग नहीं किया जाता था। इसके बजाय छत को लोहे के शहतीरों से सहारा दिया जाता था।
    - ओडिशा शैली के शिखरों को रेखा-देउल के नाम से जाना जाता था। वे लगभग क्षैतिज छत जैसे होते थे जो

दृष्टि The Vision

शीर्ष पर एकदम से अंदर की तरफ मुड़ते थे।
    - इस क्षेत्र में मण्डप को जगमोहन के नाम से जाना जाता था।
    - मुख्य मंदिर की तल योजना वर्गाकार है। ये मंदिर द्रविड़ शैली के मंदिरों के समान परकोटे से घिरे होते थे। **अतः विकल्प (c) सही है।**

93. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
    1. सुत्त पिटक में बौद्ध मठों में आचरण और अनुशासन के नियमों का वर्णन हैं।
    2. विनय पिटक में बुद्ध की शिक्षाएँ शामिल हैं।
    3. दीपवंश पालि भाषा का ग्रंथ है, जिसमें श्रीलंका में बौद्ध धर्म के क्षेत्रीय प्रसार का वर्णन किया गया है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1 और 2
b. केवल 3
c. केवल 1 और 3
d. 1, 2 और 3

उत्तर: (b)

व्याख्या:

बुद्ध चर्चा और वाद-विवाद के माध्यम से मौखिक शिक्षा देते हैं। पुरुष एवं महिलाएँ इन प्रवचनों को सुनते थे और आपस में चर्चा करते थे। बुद्ध के किसी भी भाषण को उनके जीवनकाल में नहीं लिखा गया था।

बुद्ध की मृत्यु के बाद बौद्ध भिक्षुओं की एक परिषद में इनका संकलन किया गया। इन संकलनों को त्रिपिटक के रूप में जाना जाता था, जिसका अर्थ है- विभिन्न प्रकार के ग्रंथों वाली तीन टोकरियाँ।

- **सुत्त पिटक:** इसमें बुद्ध की शिक्षाएँ शामिल हैं। इसे पाँच निकाय या संग्रह में विभाजित किया गया है:
    - दीघ निकाय
    - मज्झिम निकाय
    - संयुक्त निकाय
    - अंगुत्तर निकाय
    - खुद्दक निकाय, **अतः कथन 1 सही नहीं है।**
- **अभिधम्म पिटक:** यह बौद्ध धर्म के दर्शन और सिद्धांत से संबंधित है।
- **विनय पिटक:** यह बौद्ध संघ या मठों में रहने वाले लोगों के लिये नियमों और विनियमों का संग्रह था। **अतः कथन 2 सही नहीं है।**
- महावंश (अर्थात् महान इतिहास) और दीपवंश (अर्थात् द्वीप का इतिहास) पालि ग्रंथ है, जो सीलोन (आधुनिक श्रीलंका) में बौद्ध धर्म के क्षेत्रीय इतिहास का वर्णन करते है। **अतः कथन 3 सही है।**

94. इस दर्शन/संप्रदाय के अनुयायी वैराग्यपूर्ण जीवन में विश्वास करते थे। उनका मानना था कि सब कुछ पूर्व निर्धारित है और मानव को अपने भाग्य निर्माण की स्वतंत्रता नहीं है। वे मानते थे कि समस्त ब्रह्मांडीय व्यवहार एक वैश्विक शक्ति के माध्यम से संचालित होता है जिसे 'नियति' कहा जाता है। उन्हें भाग्यवादी भी कहा जाता था।

उपर्युक्त विवरण निम्नलिखित में से किस दर्शन/संप्रदाय से संबंधित है?

a. जैन
b. चार्वाक
c. आजीवक
d. वैशेषिक

उत्तर: (c)

व्याख्या:

आजीवक संप्रदाय बौद्ध धर्म और जैन धर्म के समय में भारत में उभरा और 14वीं शताब्दी तक विद्यमान रहा। आजीवक का अभिप्राय है " वैराग्यपूर्ण जीवन का अनुसरण करना।"

- इसकी स्थापना जैन धर्म के महावीर के मित्र मक्खलिपुत्त गोशाल (जिसे मक्खलि गोशाल भी कहा जाता है) द्वारा की गई थी।
- गोशाल के अनुसार, भाग्य या नियति ही इनका मूल सिद्धांत था। आजीवक कठोर भाग्यवादी और नियतिवादी थे, जो हर घटना के एकमात्र निर्धारक के रूप में नियति को देखते थे। नियति के विरोध में कोई भी मानवीय प्रयास किसी भी प्रकार का प्रभाव

नहीं डाल सकता है और इसलिये कर्म एक भ्रांति है।

- आजीवकों ने गोशाल को देवता के समान पूजा और इस सिद्धांत के अनुसार यह माना कि सभी परिवर्तन भ्रम पूर्ण थे और सब कुछ शाश्वत रूप से स्थिर था। **अतः विकल्प (c) सही है।**

95. भारत के धार्मिक इतिहास के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये

1. बौद्ध धर्म की हीनयान शाखा मोक्ष प्राप्त करने हेतु व्यक्तिगत प्रयासों पर ज़ोर देती है।
2. हीरक त्रिभुज बौद्ध धर्म की वज्रयान शाखा से संबंधित है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (c)

व्याख्या:

बौद्ध धर्म के विभिन्न संप्रदाय:

- **हीनयान:** इसका शाब्दिक अर्थ है 'निम्न मार्ग'। यह बुद्ध या ज्येष्ठों के सिद्धांत की मूल शिक्षा में विश्वास करता है।
  - यह मूर्ति पूजा में विश्वास नहीं करता है और आत्म-अनुशासन तथा ध्यान के माध्यम से मोक्ष प्राप्त करने हेतु व्यक्तिगत प्रयासों पर ज़ोर देता है। **अतः कथन 1 सही है।**
- **महायान:** महायान एक संस्कृत शब्द है जिसका शाब्दिक अर्थ है 'महान अथवा श्रेष्ठ मार्ग'। इसमें मूर्ति पूजा और बुद्ध को ईश्वर माना गया है।
- यह बोधिसत्त्वों के माध्यम से मोक्ष प्राप्ति पर ध्यान केंद्रित करता है।
  - बोधिसत्त्वों को अत्यंत करुणामय व्यक्ति के रूप में माना जाता था, जिन्होंने अपने प्रयासों से निर्वाण की योग्यता अर्जित की किंतु इसका उपयोग वे दूसरों की सहायता करने के लिये करते थे।
- **वज्रयान:** इसका अर्थ है "वज्र का वाहन", जिसे तांत्रिक बौद्ध धर्म के नाम से भी जाना जाता है।
  - यह बौद्ध धर्म की महायान शाखा की एक उप-शाखा थी। तांत्रिक बौद्ध धर्म के उद्गम को प्राचीन हिंदू और वैदिक प्रथाओं सहित शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक सिद्धि प्राप्त करने हेतु अभिकल्पित गूढ़ अनुष्ठानिक ग्रंथों में देखा जा सकता है।
  - तांत्रिक बौद्ध धर्म अर्थात् वज्रयान को प्राय: आत्मज्ञान प्राप्ति के सरल मार्ग के रूप में भी देखा जाता है।
- **ओडिशा में अवस्थित हीरक त्रिभुज में तीन स्थान शामिल हैं- रत्नागिरि, उदयगिरि और ललितगिरि।**
  - संस्कृत में 'हीरे' को वज्रमणि के रूप में जाना जाता है और इसलिये वज्रयान को हीरक मार्ग अथवा संप्रदाय भी कहा जाता है। ऐतिहासिक रूप से तिब्बत के प्राचीन ग्रंथों, जहाँ वज्रयान बौद्ध प्रचलित है, में इन स्थानों का उल्लेख वज्रयान की उत्पत्ति स्थल के रूप में उल्लेख किया गया है।
  - इसलिये इसे 'ओडिशा का हीरक त्रिभुज' कहा जाता है। हीरक त्रिभुज एक समय में वज्रयान बौद्ध धर्म का महत्त्वपूर्ण शिक्षण केंद्र था, लेकिन समय बीतने के साथ यह 13वीं शताब्दी के बाद 20वीं शताब्दी में खोजे जाने तक यह महत्त्वहीन रहा। **अत: कथन 2 सही है।**
- **रत्नागिरि:** यह भारत का **एकमात्र ऐसा मठ है जहाँ वक्रनुमा छत है।**
  - कई इच्छापूर्ति स्तूप (इच्छा पूरी होने पर निर्मित स्तूप), स्मारक स्तूप (भिक्षुओं की स्मृति में बनाए गए स्तूप), विशाल महास्तूप, चैत्यगृह, बुद्ध की प्रतिमाएँ मिली हैं।

- **उदयगिरि:** उदयगिरि को **माधवपुरा महाविहार के रूप में जाना जाता है** जो 7वीं-12वीं शताब्दी के काल में बौद्ध धर्म का एक प्रमुख केंद्र था।
    - उदयगिरि **घोड़े की नाल के आकार की पहाड़ी के लिये प्रसिद्ध** है।
    - इस स्थल के उत्खनन में आंशिक रूप से 8वीं शताब्दी के जटिल संरचना युक्त **दोमंजिला मठ और बुद्ध, तारा, मंजुश्री, अवलोकितेश्वर, जटामुकुट लोकेश्वर एवं टेराकोटा की मुहरों** जैसी महत्त्वपूर्ण प्राचीन वस्तुओं की जानकारी मिली है।
- **ललितगिरि:** इसे **हीरक त्रिभुज में सर्वाधिक पवित्र स्थल** माना जाता है क्योंकि यहाँ से बुद्ध के अवशेषों के साथ एक विशाल स्तूप मिला है।
    - यहाँ चार मठों की खुदाई की गई है। इसके अतिरिक्त एक अद्वितीय U-आकार का चैत्य गृह भी मिला है।

96. निम्नलिखित में से कौन-सा बौद्ध ग्रंथ विशेष रूप से महिलाओं की सामाजिक स्थिति और आध्यात्मिक अनुभवों पर जानकारी उपलब्ध कराता है?

a. थेरीगाथा
b. उत्तराध्ययन सुत्त
c. बुद्ध चरित
d. महावंश

उत्तर: (a)

व्याख्या:

थेरीगाथा दो सहस्राब्दियों पूर्व रचित पालि भाषा की कृति है जिसमें भिक्षुणियों द्वारा रचित छंदों का संकलन है। इन महिलाओं को थेरी कहा जाता था।

- यह सुत्त पिटक का एक हिस्सा है इसमें महिलाओं के सामाजिक और आध्यात्मिक अनुभवों के बारे में जानकारी मिलती है।
- ये रचनाएँ दुनिया में महिलाओं द्वारा और महिलाओं पर लेखन के सबसे प्राचीन उदाहरणों में शामिल है। ये व्यक्तिगत अभिव्यक्ति की अपनी गुणवत्ता और प्राचीन भारतीय अतीत में महिलाओं के जीवन में पेश आने वाली असाधारण अंतर्दृष्टि प्रदान कराने के संदर्भ में बेजोड़ हैं। **अतः विकल्प (a) सही है।**

97. भारत के धार्मिक इतिहास के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. जैन और बौद्ध दोनों धर्मों में ईश्वर के अस्तित्व को अस्वीकार किया गया है।
2. जैन धर्म वर्ण व्यवस्था की निंदा करता है।
3. जैन धर्म में आत्मा के पुनर्जन्म की अवधारणा है, लेकिन बौद्ध धर्म में यह मान्यता नहीं है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1 और 2
b. केवल 2
c. केवल 3
d. केवल 1 और 3

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- बौद्ध धर्म में ईश्वर के अस्तित्व को नहीं माना गया है। ईश्वर निर्मित ब्रह्मांड की अवधारणा का बुद्ध ने खंडन किया था।
    - बुद्ध ने एक महान कानून अथवा धम्म (धर्म) द्वारा विश्व व्यवस्था के संचालन का समर्थन किया था। इस धर्म के अनुसार ही करुणामय जीवनयापन करना ही सच्ची बुद्धिमता है और इसके अनुपालन द्वारा ही दुख से मुक्ति मिल सकती है।
    - जैन धर्म में ईश्वर के अस्तित्व को स्वीकार किया गया है परंतु उनका स्थान जिन (महावीर) से नीचे माना गया है। **अत: कथन 1 सही नहीं है।**
- जैन धर्म में वर्ण व्यवस्था की निंदा नहीं की गई बल्कि वर्ण व्यवस्था और वैदिक धर्म की बुराइयों को कम करने का प्रयास किया गया।

- लेकिन बौद्ध धर्म ने वर्ण व्यवस्था की निंदा की। सभी जाति के लोगों को बौद्ध धर्म में शामिल किया गया था। महिलाओं को भी पुरुषों की तरह संघ में शामिल होने की अनुमति दी गई थी। **अत: कथन 2 सही नहीं है।**
- महावीर के अनुसार, पूर्व जन्म में अर्जित पुण्य या पाप के अनुसार ही किसी व्यक्ति का उच्च या निम्न वर्ण में जन्म होता है। इस प्रकार, जैन धर्म आत्मा के पुनरागमन और कर्मफल के सिद्धांत में विश्वास करता है।
  - लेकिन, बौद्ध धर्म आत्मा के अस्तित्व में विश्वास नहीं करता है। बुद्ध ने एक स्थायी और शाश्वत आत्मा की अवधारणा को अस्वीकार कर दिया और अनात्मवाद का सिद्धांत दिया। अनात्मवाद एक अनित्य, परिवर्तनशील आत्मा के अस्तित्व को स्वीकार करता है। **अत: कथन 3 सही है।**

98. गुरु नानक देव के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
    1. उन्होंने निराकार परमात्मा की पूजा का समर्थन किया।
    2. समानता के उनके विचार को लंगर, पंगत और संगत की धारणा से निगमित किया जा सकता है।
    3. वह त्यागराज के समकालीन थे।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?

a. केवल 1 और 2

b. केवल 1 और 3

c. केवल 2 और 3

d. 1, 2 और 3

उत्तर: (a)

व्याख्या:

गुरु नानक देव (1469-1539) का जन्म लाहौर के निकट तलवंडी राय भोई नामक एक गाँव में हुआ था (इसका नाम बाद में ननकाना साहिब रखा गया)।

- उन्होंने भक्ति के 'निर्गुण' रूप अर्थात् निराकार परमात्मा की पूजा को बढ़ावा दिया। **अतः कथन 1 सही है।**
- उन्होंने हिंदू और मुस्लिम दोनों के त्याग, अनुष्ठानिक स्नान, मूर्ति पूजा, तपस्या और शास्त्रों को खारिज कर दिया।
- उनका समानता संबंधी विचार उनके द्वारा दिये गए निम्नलिखित नवीन सामाजिक संस्थाओं द्वारा निगमित जा सकता है:
  - **लंगर:** सामूहिक भोजन बनाना और बाँटकर खाना।
  - **पंगत:** जातिगत भेदभाव त्यागकर सबके साथ बैठकर भोजन करना।
  - **संगत:** सामूहिक भजन-कीर्तन करना। **अतः कथन 2 सही है।**
  - उन्होंने "दशवंध" की अवधारणा का भी समर्थन किया जिसमे अपनी आय का दसवां हिस्सा ज़रूरतमंद व्यक्तियों को दान किया जाता है।
- त्यागराज (1767-1847) निर्विवाद रूप से कर्नाटक संगीत के सबसे प्रसिद्ध कवि-संगीतकार और गायक थे।
- त्यागराज के गीत और रचनाएँ उनके भगवान राम के प्रति समर्पण एवं भक्ति से परिपूर्ण हैं। **अतः कथन 3 सही नहीं है।**

99. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
    1. शंकराचार्य ने मोक्ष प्राप्ति के लिये आस्था और भक्ति के मार्ग का समर्थन किया।
    2. रामानुजन केवल ज्ञान को ही मोक्ष के मार्ग के रूप में स्वीकार करते हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1

b. केवल 2

c. 1 और 2 दोनों

d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (d)

व्याख्या:

शंकराचार्य और रामानुजन वेदांत से संबंधित हैं। यह दर्शन उपनिषदों में वर्णित जीवन-दर्शन की पुष्टि करता है। वेदांत दर्शन का मुख्य और प्राचीन ग्रन्थ बादरायण द्वारा रचित ब्रह्मसूत्र है। वेदांत दर्शन के

अनुसार, ब्रह्मा जीवन की वास्तविकता है और बाकी सब कुछ असत्य या माया है।

शंकराचार्य

शंकराचार्य के दार्शनिक हस्तक्षेप से 9वीं शताब्दी ईस्वी में वेदांत दर्शन विकसित हुआ। शंकराचार्य ने ब्रह्म-विवेचन के क्रम में अद्वैतवाद सिद्धांत का प्रतिपादन किया।

- अद्वैतवाद के अनुसार, ब्रह्म ही एकमात्र सत्य है और यह जगत मिथ्या (ब्रह्म सत्यं, जगत मिथ्या) है।
- इसमें कहा गया है कि व्यक्तिगत आत्मा और ब्रह्मा दोनों एक ही हैं, अलग नहीं है। लेकिन इसका अज्ञान ही बंधन का कारण है। बंधन के मूल कारण को अविद्या कहा गया है। इस अविद्या का निराकरण ब्रह्मज्ञान से संभव है।
- केवल ब्रह्मा के सत्य और पारमार्थिक ज्ञान से ही मोक्ष की प्राप्ति हो सकती है। इसलिये शंकराचार्य ज्ञान मार्ग को मोक्ष प्राप्ति हेतु स्वीकार करते है, न कि भक्ति मार्ग को। **अतः कथन 1 सही नहीं है।**

रामानुजन

उन्होंने विशिष्टाद्वैत के सिद्धांत को प्रतिपादित किया, जिसका अर्थ है द्वैत विशिष्ट अद्वैत।

- विशिष्टाद्वैत विशिष्ट प्रकार का अद्वैतवाद है, जहाँ केवल ब्रह्मा ही सत्य हैं, लेकिन आत्मा की बहुलता भी इसमें स्वीकार की गई है अर्थात् ब्रह्म एक होने पर भी अनेक हैं।
- यह अद्वैत और द्वैत दर्शन के बीच का मार्ग है, जहाँ ब्रह्मा और व्यक्तिगत आत्मा अग्नि एवं चिंगारी की तरह अविभाज्य हैं।
- इसमें ब्रह्मा को कुछ विशेषताओं का अधिकारी माना गया है जबकि शंकराचार्य के अद्वैतवाद में ब्रह्मा को सभी गुणों और विशेषताओं से रहित माना गया है।
- वह श्रद्धा, आस्था और भक्ति के माध्यम से मोक्ष प्राप्ति को स्वीकार करता है। **अतः कथन 2 सही नहीं है।**

100. निम्नलिखित में से कौन सूर्य मंदिरों के लिये प्रसिद्ध है?

1. गया
2. कश्मीर
3. कुंभकोणम

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

a. केवल 1
b. केवल 2 और 3
c. केवल 1 और 3
d. 1, 2 और 3

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- वेदों के कई सौर देवताओं को एक एकल भगवान में मिला दिया गया जिसे प्रायः सूर्य के रूप में जाना जाता था। उत्तरी और पश्चिमी भारत में सूर्य देवता को समर्पित कई मंदिरों का निर्माण हुआ। कुमारगुप्त के समय के मंदसौर अभिलेख में बुनकरों के श्रेणी संगठन द्वारा सूर्य मंदिर के निर्माण और मरम्मत का उल्लेख किया गया है।
- **भारत के कुछ प्रमुख मंदिर हैं:**
  - गुजरात में स्थित मोढ़ेरा सूर्य मंदिर का निर्माण 11वीं शताब्दी में हुआ था।
  - ओडिशा में स्थित कोणार्क सूर्य मंदिर का निर्माण 13वीं शताब्दी में पूर्वी गंग वंश के शासक राजा नरसिंह देव प्रथम ने कराया था। यह भगवान सूर्य के 'रथ' का एक विशाल प्रतिरूप है।
  - ब्रह्मण्य देव मंदिर, ऊना (मध्य प्रदेश)।
  - **कुंभकोणम (तमिलनाडु) में सूर्यनार कोविल मंदिर** का निर्माण 11वीं शताब्दी में द्रविड़ शैली में हुआ था।
    - इसमें आठ खगोलीय पिंडों के मंदिर भी हैं, जिन्हें 'नवग्रह' कहा जाता है। इसमें भव्य पंच-स्तरीय गोपुरम भी है।
  - अरासवल्ली (आंध्र प्रदेश) में स्थित सूर्यनारायण स्वामी मंदिर का निर्माण 7वीं शताब्दी में एक कलिंग

राजा द्वारा कराया गया था। कमल के फूल युक्त यह मूर्ति ग्रेनाइट से बनी है।

  - माना जाता है कि **बोधगया (बिहार) के दक्षिणार्क मंदिर** का निर्माण 13वीं शताब्दी ईस्वी में वारंगल के राजा प्रतापरूद्र द्वारा करवाया गया था। मुख्य मूर्ति ग्रेनाइट से निर्मित हैं जो कि कमरधनी, जूते और जैकेट जैसे फारसी परिधानों से सज्जित है। इसके पास में सूर्य कुंड (जलाशय) है।
  - 11वीं शताब्दी में घुमली (गुजरात) में सोलंकी और मारू-गुर्जर शैली में नवलखा मंदिर का निर्माण किया गया था।
  - सूर्य पहाड़ मंदिर, गोलपारा (असम)।
  - **मार्तंड सूर्य मंदिर, कश्मीर।**
- **अतः विकल्प (d) सही है।**